देवीपाटन मण्डल का प्रथम हिन्दी दैनिक

त्रिगुट

गोण्डा सोमवार 11 सितम्बर 2023 वर्ष 39 अंक 26 रजि0 नं0 46071/85 (हिन्दी दैनिक समाचार पत्र) फोन/फैक्स–05262-230683 डाक पंजीयन संख्या–NP/GONDA-30/2003 पृष्ठ– 8 मूल्य 2.00 रुपये

नासिरा प्रेस

मालवीयनगर–गोण्डा

मो0–9236750993

हमारे यहां शादी कार्ड, मुण्डन कार्ड, हैण्डबिल, पोस्टर, स्टीकर आदि की छपाई उचित दर पर होती है।

एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें।

राष्ट्रपति के रात्रिभोज में जापानी पीएम की पत्नी ने पहनी साड़ी

नई दिल्ली (ईएमएस)। जापानी प्रधान मंत्री फुमियो किशिदा की पत्नी युको किशिदा ने भारतीय पोषाक साड़ी को महत्व दिया। उन्होंने शनिवार को जी20 नेताओं के लिए भारत मंडपम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा आयोजित रात्रिभोज में भारतीय पोशाक का विकल्प चुना। युको किशिदा ने पन्ना हरे रंग की सिल्क साड़ी पहनी थी, जिस पर गोल्डन वर्क और बॉर्डर था। उन्होंने इसे साड़ी से मैचिंग बॉर्डर वाले मैजेंटा गुलाबी ब्लाउज के साथ पेयर किया। युको ने क्लच, बिंदी और ईयररिंग्स के साथ इस लुक को पूरा किया। उन्होंने अपने बालों को जूड़े में बांध रखा था। उनकी एक तस?वीर उनके पति, राष्ट्रपति मुर्मू और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के साथ इंटरनेट पर वायरल हो गई।

भारत ने जी 20 में अपनी ताकत का मनवाया लोहा

समिट में भारत के प्रस्तावों को मिला सदस्य देशों का समर्थन, दुनिया में भारत का बजा डंका

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा को जी 20 समूह की अध्यक्षता सौंप दी। इस दौरान उन्होंने सिल्वा को पारंपरिक गैवल (एक प्रकार का हथौड़ा) सौंपा। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने नई वैश्विक संरचना में दुनिया की नई हकीकत को प्रतिबिंबित करने का आह्वान किया और संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक निकायों में सुधार की मांग की। उन्होंने कहा कि दुनिया बदल रही है। ऐसे में दुनिया के बड़े और जिम्मेदार संस्थानों को भी बदलने की जरूरत है। यूएनएससी में अभी भी उतने ही सदस्य हैं, जितने इसकी स्थापना के समय में थे। इसका विस्तार होना चाहिए, यानी स्थायी देशों की संख्या बढनी चाहिए।

जी-20 के दिल्ली घोषणा पत्र को इस लिहाज से सबसे कठिन दौर में आया ऐतिहासिक घोषणा पत्र कह सकते हैं। गौरतलब है कि पिछला जी-20 शिखर सम्मेलन इंडोनेशिया के बाली में हुआ था। बाली घोषणा पत्र में रूस-यूक्रेन युद्ध से जुड़े मुद्दे पर चीन और रूस दोनों ने अपनी आपत्ति दर्ज कराई थी। इस घोषणा पत्र को चीन और रूस की आपत्ति को शामिल करके ही अंतिम रूप दिया गया था। दिल्ली में आयोजित जी-20 की शिखर बैठक में जिस तरह से चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दूरी बनाई थी, उससे ऐसी चिंता थी कि कहीं यहां भी आम सहमति न बन पाए। लेकिन विदेश मंत्री एस जयशंकर और जी-20 के शेरपा अमिताभ कांत के चेहरे के भाव देखने लायक थे। अमिताभ कांत ने इसके लिए अपने सहयोगी अधिकारियों को धन्यवाद दिया। वहीं विदेश मंत्री ने बताया कि इस स्थिति तक आने में ब्राजील, तुर्किए आदि ने बड़ी सहायता की। भारत ने आम सहमति के लिए कई स्तरों पर काफी प्रयास किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जैसा कि आप सभी जानते हैं कि नवंबर 2023 तक जी20 की अध्यक्षता की जिम्मेदारी भारत के पास है। इन दो दिनों में आप सभी ने बहुत सारे सुझाव दिए, प्रस्ताव रखे। हमारा कर्तव्य है कि सुझावों की एक बार फिर से समीक्षा की जाए, ताकि यह देखा जा सके कि उनकी प्रगति को कैसे तेज किया जा सकता है। मेरा प्रस्ताव है कि नवंबर के अंत में हम जी 20 का एक वर्चुअल सत्र आयोजित करें। हम इस शिखर सम्मेलन में तय किए गए विषयों की समीक्षा उस वर्चुअल सत्र में कर सकते हैं। मुझे आशा है कि आप सभी वर्चुअल सत्र में जुड़ेंगे। इसके साथ मैं जी20 सत्र के समापन की घोषणा करता हूं।

ब्राजील ने भारत की सराहना की

लूला डी सिल्वा ने उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं के हितों से जुड़े मुद्दों को आवाज देने के लिए भारत की सराहना की। ब्राजील आधिकारिक रूप से इस साल एक दिसंबर में जी20 समूह के अध्यक्ष का कार्यभार संभालेगा। ब्राजील के राष्ट्रपति ने कहा कि गरीब देशों की कर्ज की समस्या पर ध्यान देना होगा। दुनिया को भुखमरी खत्म करने की कोशिश बढ़ानी होगी।

सूत्रों के मुताबिक, जी20 में नई दिल्ली डिक्लेरेशन का स्वीकार होना, यह कूटनीतिक मोर्चे पर भारत की बड़ी जीत है। वजह, जी20 में सभी महाशक्तियां शामिल हैं। उनकी मौजूदगी में भारत ने सहमति का रास्ता निकाला है। अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन और जापान ने भी एयू को स्थायी सदस्य बनाने के मामले में बाधा खड़ी नहीं की। घोषणापत्र के नौवें पैरे में लिखा था, हम इस बात की पुष्टि करते हैं कि जी20, अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिए एक प्रमुख मंच है। यह समूह भू-राजनीतिक और सुरक्षा मुद्दों को हल करने का मंच नहीं है। हालांकि हम स्वीकार करते हैं कि इन मुद्दों का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण परिणाम हो सकता है। भारत ने यह बात कह कर चीन और रूस, दोनों को संदेश दे दिया। हालांकि चीन का कहीं नाम नहीं लिया।

रूस-यूक्रेन को भी कूटनीति से साध लिया

नई दिल्ली डिक्लेरेशन के 13वें पैरे में लिखा है, हम सभी राज्यों से क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता को, अंतरराष्ट्रीय कानूनों के मुताबिक, बनाए रखने की अपील करते हैं। मानवीय कानून, शांति और स्थिरता की रक्षा करने वाली बहुपक्षीय प्रणाली सहित अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों को बनाए रखने का आह्वान करते हैं। विभिन्न देशों के मध्य संघर्षों का शांतिपूर्ण समाधान और संकटों के हल के हल के लिए प्रयास करने के साथ ही कूटनीति और संवाद महत्वपूर्ण हैं।

हम वैश्विक अर्थव्यवस्था पर युद्ध के प्रतिकूल प्रभाव को संबोधित करने के अपने प्रयास में एकजुट होंगे। यूक्रेन में व्यापक एवं न्यायसंगत और टिकाऊ शांति का समर्थन करने वाली सभी प्रासंगिक और रचनात्मक पहलों का स्वागत करेंगे। बशर्ते, ये सभी पहल, संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सभी उद्देश्यों और सिद्धांतों को कायम रखें। एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य की भावना से राष्ट्रों के बीच शांतिपूर्ण, मैत्रीपूर्ण और अच्छे पड़ोसी संबंधों को बढ़ावा देना होगा। भारत ने ऐसा कर रूस और यूक्रेन के लिए एक संदेश और जी20 का स्टैंड क्लीयर कर दिया।

जी-20 में भाग लेने के बाद जो बाइडन दिल्ली से वियतनाम के लिए रवाना

नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद दिल्ली से वियतनाम यात्रा पर रवाना हो गए हैं। इससे पहले वह सुबह-सुबह महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए राजघाट पहुंचे थे। इसके बाद वह सीधे एयरपोर्ट पहुंचे जहां वह अपनी वियतनाम यात्रा के लिए निकले।

गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में भारत की अपनी पहली यात्रा पर बाइडन दो दिवसीय जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए शुक्रवार को दिल्ली पहुंचे थे। उसी दिन उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता की थी। अपनी 50 मिनट से अधिक की बातचीत में, पीएम मोदी और बाइडन ने भारत द्वारा 31 ड्रोन की खरीद और जेट इंजन के संयुक्त विकास में आगे बढ़ने का स्वागत करते हुए द्विपक्षीय प्रमुख रक्षा साझेदारी को गहरा और विविधतापूर्ण करने का वादा किया। बता दें कि शनिवार को उन्होंने जी20 शिखर सम्मेलन के प्रमुख सत्रों में भी भाग लिया था। इस दौरान बाइडन ने विश्व की समस्याओं के समाधान के लिए भारत की भूमिका की तारीफ की। उन्होंने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर जी20 में अपने भाषण से जुड़ा एक वीडियो शेयर किया।

ब्राजील को अध्यक्षता सौंपकर पीएम मोदी ने किया जी-20 सम्मेलन का समापन

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को नई दिल्ली में आयोजित जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन को समाप्त करने की घोषणा की इसके बाद उन्होंने ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा को अध्यक्षता सौंपी। बता दें कि ब्राज़ील अगले एक वर्ष जी-20 की अध्यक्षता करेगा। पीएम मोदी ने उम्मीद जताई कि ब्राजील की अध्यक्षता में जी20 समूह साझा एजेंडे को और आगे बढ़ाएगा।

उन्होंने इस अवसर पर ब्राजील के राष्ट्रपति को भी बधाई दी। जी-20 शिखर सम्मेलन के समापन की घोषणा करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जैसा कि आप सभी जानते हैं कि भारत के पास नवंबर 2023 तक जी-20 अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी है। इन दो दिनों में आप सभी ने बहुत सारे सुझाव दिए और प्रस्ताव रखे। यह हमारा कर्तव्य है कि हमें जो सुझाव मिले हैं उनकी एक बार फिर से समीक्षा की जाए ताकि यह देखा जा सके कि उनकी प्रगति को कैसे गति दी जा सकती है। पीएम ने कहा कि मेरा प्रस्ताव है कि नवंबर के अंत में हम जी-20 का एक वर्चुअल सत्र आयोजित करें। पीएम मोदी ने आगे कहा कि हम इस शिखर सम्मेलन में तय किए गए विषयों की समीक्षा उस वर्चुअल सत्र में कर सकते हैं। मुझे उम्मीद है कि आप सभी वर्चुअल सत्र में जुड़ेंगे। इसके साथ ही मैं जी-20 शिखर सम्मेलन के समापन की घोषणा करता हूं। भारत ने पिछले साल बाली शिखर सम्मेलन के दौरान इंडोनेशिया से जी-20 की अध्यक्षता ली थी। वित्तीय समावेशन को बढ़ाना और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ-साथ उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए बहुपक्षीय विकास बैंकों (एमडीबी) का विस्तार करना, ग्लोबल साउथ की आवाज को बढ़ाना और पर्यावरण स्थिरता सुनिश्चित करना भारत की जी20 अध्यक्षता के कुछ प्रमुख लक्ष्य रहे हैं।

मोरक्को में भूकंप से मरने वाले लोगों की संख्या पहुंची 2000 के ऊपर

पीएम मोदी ने व्यक्त की संवेदना, हरसंभव सहायता देने का दिलाया भरोसा

रबात (ईएमएस)। मोरक्को में आए भूकंप से मरने वालों की संख्या 2000 के ऊपर पहुंच गई है। यह भूकंप 8 सितंबर की रात को 6.8 तीव्रता के साथ आया था, जिसने इस अफ्रीकी देश में बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है। इस प्राकृतिक आपदा के बाद मौतों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इधर पीएम नरेन्द्र मोदी ने मरने वालों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए हर संभव मदद करने का भरोसा दिलाया है।

भूकंप से अब तक 2000 से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। बतादें कि भूकंप आने के 48 घंटे बाद भी राहत एवं बचाव कार्य जारी है। अभी इसमें मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है। भीषण त्रासदी के बाद हजारों घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। सैकड़ों इमारतों के जमींदोज होने के कारण हजारों लोग बेघर हो गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार मोरक्को में 3 दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की गई है। मोरक्कन सेना के एक बयान के अनुसार, वहां के किंग मोहम्मद ने सशस्त्र बलों को स्पेशल सर्च एंड रेस्क्यू टीम और एक सर्जिकल फील्ड हॉस्पिटल तैनात करने का निर्देश दिया है। बता दें कि मोरक्को के हाई एटलस पर्वतों को हिलाने वाले भूकंप के तेज झटकों के कारण केंद्र के निकटतम शहर मराकेश में कई ऐतिहासिक संरचनाएं क्षतिग्रस्त हो गई ?हैं। लेकिन अधिकांश मौतें अल-हौज और तरौदंत प्रांतों के दक्षिण में पहाड़ी क्षेत्रों में दर्ज की गई हैं। इस बीच, खोज एवं बचाव दल मलबा हटाने और सड़कें साफ करने में जुटा है। भूकंप की गहराई 1805 किमी मापी गई है। दक्षिण में सिदी इफनी से लेकर उत्तर में रबात और उससे भी आगे तक तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र एक प्रमुख आर्थिक केंद्र शहर मराकेश से 72 किलोमीटर पश्चिम में था। तुर्किये आपदा और आपातकालीन प्रबंधन विभाग का कहना है कि उसने मोरक्को से इमरजेंसी अलर्ट मिलने की स्थिति में चिकित्सा, राहत, खोज और बचाव एजेंसियों के 265 सदस्यों को अलर्ट पर रखा है। रबात में अधिकारियों की मांग पर मोरक्को ले जाने के लिए एक हजार तंबू आवंटित किए गए हैं।

मोदी ने जानमाल के नुकसान पर जताया दुख

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोरक्को में आए तीव्र भूकंप के कारण हुए जानमाल के नुकसान पर गहरा दुख व्यक्त किया था। उन्होंने एक्स पर लिखा था 'मोरक्को में भूकंप के कारण जानमाल के नुकसान से बेहद दुखी हूं। इस दुखद घड़ी में मेरी संवेदनाएं मोरक्को के लोगों के साथ हैं।

उन लोगों के प्रति संवेदना जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। घायल जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। भारत इस कठिन समय में मोरक्को को हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है।'

जारी किया हेल्पलाइन नंबर

भारत ने मोरक्को में अपने नागरिकों को सहायता देने के लिए भारतीय दूतावास द्वारा एक हेल्पलाइन नंबर जारी ?किय है। इस पर फोन कर भारतीयों से किसी भी प्रकार की सहायता के लिए संपर्क करने को कहा है।

दूतावास ने शनिवार को एक्स पर एक संदेश पोस्ट किया, मोरक्को में हाल ही में आए भूकंप के मद्देनजर, मोरक्को में भारतीय नागरिक किसी भी सहायता के लिए भारतीय दूतावास के हेल्पलाइन नंबर +212661297491 पर संपर्क कर सकते हैं। इस तरह से प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तरी अफ्रीकी राष्ट्र को सहायता की पेशकश की।

अक्षरधाम मंदिर में करीब 45 मिनट रुके ब्रिटेन पीएम ऋषि सुनक पत्नी संग टेका माथा

नई दिल्ली (ईएमएस)। अक्षरधाम मंदिर की सुंदरता और इसके शांति, सद्भाव और एक बेहतर इंसान बनने के सार्वभौमिक संदेश से काफी अभिभूत हैं। यह न केवल पूजा स्थल है, बल्कि एक मील का पत्थर है जो भारत के मूल्यों, संस्कृति और विश्व में योगदान को चित्रित करता है। यह विश्वास, भक्ति और सद्भाव के शाश्वत हिंदू आध्यात्मिक संदेशों को बढ़ावा देता है। मुझे और मेरी पत्नी को भगवान स्वामीनारायण व भगवान श्रीराम के दर्शन कर काफी खुशी हुई है।

उक्त भाव ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने व्यक्त किए। वह रविवार सुबह अपनी पत्नी अक्षता मूर्ति के साथ भगवान स्वामीनारायण के दर्शनों के लिए अक्षरधाम मंदिर पहुंचे थे। ऋषि ने कहा कि ब्रिटेन में वह इन्हीं मूल्यों और संस्कृति को ब्रिटिश भारतीय समुदाय द्वारा देश में किए गए सकारात्मक योगदान के माध्यम से देखते हैं। मंदिर प्रबंधन ने बताया कि प्रधानमंत्री ऋषि और उनका काफिला रविवार सुबह पौने सात बजे मंदिर पहुंचा था। मंदिर में वे करीब 45 मिनट तक रुके। मंदिर के स्वामियों व अन्य पदाधिकारियों ने पारंपरिक हिंदू तरीके से माला पहनाकर, माथे पर टीका लगाकर उनका स्वागत किया गया। मंत्रोच्चारण के साथ उनके हाथ में रक्षा सूत्र भी बांधा गया।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में स्वच्छता अभियान के तहत सभी थाना परिसर में किया गया साफ सफाई

त्रिगुट संवाददाता

गोंडा। पुलिस अधीक्षक गोण्डा अंकित मित्तल के निर्देशन में स्वच्छता अभियान के तहत थानाध्यक्ष मोतीगंज व उपस्थित पुलिसकर्मियों द्वारा श्रमदान कर थाना परिसर व कार्यालय की साफ सफाई की गई।पुलिस अधीक्षक गोंडा अंकित मित्तल के निर्देशन में रविवार सुबह मोतीगंज थाना कार्यालय व परिसर सहित जनपद के अन्य थाना क्षेत्र में स्वच्छता अभियान के तहत साफ सफाई अभियान चलाया गया। जिसमें थाना प्रसार कार्यालय तथा थाना परिषद के उन स्थानों पर पुलिस कर्मियों द्वारा स्वच्छता अभियान के तहत साफ सफाई की गई। थानाध्यक्ष मोतीगंज कृष्ण गोपाल राय तथा अन्य पुलिसकर्मियों द्वारा थाना मोतीगंज परिसर में बने रूम कैमरा तथा कार्यालय में साफ सफाई कार्यक्रम स्वच्छता अभियान के तहत किया गय।इस दौरान थाने के समस्त पुलिसकर्मी मौजूद रहे और सभी ने स्वच्छता अभियान के तहत साफ सफाई किया।

खेत में सब्जी के लिए धरती के फूल खोद रहे बच्चों को 3 हैंड ग्रेनेड मिले

हरदोई (ईएमएस)। हरदोई जिले के गांव में खेत में सब्जी के लिए धरती के फूल खोद रहे बच्चों को 3 हैंड ग्रेनेड मिले जिन्हें बच्चे खिलौना समझकर अपने घर ले गए।

हैंड ग्रेनेड देखते ही परिजनों के होश उड़ गए और परिजनों ने ग्रेनेडों को खेत में रखवा दिया और भाग गए। सूचना मिलने पर पहुंचे कोतवाल और पुलिसकर्मियों ने जांच की और उच्चाधिकारियों को सूचना दी। इससे गांव में अफरा तफरी का माहौल है। कोतवाली क्षेत्र के गांव नाउ नगला में शुक्रवार को गांव निवासी कमलेश पुत्र त्रियुगी सिंह निवासी नाउ नगरा थाना लोनार के आम के बाग से गांव के ही बच्चे छोटू पुत्र सर्वेंद्र व विजेंद्र पुत्र धर्मपाल राठौर धरती के फूल खोद रहे थे।

इसी दौरान उनको 3 हैंड ग्रेनेड मिले, जिनको बच्चे खिलौना समझकर अपने घर ले गए। परिजनों ने ग्रेनेडों को वही रखवा दिया। इसकी सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे सीओ हरपालपुर विनोद द्विवेदी, कोतवाल विनोद कुमार यादव, एसआई कैलास यादव, कांस्टेबल तेजवीर गोला, सुनील सिंह और अन्य पुलिसकर्मियों ने देखा तो लाइव ग्रेनेड प्रतीत हो रहे हैं।

गांव गांव जाकर लम्पी स्किन रोग के बारे में जागरूकता फैलाएं

० संक्रमण की रोकथाम हेतु अधिकारी फील्ड में जाकर करें काम
० संक्रमित पशु को अन्य पशुओं से आइसोलेट किया जाए

त्रिगुट संवाददाता

गोंडा। गोण्डा में पशुओं में लम्पी स्किन डिजीज (पशुओ में त्वचा रोग) के संक्रमण रोकथाम हेतु प्रबंधक निदेशक पीसीडीएफ लखनऊ आनंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में बैठक हुई। बैठक के दौरान उन्होंने एलएसडी बीमारी से रोकथाम एवं संक्रमण से बचाव के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। बैठक के दौरान उन्होंने संक्रमण की रोकथाम में लगे सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वह गांव-गांव जाकर फील्ड वर्क करें। गांव-गांव जाकर इस संक्रमण के लक्षण व बचाव के संबंध में जन जागरूकता फैलाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि जो पशु रोग इस रोग से संक्रमित हो गया उसे तत्काल अन्य पशुओं से आइसोलेट कर दिया जाए। गौशालाओं को संक्रमण से दूर रखा जाए। गौशालाओं के सभी पशुओं को वैक्सीन लगाई जाए। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक वैक्सीन लगाकर संक्रमण को रोका जाए। उन्होंने सीवीओ को निर्देश दिए कि गांव-गांव जाकर प्रधानों व सेक्रेटरी आदि के साथ बैठक कर लोगों को इस बारे में जानकारी दें। गांवों में बैनर व पम्पलेट के माध्यम से कंट्रोल रूम का नंबर का प्रचार प्रसार करायें। तीन दिन का अभियान चला कर संक्रमण पर रोक लगाई जाए। इस रोग के बारे में फैल रही गलत खबरों का खंडन किया जाए। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, सभी बीडीओ, सभी अधिशासी अधिकारी सहित अन्य सभी संबंधित अधिकारी का उपस्थित रहे।

लम्पी स्किन डिजीज क्या है

लंपी स्किन डिजीज एक वायरल बीमारी होती है, जो गाय-भैंसों में होती है। लम्पी स्किन डिज़ीज़ में शरीर पर गांठें बनने लगती हैं, खासकर सिर, गर्दन, और जननांगों के आसपास। धीरे-धीरे ये गांठे बड़ी होने लगती हैं और घाव बन जाता है। एलएसडी वायरस मच्छरों और मक्खियों जैसे खून चूसने वाले कीड़ों से आसानी से फैलता है। साथ ही ये दूषित पानी, लार और चारे के माध्यम से भी फैलता है।

देश हमेशा अपने वीर सैनिकों के लिए ऋणी रहेगा-मिथलेश त्रिपाठी

(सत्य प्रकाश पांडेय)

अंबेडकर नगर- भाजपा की मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम विधान सभा क्षेत्र अकबरपुर के बेवाना मण्डल की ग्राम सभा रसूलपुर दियारा में ग्राम प्रधान महेंद्र कुमार के संयोजन एवम मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष डाक्टर मिथिलेश त्रिपाठी के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।

भाजपा जिलाध्यक्ष डाक्टर मिथिलेश त्रिपाठी ने देश के आजादी की 75 वीं वर्ष में अमृत महोत्सव के अन्तर्गत शहीदों की सम्मान में आयोजित मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि देश की आजादी वीर सैनिकों की शहादत के कारण ही मिल सकी है।कहा कि मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम आयोजित कर भाजपा कार्यकर्ता द्वारा प्रत्येक घर से मिट्टी और अक्षत का मटके में संग्रह और 75 वृक्षों की अमृत वाटिका स्थापित कर शहीदों की बलिदान का सम्मान किया जा रहा है।भाजपा प्रत्येक गांव में कार्यक्रम आयोजित कर रही है।कहा कि हमारे वीर सैनिकों ने भारत पर राज करने वाले विदेशी आक्रांताओं खदेड़ कर हमारे देश को आजादी दिलाया था।वीर सैनिकों की शौर्य और हिम्मत हमें देश के प्रति समर्पण और बलिदान को याद दिलाता है।जिससे हमें प्रेरणा लेना चाहिए।देश अपने वीर सैनिकों का हमेशा ऋणी रहेगा। जिन्होंने हमें सम्मान से जीने का हक दिया है।उन्होंने उपस्थित लोगों को पंच प्रण की शपथ भी दिलाया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला मंत्री विनय पाण्डेय,मण्डल अध्यक्ष रवि सिंह चौहान,डाक्टर संतोष सिंह, ग्राम प्रधान महेंद्र कुमार,अमित यादव सहित दर्जनों लोग शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

चौपाल में आई आवास और पेंशन न मिलने की शिकायत

संतकबीरनगर। बढ़नी ब्लाक के रूमनदेई व गड़रखा में चौपाल में व्यक्तिगत शौचालय, प्रधानमंत्री आवास, वृद्धा, विधवा व दिव्यांग पेंशन, राशन कार्ड की समस्याएं अधिक आईं। चौपाल में मौजूद विधायक विधायक विनय वर्मा व एसडीएम प्रदीप यादव ने बीडीओ से शीघ्र निराकरण का निर्देश दिया। इस दौरान प्राथमिक विद्यालय रूमनदेई में तैनात रसोईया कर्मचारी शुभावती,अकालमती व श्यामली ने शिकायत की कि पिछले साल तीन माह से मानदेय नहीं मिला है, इस सत्र में भी केवल 1500 रुपए ही मिला है। जिसपर विधायक ने बीईओ रामू प्रसाद को समस्या के समाधान का निर्देश दिया। रामकुमार, दशरथ, सरस्वती, सहाऊ, सखन, गोवर्धन, प्रकाश, रामकुमार, तौलेश्वर ने आवास न मिलने की शिकायत की। इसके अलावा कमला देवी, घनश्याम ज्ञानमती और अवतारी ने विधवा पेंशन रुकने की शिकायत की। इस दौरान बीडीओ धनंजय सिंह, एसडीआई रामू प्रसाद, एमओआईसी डॉ. अविनाश यादव, ग्राम प्रधान अब्दुल करीम व रविन्द्र शर्मा, चुल्हई, निषाद पार्टी के जिलाध्यक्ष हरीराम निषाद, अपना दल एस के विधानसभा अध्यक्ष रामदास मौर्य आदि मौजूद थे।

टीकाकरण व गर्भवती महिलाओं की जांच में न बरतें शिथिलता

सिद्धार्थनगर। भनवापुर ब्लॉक क्षेत्र के सिरसिया सीएचसी पर मिशन इंद्र धनुष के तहत स्वास्थ्य कर्मियों की बैठक हुई। बैठक में स्वास्थ्यकर्मियों को टीकाकरण से वंचित बच्चे व गर्भवती महिलाओं की जांच में शिथिलता न बरतने की हिदायत दी गई। बैठक में उपस्थित एएनएम, सुपरवाइजरों, सीएचओ को निर्देश देते हुए कहा कि 11 से 16 सितंबर तक सघन मिशन इंद्र धनुष चलाया जाएगा, जिसमें सभी स्वस्थ कार्यकर्ता पांच वर्ष तक के बच्चे जो टीकाकरण से वंचित रह गए हैं। उनका हर हाल में टीकाकरण सुनिश्चित करें। सभी स्वास्थ्यकर्मी आशा के माध्यम से जानकारी लेकर गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण, प्रसव पूर्व चार जांच के साथ ही संतुलित आहार लेने के लिए जागरूक करें। स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी राजीव कुमार त्रिपाठी ने कहा कि गर्भवती महिलाओं को प्रसव पूर्व कोई समस्या होती है तो गांव की संबंधित आशा गर्भवती महिला को नजदीकी पीएचसी या सीएचसी पर तत्काल जांच कराएं, साथ ही संस्थागत प्रसव के लिए प्रेरित करें।

बीबीपुर-अटवा गांव बाईपास चौड़ीकरण की मांग उठाई

सीतापुर। मिश्रिख सांसद अशोक रावत ने पर्यटन सचिव को पत्र लिखकर नैमिषारण्य क्षेत्र की समस्याओं के निस्तारण की मांग की। पत्र में सांसद ने लिखा है कि नैमिषारण्य से एक बाईपास राही गेस्ट हाउस से होकर निकलना है। प्रस्तावित बाईपास आबादी क्षेत्र के साथ ही आश्रम स्कूल एवं व्यापारियों के प्रतिष्ठान व शक्तिपीठ मां ललिता देवी मंदिर से मात्र 300 मीटर की दूरी पर निकल रहा है। इससे आम जन मानस की समस्याएं बढ़ सकती हैं। इसके स्थान पर एक अन्य बाईपास बीबीपुर गांव से अटवा गांव तक बना है। इस मार्ग का चौड़ीकरण कराकर यातायात सुचारु रूप से संचालित किया जा सकता है। उस मार्ग से ललिता देवी मंदिर की दूरी लगभग डेढ़ किलोमीटर है, जिससे मंदिर के निकट जाम जैसी समस्या भी उत्पन्न नहीं होगी। इसलिए राही गेस्ट हाउस होकर निकलने वाले बाईपास को बीबीपुर,अटवा मार्ग होकर निकाला जाए। पत्र में यह भी अनुरोध किया गया है कि जनहित में जो गाटा संख्या की जितनी भूमि अधिग्रहण करनी हो उतनी ही की जाए समस्त गाटा संख्या भूमि का अधिग्रहण न किया जाए।

400 गांवों में दो दिनों से बिजली गुल

रामपुर। लाइन में फॉल्ट आने से बांसुरा उपकेंद्र से जुड़े करीब 400 गांवों में दो दिनों से बिजली गुल है। शुक्रवार को क्षेत्र के उद्योग धंधे ठप रहे। सरकारी कार्यालयों में भी कामकाज बाधित रहा। घरों के उपकरण शोपीस बनकर रह गए हैं। उपकेंद्र से जुड़े 400 गांवों में गुरुवार तीन बजे अचानक बिजली गुल हो गई। किसी तरह लोगों ने रात काटी। शुक्रवार भोर को भी जब बिजली नहीं आई तो लोगों ने अधिकारियों को फोन करना शुरू किया। पता चला कि तकनीकी फॉल्ट से दिक्कत हुई है। उपभोक्ता मिंकू, विजय व नसीम आदि ने बताया कि इस उपकेंद्र से 27 किमी. दूर रायसेनपुर गांव तक लंबी लाइन के अधिकांश तार करीब दो दशक पुराने व जर्जर हो चुके हैं। हल्की सी बरसात व तेज हवा में बिजली आपूर्ति बाधित हो जाती है। दो सप्ताह से दिन में 3 से 4 बार तार टूटने की घटनाएं हो रही हैं। अवर अभियंता गोविंद प्रसाद ने बताया कि लाइन में फॉल्ट आ गई है। इसे सही करने का प्रयास चल रहा है। देर शाम तक इन गांवों में आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी थी।

11 व 12 को निपुण परीक्षा, 445 अफसरों की लगाई ड्यूटी

सीतापुर। परिषदीय विद्यालयों के नौनिहालों का 11 व 12 सितंबर को निपुण असिस्मेंट टेस्ट होगा। इस परीक्षा के लिए जिलाधिकारी ने 445 अफसरों की ड्यूटी लगाई है। ह अफसर परीक्षा के लिए कम से कम पांच विद्यालयों का निरीक्षण करेंगे। इस परीक्षा के जरिए नौनिहालों की विषयवार अब तक की गई कोर्स की तैयारी परखी जाएगी। सीओ प्रशिक्षित स्टॉफ परीक्षा होगी। इसमें कक्षा एक से आठ तक के नौनिहाल शामिल होंगे। यह परीक्षा प्रत्येक परिषदीय विद्यालय में आयोजित की जाएगी। बीएसए अखिलेश प्रताप सिंह ने बताया कि परीक्षा को लेकर तैयारी कर ली गई है जो भी कमियां हैं उन्हें भी दो दिन में दूर कर लिया जाएगा।

मुजीब से मिलने वालों की कुंडली खंगालेगी पुलिस

सीतापुर। सूत्रों की मानें तो पुलिस की जांच में अब मुजीब से जेल में मुलाकात करने वालों पर भी शिकंजा कस सकता है। पुलिस पत्र लिखकर जेल प्रशासन से यह जानकारी लेगी कि सरेंडर करने के बाद अब तक कितने लोग मुजीब से जेल में मुलाकात करने गए थे। उनकी भी कुंडली पुलिस खंगालेगी। वहीं, शुक्रवार को शहर कोतवाली के एक निरीक्षक ने जेल जाकर कुछ अहम जानकारियां जुटाईं। जेल सूत्रों की मानें तो करीब एक माह पहले पुलिस की ओर से जेल प्रशासन को गिरफ्तार कर लिया था। इसमें कई जानकारियां मांगी गई थीं। डिप्टी जेलर विजयलक्ष्मी ने एक पुलिसकर्मी को फोन करके यह पूछा था कि आखिर जेल से यह जानकारी क्यों मांगी जा रही है? हालांकि उनका कहना है कि उन्होंने किसी को फोन नहीं किया था। इस मामले में पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्रा ने बताया कि इस दिशा में भी जांच होगी।

बाड़ा तोड़ गोवंश चर गए फसल

सीतापुर। परसेंडी ब्लॉक क्षेत्र की भदियासी ग्राम पंचायत में बनी गोशाला में संरक्षित 330 गोवंश गुरुवार को बाड़ा तोड़कर कई किसानों की फसल चट कर गए। चार दिन पहले ही इस गोशाला का लोकार्पण हुआ था। कंटीला तार तोड़कर बाहर आए गोवंश बुरी तरह घायल भी हो गए। किसानों का आरोप है कि गोशाला में गोवंशों को बीते तीन दिनों से चारा नहीं मिला। इसी वजह से गोवंशों ने कंटीले तारों को तोड़कर खेतों में लगी फसलों को नष्ट कर दिया। किसानों ने बताया कि चार सितंबर को इस गोशाला का लोकार्पण किया गया था। जिसमें 330 पशुओं की देखरेख के लिए सात लोग तैनात किए गए। लाखों की लागत से बनी गोशाला महज दिखावा साबित हो रही है। किसान छत्रपाल, प्रकाश, सुरेश, रामहेत व खन्ना ने कहा कि गोशाला की देखरेख स्वयं प्रधान कर रहे हैं। लापरवाही किसानों पर भारी पड़ रही है।

मामूली विवाद के बाद पत्नी को उतारा मौत के घाट

सीतापुर। कोतवाली देहात क्षेत्र में आपसी विवाद के बाद पति ने पत्नी की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उल्जापुर गांव निवासी मनोहर का अपनी पत्नी मैकिन (45) से मामूली बात को लेकर विवाद हो गया। बुधवार रात दोनों के बीच में बहस शुरू हो गई। मनोहर ने अपनी पत्नी पर कुल्हाड़ी से प्रहार कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। आरोपी ने उस पर चाकू से भी प्रहार किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। सीओ सदर राजकुमार ने भी घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए ग्रामीणों के बयान दर्ज किए। सीओ ने बताया कि दंपती में अक्सर विवाद हुआ करता था।

आईकेएमजी ने धूमधाम से मनाया नंदोत्सव

शाहजहांपुर। अंतरराष्ट्रीय खत्री महासभा (आईकेएमजी) की ओर से वृंदावन गार्डन में किरण खन्ना के आवास पर नंदोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें श्रीराधा-कृष्ण के स्वरूप में सजे बच्चों ने मनमोह लिया। इस दौरान भजन-कीर्तन व नृत्य का प्रस्तुतिकरण हुआ। माखन, मिश्री, श्रीखंड, फल, मिठाई, रसखीर से भगवान का भोग लगाया गया। आरती के बाद प्रसाद वितरण हुआ। इस मौके पर अध्यक्ष रजनी सेठ, उपाध्यक्ष पूनम टंडन, सलाहकार कोमल खन्ना, सह संयोजक रिद्धि बहल, करिश्मा टंडन, नीरू कपूर, रेनू कपूर, डिंपल टंडन, रोली टंडन, वनिता कपूर, माला कपूर, पूनम कपूर, मेघना खन्ना, रागिनी टंडन, बीना मेहरोत्रा आदि मौजूद रहे।

छुट्टा गोवंशीय पशु और बिजली के मुद्दे उठाए

शाहजहांपुर। विकास भवन स्थित सभागार में शनिवार को सांसद अरुण कुमार सागर की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक हुई। इसमें जनप्रतिनिधियों ने छुट्टा गोवंशीय पशुओं, बिजली, जर्जर सड़क आदि के मुद्दे प्रमुखता से उठाए। सांसद ने कहा कि जनसमस्याओं का बेहतर निस्तारण किया जाए, जिससे पात्रों को लाभांवित किया जा सके। इस दौरान विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई। सीडीओ एसबी सिंह ने 11 से 30 सितंबर आयोजित होने वाली अमृत कलश के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। जनप्रतिनिधियों ने बेसहारा गोवंशीय पशुओं के संरक्षण का मुद्दा उठाया। सिमरा वीरान में स्थापित वृहद गो संरक्षण केंद्र में गो सदन, गो अनुसंधान केंद्र, गोकुल वन के विस्तार को लेकर भी चर्चा की गई। डीएम उमेश प्रताप सिंह ने बताया कि 58 गो संरक्षण केंद्र बनकर तैयार हैं। वित्त एवं संसदीय कार्य सुरेश कुमार खन्ना ने गो संरक्षण को लेकर कार्ययोजना बनाकर 16 सितंबर को बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। मंत्री ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन सड़कों को जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम के अंतर्गत डाली गईं पाइपलाइन के बाद सड़कों को पुरानी स्थिति में लाने के लिए गुणवत्ता के साथ मरम्मत कराने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री आवास योजना नगरीय में 2678 के सापेक्ष 2276 को आवास उपलब्ध कराने पर मंत्री ने निर्देश दिए कि सभी पात्रों को प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभांवित किया जाए। महापौर अर्चना वर्मा ने बिजली कटौती, स्वास्थ्य विभाग में महिला चिकित्सकों की कम संख्या और बाल रोग विशेषज्ञों की कमी का मुद्दा उठाया। इस दौरान राज्यसभा सांसद मिथिलेश कुमार, एमएलसी सुधीर गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष ममता यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष केसी वर्मा, नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा, सीएमओ डॉ. आरके गौतम, पीडी डीआरडीए अवधेश राम आदि मौजूद रहे।

रेलवे ट्रैक के किनारे मिला युवक का शव

संतकबीरनगर। खलीलाबाद और मगहर रेलवे स्टेशन के बीच जनता मार्ग के पास ट्रैक के किनारे शुक्रवार को युवक का शव मिला। सूचना पर आरपीएफ-जीआरपी और कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाऊस भेज दिया। चौकी इंचार्ज बरदहिया बाजार कृष्ण मोहन राव ने बताया कि प्रथम दृष्टया जांच से प्रतीत हो रहा है कि युवक की किसी ट्रेन से गिर कर मौत हो गई। युवक की उम्र करीब 45 वर्ष आंकी गई। युवक आसमानी रंग का शर्ट और काले रंग का पैंट पहने हुआ था। युवक के पास से पहचान का कोई प्रमाण पत्र नहीं मिला।

अशुद्ध हवा से हो रहा दमा, खांसी और फेफडों का कैंसर

सोनभद्र। राष्ट्रीय क्लाइमेट चेंज और मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को चौथा इंटरनेशन क्लीन एयर एंड ब्लू स्काई दिवस शुक्रवार को जिले में मनाया गया। टूगेदर फॉर क्लीन एयर की थीम पर हुए कार्यक्रम में स्वच्छ वायु के लिए हर किसी से सजगता दिखाने की अपील की गई। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सीएमओ डॉ. अश्वनी कुमार ने छात्राओं को जलवायु परिवर्तन के कारणों पर जानकारी दी। पर्यावरणीय प्रदूषण उत्पन्न करने वाले कारखानों की फ्लाई ऐश, औद्योगिक कचरे, विकास के नाम पर वनों की अंधाधुंध कटाई, फ्रिज, एसी सहित अन्य उपकरणों से होने वाले नुकसान और उत्सर्जित हानिकारक गैसों से बचाव के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने और प्लास्टिक के प्रयोग से बचने की सलाह दी। नदियों के जल को प्रदूषण मुक्त रखते हुए उसमें किसी भी प्रकार का कचरा न फेंकने की अपील की। राजा शारदा महेश इंटर कॉलेज में एसीएमओ डॉ. प्रेमनाथ ने बच्चों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि अशुद्ध हवा से दमा, खासी, फेफड़ों का कैंसर, हृदय रोग, श्वांस नली में इंफेक्शन, उच्च रक्तचाप की बीमारियां तेजी से बढ़ रही है। इनसे बचने के लिए जरूरी उपाय अपनाने पर जोर दिया। मनोज कुमार फार्मासिस्ट, राहुल कन्नौजिया फाइनेन्स कम लॉजिस्टिक कंसल्टेंट, चंदा यादव, प्राची गुप्ता, रेखा कुमारी आदि मौजूद रही।

चाय की दुकान चलाने वाले युवक का फंदे से लटका मिला शव

सिद्धार्थनगर। गोल्हौरा थाना क्षेत्र के चौराहे स्थित एक चाय की दुकान में फंदे से लटकती चाय विक्रेता की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। वह थाना क्षेत्र के डड़वाढड्डी का निवासी था। मौत का कारण जानने के लिए पुलिस शव का पोस्टमार्टम करा रही है। गोल्हौरा थानाक्षेत्र के ग्राम डड़वाढड्डी निवासी दुर्गेश उर्फ गोलू (22) पुत्र सुखराम गोल्हौरा चौराहे पर कई वर्षों से चाय की दुकान चलाता था। बताते हैं कि बृहस्पतिवार रात में वह दुकान बंद कर रोज की तरह सोने चला गया। शुक्रवार सुबह लगभग 5 बजे उसका भाई दिनेश जब दुकान पर पहुंचा तो देखा कि अंदर टिनशेड में लगे लोहे की पाइप में गमछे के फंदे में दुर्गेश की लाश लटकी हुई है। उसने परिजन की मदद से लाश नीचे उतरवाया और अपनी मां धनपति के साथ थाने पर पहुंचकर पुलिस को सूचना दी। प्रभारी निरीक्षक बलजीत कुमार राव ने फोरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया और उसे पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। मौके पर सीओ इटवा जयराम ने पहुंचकर जांच की। घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं। इस संबंध में थाना प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि मृतक की मां की तहरीर पर मामला दर्ज कर जांच व कार्रवाई की जा रही है।

मंत्री की फटकार के बाद भी नहीं सुधरे हालात

सीतापुर। कारागार राज्यमंत्री सुरेश राही ने बुधवार को जिला अस्पताल का निरीक्षण किया था। परिसर में उन्हें बड़े पैमाने पर गंदगी और अव्यवस्थाएं मिली थीं। मंत्री ने व्यवस्थाएं दुरुस्त कराने के निर्देश दिए थे लेकिन अफसरों के लिए उनका आदेश भी मायने नहीं रखता। अस्पताल परिसर का दौरा किया तो इमरजेंसी, ओपीडी गेट सहित अन्य जगहों पर गंदगी नजर आई। एक बेड पर दो मरीज के बजाय बेंच पर लिटाकर इलाज श्या जा रहा था। कारागार राज्यमंत्री ने बुधवार को निरीक्षण के दौरान शौचालय व अस्पताल में गंदगी मिलने पर नाराजगी जताई थी। अफसरों को तत्काल साफ-सफाई कराने के निर्देश दिए थे। इस पर शुक्रवार को अस्पताल का रियल्टी चेक किया तो शौचालय तो साफ सुथरे मिले। लेकिन गंदगी की भरमार मिली। इमरजेंसी गेट, ओपीडी गेट, वाटर कूलर, मेडिकल वार्ड के पास गंदगी नजर आई। इस समय मलेरिया व डेंगू का प्रकोप चल रहा है। इससे बचने के लिए साफ-सफाई अपनाने की बात कही जा रही है पर अस्पताल की यह गंदगी मरीजों के लिए बीमारियां पैदा कर रही है। पैथालॉजी में भीड़ अधिक होने पर सुधार दिखाई दिया। पुलिसकर्मी मरीजों की लाइन लगवाकर बारी-बारी से जांच करवा रहे थे। वार्ड में एक बेड पर दो-दो मरीज मिलने पर मंत्री नाराज हुए थे। शुक्रवार बेड पर दो मरीज भर्ती नहीं मिले, लेकिन बेंच पर जरूर उनका इलाज किया जा रहा था।

चोरी की घटनाएं बन रहीं मुसीबत

जिला अस्पताल परिसर में पुलिस चौकी बनी हुई है। इसके बावजूद चोरी की घटनाएं नहीं रुक रही हैं। अस्पताल के एक कर्मचारी ने बताया कि अस्पताल के पीछे वाला गेट रात में बंद नहीं होता है। इसी गेट से कई अराजकतत्व अंदर आ जाते हैं। इस चोरी में अस्पताल के कई लोग भी शामिल हैं। इससे पहले हुई चोरी में उनको पकड़ा गया था। लेकिन पुलिस ने उन्हें छोड़ दिया था। एक महिला के जेवर चोरी होने पर मंत्री ने चौकी प्रभारी को फटकार लगाई थी। इस घटना के बाद भी एक मरीज का गुरुवार को मोबाइल चोरी हो गया। हालांकि उसने अभी पुलिस से शिकायत नहीं की है। अस्पताल के एक कर्मी ने बताया कि अगर पुलिस सख्ती से रात में गश्त करें और यहां के लोगों पर निगाह रखे तो जरूर चोरी पर लगाम लग जाएगी। चौकी प्रभारी न तो गश्त करते हैं न ही अस्पताल की घटनाओं को महत्व देते हैं।

550 मरीजों जांच, अगले दिन मिल रही रिपोर्ट

जिला अस्पताल की पैथालॉजी में एक दिन में 550 मरीजों की जांचें हो रहीं हैं। इसके बाद भी कई मरीज बिना जांच कराए लौट रहे हैं।

अब भीड़ बढ़ने पर मरीजों को जांच के लिए अगले दिन नहीं बुलाया जाएगा, उसी दिन उनका सैंपल ले लिया जाएगा। लेकिन रिपोर्ट अगले दिन ही दी जा जाएगी।

आंधी-पानी से आधे शहर में गुल रही बिजली

सीतापुर। बारिश व तेज हवा के कारण शहर के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति व्यवस्था पटरी से उतरी रही। हुसैनगंज के पास केबल पंक्चर होने से भवानीपुर व पुराना सीतापुर उपकेंद्र से जुड़े इलाकों में 12 घंटे बिजली गुल रही। कमलापुर उपकेंद्र में सीटी फुंकी गई। इस कारण सौ से अधिक गांवों में बिजली गुल रही। कसरैली, मछरेहटा, अटरिया उपकेंद्र में फॉल्ट के चलते करीब दो सौ गांव में आपूर्ति बाधित रही। इस लंबी कटौती के चलते लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

बारिश के दौरान फॉल्ट खोजने व उसे सही करने में दिक्कत आई। हुसैनगंज उपकेंद्र के पास गुरुवार को केबल पंक्चर हो गया। इस केबल से भवानीपुर व पुराना सीतापुर उपकेंद्र को बिजली आपूर्ति की जाती है। गुरुवार को शाम चार बजे बिजली गुल हो गई। दो घंटे तक आपूर्ति बहाल न होने पर लोगों ने बिजली विभाग के अफसरों को फोन करना शुरू किया। अफसरों ने बताया केबल पंक्चर हो गया है। इसके बाद जब केबल बन गया तो लाइन में फॉल्ट आ गई। इस फॉल्ट को तलाशने में करीब छह घंटे लग गए। इससे भवानीपुर व पुराना सीतापुर से जुड़ी करीब एक लाख आबादी को परेशान होना पड़ा। इन्वर्टर डिस्चार्ज हो गए। पेयजल संकट खड़ा हो गया। वैकल्पिक तौर पर इमलिया सुल्तानपुर उपकेंद्र से हरदोई रोड, शास्त्रीनगर सहित अन्य फीडर जोड़कर कुछ देर के लिए आपूर्ति बहाल की गई। लेकिन आधे घंटे बाद बिजली फिर से चली गई। रात करीब तीन बजे आपूर्ति बहाल हो सकी। शुक्रवार दिन में भी तीन से चार घंटे की अघोषित कटौती हुई। एसडीओ द्वितीय हिमांशु पटेल ने बताया कि फॉल्ट के कारण दिक्कत थी। इसी तरह सिटी पॉवर हाउस से जुड़े आवास विकास कॉलोनी के ट्रांसफॉर्मर में फॉल्ट की वजह से बिजली गुल रही। आरएमपी रोड, रम्पा टाकीज, घंटाघर सहित अन्य इलाकों में आपूर्ति ठप हो गई। इसके अलावा कमलापुर उपकेंद्र की सीटी फुंकने से चार घंटे सप्लाई बंद रही। मछरेहटा उपकेंद्र, अटरिया उपकेंद्र, देवगवां व तालगांव उपकेंद्र में तकनीकी खराबी आ गई। इसके कारण 200 से अधिक गांवों में छह घंटे बिजली गुल रही। अफसर इस फॉल्ट को दुरुस्त करने के लिए दिनभर जुटे रहे। कहीं पर आपूर्ति बहाल हो पाई तो कहीं पर अभी भी दिक्कत बनी हुई है। अधीक्षण अभियंता नंदलाल ने बताया कि आंधी पानी की वजह से दिक्कत आई थी। आपूर्ति बहाल करने का प्रयास चल रहा है।

बारिश में धरने पर बैठे उपभोक्ता

सीतापुर। बिजली उपकेंद्र मछरेहटा में डेढ़ वर्षो से बिजली की किल्लत झेल रहे उपभोक्ता आहत होकर शुक्रवार को बारिश में धरने पर बैठ गए है। किसानों व ग्रामीणों का कहना है कि उपकेंद्र की क्षमता कम होने की वजह से आपूर्ति नहीं मिल पा रही है। पिछले वर्ष जून में किसानों ने बिजली विभाग के विरुद्ध क्षमता वृद्धि करने के लिए धरना दिया था। तत्कालिक अधिशासी अभियंता सुधीर भारती ने मछरेहटा उपकेंद्र को 10 दिन में 10 एमवीए ट्रांसफॉर्मर रखने का आश्वासन दिया था। लेकिन एक वर्ष बीत जाने पर भी विभाग हलकान है। इसके चलते ग्रामीणों को बिजली न मिलने के कारण दिक्कतें आ रही है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जब तक आपूर्ति बहाल नहीं होती है प्रदर्शन जारी रहेगा। इस दौरान राहुल सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

नरकटहा में बंदरों का आतंक, लोग परेशान

सिद्धार्थनगर। बांसी नगर क्षेत्र के नरकटहा में इन दिनों बंदरों का आतंक बढ़ गया है, जिससे लोग भयभीत हैं। हालात यह है कि लोग घर से बाहर निकलने से डर रहे हैं। रतन सेन चौराहे के आसपास बंदरों का झुंड रहता है, जो आने-जाने वालों पर हमला कर उन्हें घायल कर दे रहे हैं। कुछ दिन पहले पशुपति नगर की एक महिला को दौड़ाकर बंदरों के समूह ने घायल कर दिया था, जिससे महिला को अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। ताजा घटनाक्रम के अनुसार वार्ड अंबेडकर नगर निवासी रिटायर्ड नायब तहसीलदार मयाराम शर्मा अपने आवास से सुबह के समय मॉर्निंग वॉक के लिए रतन सेन चौराहे से इटवा रोड पर जा रहे थे। अचानक बंदरों के एक समूह ने उन पर हमला बोल दिया और काटने लगे। राहगीरों ने मिलकर बंदरों को भगाया। स्थानीय निवासी राधेश्याम तिवारी ने कहा कि इस चौराहे के आस पास इटवा सड़क पर सुबह के समय रोजाना बंदरों का आतंक बना रहता है। जिससे रतन सेन इंटर कॉलेज के बच्चे भी आतंकित रहते हैं।

पांच पुलिसकर्मी निलंबित, जल्द बदलेगी मुजीब की जेल

सीतापुर। कोर्ट की तलबी आदेश पर फर्जी तरीके से नाम बढ़ाकर गैंगस्टर मुजीब अहमद के न्यायालय पहुंचने के मामले में एसपी ने पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। वहीं जेल प्रशासन की कार्यशैली सवालों के घेरे में है। जांच का दायरा बढ़ने के साथ ही जेल प्रशासन के कुछ अधिकारियों की चुप्पी किसी बड़ी सांठगांठ की ओर इशारा कर रही है। माना जा रहा है कि गैंगस्टर मुजीब को जल्द सीतापुर की जेल से हटाया सकता है। पुलिस का मानना है कि जेल से उसे काफी मदद मिल रही थी। उधर, चूक को लेकर जेल प्रशासन के जिम्मेदारों ने भी अपनी ओर से जांच शुरू कर दी है। बुधवार दोपहर करीब एक बजे गैंगस्टर मुजीब अहमद न्यायालय परिसर में बने सेशन लॉकअप में बिना तलबी आदेश के ही बैठा मिला था। फर्जी तरीके से तलबी आदेश पर वह अपना नाम बढ़वाकर पहुंचा था। जबकि एक दिन पहले ही वह न्यायालय में तलब किया जा चुका था। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश गैंगस्टर कोर्ट ने पत्र जारी कर एसपी को इसकी जानकारी दी थी। इसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया था। पुलिस ने जांच में दोषी पाते हुए गैंगस्टर समेत छह लोगों पर मुकदमा दर्ज कराया था। देर रात ही एसपी चक्रेश मिश्र ने तत्काल प्रभाव से कोर्ट मोहर्रिर उपनिरीक्षक गिरजा शंकर द्विवेदी, सेशन लॉकअप डयूटी प्रभारी लल्लन प्रसाद, मोहम्मद नसीम और हेड कांस्टेबल सुनील त्यागी व अफताफ अली को निलंबित कर दिया था। उपनिरीक्षक नसीम और लल्लन को छोड़कर तीन पर मुकदमा भी दर्ज है। पुलिस का तर्क है कि लल्लन लॉकअप डयूटी के प्रभारी थे। वहीं नसीम पुलिस लाइंस में तैनात हैं लेकिन बिना वजह ही लॉकअप के पास टहलते मिले। इसका वह कोई स्पष्ट कारण नहीं दे पाए। एसपी चक्रेश मिश्र ने बताया कि मामला गंभीर है। मुजीब की जेल बदलने के लिए उच्चाधिकारियों को पत्र लिखा गया है। संस्तुति के बाद कार्यवाही होगी।

एसीएमओ का भी दर्ज हुआ बयान, अब आएगी जांच रिपोर्ट

सिद्धार्थनगर। सीएमओ डॉ. बीके अग्रवाल एवं दो सीएमओ और निजी अस्पताल के संचालक से बातचीत का वीडियो वायरल होने के मामले में शुक्रवार को एसीएमओ डॉ. आरके शर्मा का भी बयान हो गया। सभी पक्षों का बयान हो गया है और जांच अंतिम दौर में है। रिपोर्ट के बाद तय होगा कि गुनहगार कौन-कौन हैं। वीडियो वायरल होने के बाद सीएमओ डॉ. बीके अग्रवाल ने पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर कहा था कि डिप्टी सीएमओ डॉ. एमएम त्रिपाठी एवं डॉ. बीएन चतुर्वेदी एवं एसीएमओ डॉ. आरके शर्मा के कमरे में बातचीत की वीडियो बनाई गई है, जिसमें उनके खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग किया गया है। इस मामले में पुलिस अधीक्षक अभिषेक अग्रवाल ने एएसपी सिद्धार्थ को जांच सौंपी है। एएसपी एसपी को जांच सौंपेंगे। इसके पहले जिलाधिकारी संजीव रंजन ने इस मामले की जांच मुख्य विकास अधिकारी जयेंद्र कुमार को जांच सौंपी थी, जिसमें एक सप्ताह में जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। एक सप्ताह समय पूरा होने वाला है, जबकि सभी पक्षों को बयान भी हो चुका है। इस मामले में निजी अस्पताल के संचालक डॉ. राजीव रंजन का नाम भी आया है, उनका बयान भी हो गया है। इस मामले में विधायक विनय वर्मा एवं सपा नेता चिंकू यादव ने भी जांच रिपोर्ट के अनुसार कार्रवाई करने की मांग की है। इस मामले में जिलाधिकारी संजीव रंजन ने बताया कि सीएमओ कार्यालय के वीडियो वायरल होने के मामले में दो-तीन दिन में जांच रिपोर्ट प्राप्त हो जाएगी, उसके आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

करंट के चपेट में आने से किशोर की मौत

संतकबीरनगर। थाना क्षेत्र के दुमदुमवा गांव में शुक्रवार सुबह लोहे की सीढ़ी पर चढ़ रहे किशोर की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई, जबकि उसे बचाने गई मां भी करंट के झटके से दूर जा गिरी। किशोर की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। इसकी जानकारी होने पर काफी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। दुमदुमवा निवासी अर्जुन चौहान (16) पुत्र रामप्रसाद चौहान ने घर की छत पर जाने के लिए लोहे की सीढ़ी को पकड़ा, इससे वह करंट की चपेट में आ गया। अर्जुन की आवाज सुनकर मां मालती देवी बचाने पहुंची तो वह भी करंट की चपेट में आ गईं और झटके से दूर जा गिरीं। घटना में अर्जुन गंभीर रूप से झुलसकर अचेत हो गया। आनन-फानन ग्राम प्रधान रामसुमेर और परिजनों ने अर्जुन को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

बेटी पर जानलेवा हमला करने का आरोपी गिरफ्तार

शाहजहांपुर। थाना रामचंद्र मिशन क्षेत्र के गांव कनेंग में बेटी को गड़ासे से ताबड़तोड़ प्रहार कर घायल करने के आरोपी पिता को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त गड़ासा भी बरामद हो गया है।

मामले में आरोपी के सगे भाई की ओर से हत्या के प्रयास समेत गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। थाना रामचंद्र मिशन क्षेत्र के गांव कनेंग निवासी विपिन दीक्षित ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसका भाई सोनू दीक्षित आठ सितंबर की रात करीब 8:30 बजे नशे की हालत में उनकी पत्नी सुधा से झगड़ा कर रहा था। विवाद बढ़ने पर गड़ासा लेकर आ गया। चाची से झगड़ा होता देखकर सोनू की बेटी अनुपम उर्फ बिट्टू ने जब रोकने का प्रयास किया तो आरोपी ने ताबड़तोड़ कई वार कर उसे घायल कर दिया। सूचना पर पहुंची पीआरवी ने थाना रामचंद्र मिशन पुलिस को घटना की सूचना दी। इंस्पेक्टर आरसी मिशन अरविंद सिंह चौहान ने घायल किशोरी को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। इंस्पेक्टर अरविंद सिंह ने बताया कि मामले में हत्या के प्रयास समेत कई गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। शनिवार को आरोपी सोनू दीक्षित को गांव से ही गिरफ्तार कर लिया गया।

खून सवार था सोनू पर, चाचा न बचाता तो बेटी को मार डालता

गांव कनेंग में बेटी पर गड़ासे से ताबड़तोड़ वार करने वाले सोनू के सिर पर खून सवार था। नशे की हालत में भाई विपिन दीक्षित की पत्नी सुधा से झगड़ा होने के बाद वह गुस्से में गड़ासा उठा लाया था। पहला वार किया तो बचाव के लिए अनुपमा ने हाथ आगे कर दिया। वार इतना तेज था कि उसके हाथ की हड्डी तक कट गई। दूसरा वार उसने सिर पर किया तो अनुपमा लहूलुहान होकर नीचे गिर पड़ी।

विपिन और अन्य परिवार वालों ने दौड़कर सोनू को पकड़ लिया। इंस्पेक्टर आरसी मिशन अरविंद सिंह चौहान ने बताया कि इससे पूर्व सोनू अपने पिता के साथ भी कई बार मारपीट कर चुका था। पिता कृष्ण मुरारी दीक्षित ने थाने में आकर शिकायत भी की थी।

बंद होगा महरिया रेलवे क्रॉसिंग, 60 हजार आबादी की बढ़ेगी दिक्कत

शहर में पहले ही बंद हो चुकी है भीमापार और कोल्हुआ ढाला रेलवे क्रॉसिंग समपार गेट

सिद्धार्थनगर। शहर के भीमापार और कोल्हुआ ढाला रेलवे क्रॉसिंग बंद करने के बाद रेलवे अब महरिया रेलवे क्रॉसिंग को बंद करने जा रही है। विभाग की तरफ से इस समपार फाटक को बंद करने का निर्देश दे दिया गया है, जिसे जिला प्रशासन के सहयोग का इंतजार है। इस रेलवे क्रॉसिंग के बंद होने से जो वैकल्पिक रास्ता दिया गया है, उसकी दूरी अधिक है। शहर समेत आसपास के कई गांवों की करीब 60 हजार आबादी को चार किमी अधिक दूरी तय कर गंतव्य तक आना-जाना पड़ेगा। जिससे उनका समय बर्बाद होगा और आर्थिक परेशानी भी झेलनी होगी। लोगों ने रेलवे क्रॉसिंग के बंद करने के फरमान का विरोध जताया है। इस ढाला के बंद होने से सिंहेश्वरी मंदिर रेलवे क्रॉसिंग के पास जाम लगने की भी आशंका बन गई है।

बंद होने जा रहे महरिया रेलवे क्रॉसिंग के पास शुक्रवार को मौजूद चंद्रशेखर ने संवाददाता से कहा कि इससे शहरी क्षेत्र के लोगों के साथ ही आसपास के कई गांवों के लोगों को आवागमन में दिक्कत होगी। वहीं बंद हो चुके कोल्हुआ ढाला के पास मौजूद साउंखोर निवासी बुजुर्ग निर्मल का कहना था कि 40 वर्ष से इस रेलवे क्रॉसिंग से पार कर शहर में बाजार करने जाते थे। इसके बंद होने से महरिया होकर जाते हैं, अब महरिया ढाला के भी बंद होने से अधिक दूरी तय करनी पड़ेगी। कोल्हुआ ढाले पर मौजूद दुकानदार रामानंद का कहना था कि रेलवे क्रॉसिंग गेट हमेशा के लिए बंद होने से यहां का बाजार खत्म हो गया। साथ ही यहां लोगों को आवागमन में भी सांसत झेलनी पड़ रही है। लोगों का कहना था कि महरिया रेलवे क्रॉसिंग समपार फाटक बंद होने से रेल लाइन के दूसरी तरफ स्थित खेत की जुताई के लिए भी चार किमी अतिरिक्त दूरी तय करके ट्रैक्टर आदि ले जाना कठिन होगा।

सिहेंश्वरी मंदिर गेट तक सड़क निकालकर दिया विकल्प

रेलवे ने महरिया रेलवे क्रॉसिंग गेट बंद करने के लिए वहां से सिंहेश्वरी मंदिर के पास स्थित क्रॉसिंग गेट तक रेल लाइन किनारे सड़क निर्माण कर आवागमन का विकल्प दिया है। जिससे वहां के लोग इस रेलवे क्रॉसिंग से पार कर गंतव्य तक जा सकें। कोल्हुआ ढाला से महरिया होते हुए सिंहेश्वरी मंदिर गेट इस सड़क की लंबाई दो किमी से अधिक है। वहीं राकेश कहते हैं कि इन समपार फाटकों के बंद होने से शहर में स्थित सिंहेश्वरी मंदिर रेलवे क्रॉसिंग गेट पर आवागमन का अतिरिक्त बोझ बढ़ेगा, जिससे राहगीरों व वाहन चालकों को हर समय जाम की समस्या से जूझना पड़ेगा।

ये गांव होंगे प्रभावित

महरिया रेलवे क्रासिंग गेट बंद होने से शहर के सिहेंश्वरीपुरम, शास्त्रीनगर, वाल्मिकीनगर समेत महरिया, फुलवापुर, निबुईयां, देवलहवा, सेमरा हुसैन बख्श, बनरहवा, मरचहवा, साउंखोर व कोल्हुआ समेत अन्य गांव की आबादी को सांसत झेलनी पड़ेगी। यहां के शिवपूजन यादव व गुड्डू का कहना है कि इस रेलवे क्रॉसिंग के बंद होने से आवागमन के साथ ही खेती करना भी कठिन हो जाएगा। उन्होंने कहा कि रेलवे क्रॉसिंग बंद होने की जानकारी से लोगों में नाराजगी है।

शिकायत के बाद भी नहीं बन रही सड़क

सिद्धार्थनगर। नौगढ़ तहसील के महापाली चौराहे तक जाने के लिए बनीं तीन सड़कें जर्जर हो चुकी हैं। जबकि इन सड़कों का निर्माण 15 साल पहले हुआ है।

खस्ताहाल होने से आवागमन में लोगों को दिक्कतों को सामना करना पड़ रहा है। इन रास्तों पर आने-जाने के दौरान विद्यालयों के बच्चे प्रतिदिन गिरकर चोटिल होते हैं, लेकिन बार-बार शिकायत के बाद भी इन सड़कों के तरफ किसी भी जनप्रतिनिधि व अधिकारी का ध्यान नहीं जा रहा है। जिले से मात्र 11 किलोमीटर दूर स्थित महापाली चौराहे पर जाने के लिए पुरानी नौगढ़, मधुबेनिया, बर्डपुर से रास्ता बना है, लेकिन यह तीनों रास्ते पूरी तरह से टूटकर जर्जर हो चुके हैं, जिससे मार्ग पर पैदल चलना दूभर हो गया है। ऐसे में स्कूली बच्चों को अधिक कठिनाई का सामना करना पड़ता है। सड़क पर जाते हुए बच्चों के सामने राजकुमार की बाइक रुकी तो उन्होंने कहा कि यह सड़क है या गड्ढा, यह बताना मुश्किल हो गया है। पूरी सड़क गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत के बावजूद भी आश्वासन के सिवा कुछ और नहीं मिला। अब तो यह सड़क इतनी टूट गई है कि पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है।

नंद के घर आनंद भयो जय कन्हैया लाल

सीतापुर। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी जिलेभर में धूमधाम के साथ मनाई गई। पुलिस लाइन, कोतवाली, मठ मंदिर व घरों में लोगों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। रात 12 बजे लड्डू गोपाल के जन्म लेते ही नंद के घर आनंद भयो जय कन्हैया लाल की जयकारे गूंजने लगे।

श्रद्धालुओं ने एक दूसरे को प्रसाद देकर गोला पटाखे दगाकर जश्न मनाया। लहरपुर क्षेत्र के श्री अनामी ज्योति आश्रम प्रांगण में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धा व धूमधाम से मनाया गया। पंडित मुकुंदे लाल त्रिवेदी ने श्रीमद् भागवत गीता का पाठ किया। लड्डू गोपाल का अभिषेक किया। महोली कस्बे के गन्ना यार्ड में आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मेले का गुरुवार देर शाम मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक शशांक त्रिवेदी ने उद्घाटन किया। इसके बाद मेला परिसर में सजाई गई आकर्षक झांकी का पूजन अर्चन किया। सिधौली कोतवाली परिसर में स्थापित कोतवालेश्वर महादेव मंदिर पर कृष्ण जन्माष्टमी सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाई गई। कोतवाली प्रभारी राकेश सिंह ने भजन गायकों को पुरस्कृत किया। लहरपुर के ग्राम केसरीगंज स्थित ठाकुरद्वारा मंदिर प्रांगण में चल रही श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में कथा वाचिका सोनम व्यास ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की कथा का मनोहारी वर्णन किया। नैमिषारण्य में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। नैमिषारण्य के मंदिरों में भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्योत्सव का पावन पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। नैमिष तीर्थ स्थित ललिता देवी मंदिर में पुजारी भास्कर शास्त्री ने मां ललिता की आरती उतारी। भूतेश्वर नाथ मंदिर में प्रधान पुजारी राजनारायण पांडेय जन्मोत्सव मनाया। महमूदाबाद में जन्मोत्सव मनाया गया।

पुलिस लाइंस में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें नगर विकास मंत्री, न्यायाधीश ने भी शिरकत की। कलाकारों ने भजन संध्या के साथ झांकियां प्रस्तुत की गयी। रात 12 बजे श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाते हुए पूजा-अर्चना के उपरांत सभी को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर डीएम अनुज सिंह, एसपी चक्रेश मिश्र, एएसपी दक्षिणी एनपी सिंह, सीओ सिटी सुशील सिंह, राजू कुमार साव आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय लोक अदालत में डीएम द्वारा निस्तारित किये गये 17 वाद

बहराइच। राष्ट्रीय लोक अदालत के अवसर पर जिलाधिकारी मोनिका रानी द्वारा 12 राजस्व वादों तथा स्टाम्प से सम्बन्धित 05 वादों कुल 17 वादों का निस्तारण किया गया। स्टाम्प कमी से सम्बन्धित वादों का निस्तारण करते हुए डीएम मोनिका रानी द्वारा रू. 24 लाख 91 हज़ार 470 की धनराशि जमा कराई गई। लोक अदालत में नियत वादों में पक्षों के अधिवक्ता व जिला शासकीय अधिवक्ता (राजस्व) अजय शर्मा व विशेष अधिवक्ता (राजस्व) अतुल गौड़ उपस्थित रहे।

जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक 12 सितम्बर को

बहराइच। जनपद में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने एवं खिलाड़ियों को खेल उपकरण सम्बन्धी सहायता तथा राज्य स्तरीय चोल प्रतियोगिता आयोजन पर विचार-विमर्श के उद्देश्य से 12 सितम्बर 2023 को अपरान्ह 12:30 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मोनिका रानी की अध्यक्षता में जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक आहूत की गई है। यह जानकारी देते हुए उप क्रीडाधिकारी अभिषेक धनुक ने सभी सम्बन्धित से समय बैठक में प्रतिभाग करने की अपेक्षा की है।

राष्ट्रीय एकता पुरस्कार के लिए मांगे गये प्रस्ताव

बहराइच। जिलाधिकारी मोनिका रानी ने बताया कि शासन द्वारा वर्ष 2023-24 के लिए ''गुरू गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार'' हेतु प्रस्ताव/आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश में निवासरत व्यक्तियों में से मानवाधिकारों की रक्षा, सामाजिक न्याय एवं राष्ट्रीय एकीकरण के क्षेत्र में सर्वोत्कृष्ट कार्य करने तथा इस हेतु पूर्णरूप से समर्पित रहे हों, को सार्वजनिक रूप से सम्मानित करने के उद्देश्य से श्री गुरू गोविन्द सिंह जी के जन्म दिवस 05 जनवरी के अवसर पर ''गुरू गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार'' प्रदान किया जायेगा। पुरस्कार अन्तर्गत रू. एक लाख का नगद पुरस्कार तथा प्रशस्ति पत्र दिये जाने की व्यवस्था है। डीएम ने बताया कि शासन द्वारा विलम्बतम 30 सितम्बर 2023 तक चार प्रतियों में प्रस्ताव/आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। डीएम ने बताया कि भारत के मूल नागरिक जो उत्तर प्रदेश राज्य की सीमा के भीतर पुरस्कार पर विचार किये जाने के वर्ष में सामान्यतया निवास कर रहे ऐसे व्यक्ति जिनका मानवाधिकार, सामाजिक न्याय व राष्ट्रीय एकीकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान रहा हो तथा गुरू गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार योजना के अधीन पूर्व में इस राज्य सरकार द्वारा पुरस्कृत न किये गये हों, अर्ह होंगे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में रिकार्ड 131765 वादों का हुआ निस्तारण

बहराइच। मा. उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार जनपद न्यायालय में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत का जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बहराइच उत्कर्ष चतुर्वेदी द्वारा दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 131765 वादों का निस्तारण किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में सेटेलमेन्ट की कुल धनराशि रू 05 करोड़ 73 लाख 28 हज़ार 852 रही। राष्ट्रीय लोक अदालत में जिला न्यायालय द्वारा 6507 वादों, प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय शेषमणी की अध्यक्षता में कुल 27 पारिवारिक विवाद व मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, बहराइच के पीठासीन अधिकारी संजीव कुमार त्यागी की अध्यक्षता में 07 वादों का निस्तारण किया गया। स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष नरेन्द्र बहादुर यादव द्वारा 03 वाद, बैंक रिकवरी के 584 मामले तथा राजस्व के कुल 124637 वादों का निस्तारण भी किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में सेटेलमेन्ट की कुल धनराशि रू 05 करोड़ 73 लाख 28 हज़ार 852 रही। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बहराइच के सचिव विराट शिरोमणि द्वारा बताया गया कि न्यायालय परिसर में जगह जगह बनाये गये हेल्पडेस्क पर प्राविधिक स्वयंसेवकों द्वारा न्यायालयों में उपस्थित वादकारियों को आवश्यक सहायता प्रदान की गई। उन्होंने राष्ट्रीय लोक अदालत को अत्यधिक सफल बनाने हेतु समस्त पीठासीन अधिकारियों, अधिवक्ताओं, बैंक अधिकारियों एवं कर्मचारियों, वादकारियों एवं पुलिस कर्मियों को धन्यवाद ज्ञापित किया है साथ ही सम्बन्धित कर्मचारियों के प्रयासों की भी सराहना की है।

फर्जी हस्ताक्षर कर निकाले 4.77 लाख रुपये

उन्नाव। बैंक कर्मी की मदद से कंप्यूटर सेंटर संचालक ने फर्जी हस्ताक्षर बनाकर खाते से 4.77 लाख रुपये पार कर दिए। बैगांव निवासी अप्रवासी भारतीय गोविंद प्रसाद ने पुलिस को बताया कि वह बहरीन में लांड्री का काम करता है। दो साल पहले वह कस्बा स्थित पंजाब नेशनल बैंक में खाता होने से उसमें पैनकार्ड व आधार कार्ड लगाने बेटे रितिक के साथ गया था। पैनकार्ड में कुछ गड़बड़ी होने से बेटे ने तहसील के पास अपने परिचित कंप्यूटर सेंटर संचालक प्रशांत द्विवेदी के पास ले गया था। उसने पैनकार्ड सही कराकर बैंक में लगवाने की बात कही। इस दौरान उसने हस्ताक्षर भी बनवाए। इसके कुछ दिन बाद गोविंद विदेश चला गया। बाद में पता चला कि खाते से 4.77 लाख रुपये निकाल गए। कोतवाल सुरेश सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्जकर जांच की जा रही है।

अवैध प्लॉटिंग पर प्राधिकरण ने चलवाया बुलडोजर

उन्नाव। यूएसडीए (उन्नाव-शुक्लागंज विकास प्राधिकरण) ने शुक्रवार को शहर के पास एक और अवैध प्लॉटिंग पर बुलडोजर चलवा दिया। प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार बिना ले आउट और भूमि उपयोग परिवर्तित कराए प्लॉटिंग की गई थी। शहर और आसपास क्षेत्र में अवैध प्लॉटिंग की भरमार है। यूएसडीए सचिव व एसडीएम प्रज्ञा पांडेय के निर्देश पर प्राधिकरण की टीम ने शुक्रवार को उन्नाव-हरदोई मार्ग पर सैय्यद अब्बासपुर के पास नमन डेवलपर्स की ओर से तीन बीघा में बिना नक्शा और बिना ले आउट के कराई गई प्लॉटिंग पर बुलडोजर चलवाया। इस दौरान पुलिस बल भी तैनात रहा। प्लॉटिंग क्षेत्र में बनाए गए इंटरलॉकिंग मार्ग, नालियां आदि को ध्वस्त कर दिया गया। प्राधिकरण के सहायक अभियंता रामगोविंद राजपूत, जेई अकरामुद्दीन, सुधीर कुमार, पंकज कुमार भी मौजूद रहे। प्राधिकरण सचिव ने बताया कि कई बार नोटिस देने के बाद भी प्लॉटिंग को नियमित नहीं कराया गया, इस पर कार्रवाई की गई है। बताया कि कई और प्लॉटिंग पर जल्द ही कार्रवाई की जाएगी।

लंपी वायरस के संदेह पर जांच के लिए भेजे गए सात सैंपल

उन्नाव। प्रदेश में लंपी वायरस को लेकर जारी अलर्ट के बीच स्थानीय पशु चिकित्सकों ने फौरी तौर पर सात गोवंशियों में मिले लक्षणों के आधार पर सीरम सैंपल लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा है। उपमुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि लंपी एक विषाणुजनित वायरस है। यह केवल गोवंशीय में ही होता है। प्रभावित गोवंशीय को 104 से 105 डिग्री बुखार आता है। नाक व आंख से पानी निकलता है। शरीर पर छोटी गांठे उभरती हैं। जिससे दूर से शरीर में उभार नजर आने लगता है। बताया कि अभी तक परियर, सफीपुर से तीन, तीन और बिछिया के एक घरेलू गोवंशीय का सीरम सैंपल लेकर बरेली प्रयोगशाला भेजा गया है। उन्होंने बताया कि पशुपालकों ने शुरुआती लक्षणों की जानकारी दी थी। जिसके आधार पर सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा गया है। पशुपालकों से कहा गया है कि वह सैंपल लिए गए मवेशियों को अन्य जानवरों से अलग रखें। जब तक सैंपल की फाइनल रिपोर्ट न आ जाए। उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने बताया कि गोवंशियों का टीकाकरण भी शुरू करा दिया गया है। अब तक 10 हज़ार मवेशियों को गोट्र पॉक्स वैक्सीन लगाई जा चुकी है।

दो पक्षों में जमकर चली लाठियां

यमुना नगर। गांव नाहरपुर में बीरबार रात दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। जिसके बाद दोनों पक्षों के लोगों ने एक दूसरे पर लाठियों, डंडों व ईंट पत्थरों से हमला करने के आरोप लगाए हैं। मामले में दोनों पक्षों के लोग घायल बताए जा रहे हैं। सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और मामला शांत करवाया। जिसके बाद दोनों पक्षों की ओर से जठलाना पुलिस को शिकायत दी गई है। पुलिस ने शुरुआती तौर पर एक पक्ष की शिकायत पर मामला दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है। नाहरपुर निवासी मुबारिक ने बताया कि वीरवार रात करीब आठ बजे वह अपनी कार लेकर जा रहा था। तभी गांव के आस मोहम्मद व मोमिन ने अपनी बाइक उसकी कार के सामने अड़ा दी। दोनों उसे कार से नीचे उतरने के लिए कहने लगे। वह कार से नीचे उतरा और उनसे बाइक को उसकी कार के सामने अड़ाने का कारण पूछा। तभी उन दोनों ने उसके साथ गाली गलौज करना शुरू कर दिया। दोनों ने उसके साथ मारपीट की और तेजधार हथियार से उस पर हमला किया। वह किसी तरह उनके चंगुल से छूटकर अपने भाई अरशद के घर चला गया और घर का मेन गेट बंद कर लिया। कुछ देर बाद इशरार, ईस्माइल, फौजी, मोसिन, युसुफ व 10-12 अन्य लोग वहां पर आ गए।

मशरूम उत्पादन यूनिट का जिलाधिकारी ने किया उद्घाटन

त्रिगुट संवाददाता

बहराइच। सुहेलदेव एग्रो फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड बहराइच द्वारा ग्राम पंचायत सिसई हैदर में स्थापित किये गये मशरूम उत्पादन यूनिट का जिलाधिकारी मोनिका रानी ने फीता काटकर उद्घाटन किया। तदोपरान्त डीएम ने मशरूम उत्पादन कक्ष में कोकोपिट डालकर मशरूम की बिजाई की तथा तैयार फसल की कटाई भी की।

इस अवसर पर उप निदेशक कृषि टी.पी. शाही, इस अवसर पर जिला कृषि अधिकारी सतीश कुमार पाण्डेय, जिला उद्यान अधिकारी दिनेश चौधरी, उप-संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी कैसरगंज शिशिर कुमार वर्मा, प्राविधिक सहायक प्रदीप कुमार, कम्पनी की निदेशक निदेशक हेमादेवी, जानकीदेवी, सौम्या चौधरी, मुन्नालाल वर्मा, संतोष सिंह एवं श्रीमती कंचन सिंह तथा बड़ी संख्या में कृषक मौजूद रहे। इस अवसर पर डीएम मोनिका रानी ने समस्त एफपीओ निदेशकों/सदस्यों का आहवान किया कि कृषि के क्षेत्र में नवाचार को अपनाकर स्वयं की आय में बढ़ोत्तरी के साथ-साथ आकांक्षात्मक जिले में दूसरों के लिए भी रोज़गार के अवसर पैदा करें। डीएम ने सुझाव दिया कि जरबेरा का व्यावसायिक स्तर पर पालीहाउस के अन्दर उत्पादन करें क्योकि जरबेरा उत्पादन से जिले के निर्यात में बढ़ोत्तरी होगी। डीएम ने कहा कि हल्दी और केले की व्यवसायिक स्तर पर गुणवत्तापरक खेती से किसान भाईयों की आय में गुणात्मक वृद्धि होगी। डीएम ने कहा कि जिले के 06 एफपीओ द्वारा सन19फार्म्स कम्पनी के साथ एम.ओ.यू. साईन किया गया है। जिससे एफपीओ द्वारा उत्पादित केला कम्पनी को सीधे बिक्री कर अधिक से अधिक मूल्य प्राप्त करेंगे। डीएम ने कहा कि बाबा रामदेव की कम्पनी से हल्दी उत्पादन की स उन्होंने बाबा रामदेव की कंपनी से हल्दी उत्पादन की प्रोसेसिंग व बिक्री के सम्बन्ध में चर्चा की जिससे जनपद में उत्पादित हल्दी का उनकी कंपनी से एम.ओ.यू. कराकर हल्दी उत्पादन को प्रोत्साहित किया जाएगा। उप निदेशक कृषि टी.पी. शाही ने बताया कि जिले में 61 एफपीओ का गठन कराया गया है। श्री शाही ने कहा कि जिलाधिकारी के पर्यवेक्षण में कई एफपीओ द्वारा अच्छा कार्य किया जा रहा है। श्री शाही ने बताया कि श्रीमती कंचन सिंह के नेतृत्व में सुहेलदेव एग्रो फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा व्यवसायिक दृष्टिकोण से मशरुम का बड़े पैमाने पर उत्पादन कर लोगों को रोजगार प्रदान करते हुए वर्ष में लगभग 80 लाख की आमदनी की जा रही है। सुहेलदेव एग्रो फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी को प्रधान मंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना (पी.एम.एफ.एम.ई.) अंतर्गत मशरुम यूनिट की स्थापना कराई गयी है। जिस पर योजनान्तर्गत भारत सरकार 03 प्रतिशत ए.आई.एफ. योजना से उद्यान विभाग द्वारा भी मशरुम यूनिट लगाने पर अपने विभाग से 35 प्रतिशत अनुदान दिया गया है। उप निदेशक द्वारा मशरूम उत्पादन के क्षेत्र में संतोष सिंह, श्रीमती कंचन सिंह एवं मुन्नालाल वर्मा द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना की गई। एफपीओ निदेशक श्रीमती कंचन सिंह द्वारा डीएम मोनिका रानी को बताया गया कि हमारे एफपीओ द्वारा मशरुम की खेती करके तथा उसकी ब्रांडिंग करके बहराइच, बलरामपुर, लखनऊ आदि मण्डियों में भेजा जा रहा है, जिससे 40 महिलओं को रोजगार मिला हुआ है तथा एफपीओ को भी मशरुम सप्लाई से प्रतिदिन लगभग 50 हजार तथा वार्षिक लगभग 80 लाख की आमदनी हो रही है।

इससे पूर्व मशरूम उत्पादन यूनिट पहुंचने पर एफपीओ के निदेशकों द्वारा जिलाधिकारी व अन्य अधिकारियों को शहद भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान डीएम ने एफपीओ के 11 नए शेयरहोल्डर्स को शेयर सर्टिफिकेट प्रदान कर उनको एफपीओ से साथ मिलकर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। यूनिट के उद्घाटन के पश्चात डीएम ने मशरूम उत्पादन यूनिट का निरीक्षण किया तथा परिसर में चन्दन का पौध रोपित कर लोगों से पर्यावरण संरक्षण की अपील की।

दिवाली तक दूर होगा शहर का अंधेरा, लगेंगी 42511 नई एलईडी लाइटें

यमुना नगर। लंबे इंतजार के बाद दिवाली तक शहर का अंधेरा पूरी तरह दूर होने की उम्मीद है। क्योंकि यूएलबी (अर्बन लोकल बॉडी) से मंजूरी पर नगर निगम अफसर 41011 एलईडी खरीद रहे हैं। साथ ही निगम स्टोर में वर्ष 2014 में भेजी डिमांड पर गत जनवरी में आई 1056 एलईडी लाइटें लगाने के लिए भी टेंडर कर सामान ले रहे हैं। ये सभी लाइटें नवंबर यानी दिवाली तक लगाए जाने की आस है। ऐसा होता है तो शहर के वार्डों में बसे गांवों से लेकर कॉलोनियों व मोहल्लों में शाम बाद रहने वाला अंधेरा दूर होगा। बता दें कि मार्च-2020 में नगर निगम ने वार्ड-2, 6, 8, 9, 10, 15, 19 व 21 में एलईडी लाइटें लगाने का करीब चार करोड़ रुपये का टेंडर हुआ था। इससे उक्त आठ वार्डों में सितंबर-2021 तक 8164 एलईडी लाइट लग पाई। जबकि अन्य 14 वार्डों में एलईडी लाइटें नहीं लग पाई। जिन आठ वार्डों में लगीं, वहां भी कई बंद व खराब हो रही हैं। वार्ड पार्षद नई एलईडी लाइटें ना लगने व पुरानी लाइटों की मरम्मत न होने का मुद्दा हर सदन बैठक उठा चुके हैं। बावजूद इसके साढ़े चार साल के कार्यकाल में 14 वार्डों में नई एलईडी लाइटें नहीं लगीं और पुरानी सोडियम व ट्यूब लाइट भी खराब व बंद होती रहीं। इससे इन वार्डों के गांवों से लेकर कॉलोनियों व मोहल्लों में शाम बाद अंधेरा हो जाता है। अब निदेशालय से मंजूर 41011 एलईडी लाइटें व निगम स्टोर में पड़ी 1056 एलईडी लाइट पार्षदों के कार्यकाल के अंत से पहले लगने से यह समस्या काफी हद तक खत्म हो सकेगी।

नई 41011 एलईडी लाइटें स्मार्ट लाइटिंग सिस्टम पर चलेंगी। इसके लिए नगर निगम कार्यालय में आईटी बेस कॉमन कंट्रोल एंड मॉनिटरिंग सिस्टम (सीसीएमएस) तैयार होगा। जहां किसी भी लाइट के खराब होने पर सीसीएमएस से पता चल जाएगा। यानी निगम कर्मचारियों को खराब लाइट का पता करने के लिए ना तो शिकायत का इंतजार करना पड़ेगा और ना ही उसे ढूंढने को भटकना पड़ेगा। इसके अलावा यह लाइटें कार्यालय से ही बंद व चलाई जा सकेंगी। यानी अलग से ऑपरेटर की जरूरत नहीं होगी। इनेलो पार्षद रामआसरा भारद्वाज, विनोद मरवाह ने कहा कि पहले आठ वार्डों में एलईडी लाइटें लगाने के दौरान कई कमियों सामने आई थीं, इसलिए अब 42511 नई लाइटें लगाने का काम वार्ड पार्षदों की निगरानी में हो। इसमें सत्ता पक्ष के साथ विपक्ष के भी पार्षद शामिल किए जाएं। ऐसी मांग मेयर व निगम आयुक्त से करेंगे।

करमा ब्लॉक प्रमुख के खिलाफ सदस्य लामबंद

सोनभद्र। करमा ब्लॉक प्रमुख के खिलाफ क्षेत्र पंचायत सदस्य लामबंद हो गए हैं। शुक्रवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर बीडीसी सदस्यों ने सीडीओ को शपथ पत्र सौंपा और ब्लॉक प्रमुख के प्रति अविश्वास जताया। ब्लॉक प्रमुख के विरोध में 52 सदस्यों के होने का दावा किया गया है। सीडीओ ने शपथ पत्र के परीक्षण के बाद समुचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। मुन्नी देवी के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पहुंचे सदस्यों ने ब्लॉक प्रमुख पर कई गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना था कि ब्लॉक प्रमुख की कार्य प्रणाली जनहित में नहीं है। विकास कार्यों में अनियमितता बरती जा रही है। बिना सदस्यों को विश्वास में लिए मनमाने ढंग से सिर्फ चहेतों को लाभ दिया जा रहा है। शपथ ग्रहण के बाद क्षेत्र पंचायत में विकास की कोई बैठक नहीं बुलाई गई। प्रमुख की भेदभाव पूर्ण कार्यशैली और विकास के प्रति उदासीनता से करमा क्षेत्र विकास में पिछड़ता जा रहा है। कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन के बाद सदस्यों ने शपथ पत्र सीडीओ सौरभ गंगवार को सौंपा। सीडीओ ने शपथ पत्र का परीक्षण कराने के बाद समुचित कदम उठाने का आश्वासन दिया। प्रदर्शन में शीला देवी, लियाकत, रामनरेश, सोनी, सीता राम, अनिता देवी, रवींद्र नाथ, रामानंद, दिनेश, वारिश आदि शामिल रहे। विकास खंड करमा के ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि राम अधार का कहना है कि विकास खंड के 42 क्षेत्र पंचायत क्षेत्रों में 78 काम कराए गए हैं। किसी भी क्षेत्र पंचायत सदस्य के साथ भेद भाव नहीं किया गया है। कुछ लोगों को भ्रमित करते हुए दस्तखत कराया गया है। सदस्यों का बहुमत हमारे साथ है।

करमा में हैं 75 सदस्य

नवसृजित करमा ब्लॉक में क्षेत्र पंचायत सदस्यों की संख्या 75 हैं। बहुमत के लिए 38 से अधिक सदस्यों की जरूरत है। कलेक्ट्रेट पहुंचकर अविश्वास प्रस्ताव की नोटिस देने वाले सदस्यों ने ब्लॉक प्रमुख के विरोध में 52 सदस्य होने का दावा किया है। उनकी ओर से शपथ पत्र भी प्रस्तुत किया गया है। ऐसे में अब ब्लॉक में जोड़-तोड़ की राजनीति गर्म हो गई है।

आत्महत्या के लिए उकसाने वाले पति को दस वर्ष की कैद

सोनभद्र। पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम खलीकुज्जमा की अदालत ने पति को दोषी करार देते हुए दस वर्ष कैद की सजा सुनाई है। उस पर दस हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। इस मामले में केस दर्ज कराने के लिए एसपी को भी हस्तक्षेप करना पड़ा था। अभियोजन के मुताबिक कोटा गांव निवासी चंदा ने छह अगस्त 2022 को एसपी को प्रार्थना पत्र देकर बेटी ममता की हत्या का आरोप लगाया था। बताया था कि थाना चोपन के कनछ गांव निवासी सतवंत ने धोखे में रखकर पहले उसकी बेटी से मंदिर में शादी रचाई। इसके बाद घर ले जाकर उसे प्रताड़ित करने लगा। 30 जुलाई की भोर में उसे बेटी के मौत की जानकारी मिली। जब वह चोपन थाने पहुंची तो शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। वहां पहुंचने पर भी कुछ पता नहीं चला। उसने 31 अगस्त को चोपन थाने में तहरीर देकर पति सतवंत व परिवार के अन्य सदस्यों पर बेटी की हत्या का आरोप लगाया, मगर पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। बाद में एसपी के निर्देश पर चोपन पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू की। विवेचना में पति की पिटाई से आजिज होकर ममता के फंदा लगाकर जान देने की बात सामने आई। पति सतवंत के विरुद्ध पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट प्रस्तुत की। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने, गवाहों के परीक्षण और साक्ष्यों के अवलोकन के बाद कोर्ट ने पति सतवंत को आत्महत्या के लिए उकसाने का दोषी करार देते हुए दस वर्ष कैद और दस हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

रेनू गुप्ता चौथी बार बनीं खोतोमहुआ की प्रधान

सोनभद्र। विकास खंड बभनी के खोतोमहुआ गांव में प्रधान पद के लिए हुए उपचुनाव में रेनू गुप्ता ने जीत दर्ज की है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी शिवानी गुप्ता को 112 मतों से हराया। रेनू गुप्ता चौथी बार प्रधान बनी हैं। जीत की घोषणा होते ही समर्थक जश्न में डूब गए। ब्लॉक सभागार में सुबह आठ बजे से कड़ी सुरक्षा के बीच मतगणना दो टेबल पर शुरू हुई। तीन बूथों की गिनती के पहले राउंड में रेनू गुप्ता को 254 मत मिले, जबकि निकटतम प्रतिद्वंद्वी शिवानी गुप्ता को 175 मत मिले। दूसरे राउंड में रेनू गुप्ता को 204 मत और शिवानी गुप्ता को भी 204 मत मिले। तीसरे राउंड की गिनती में रेनू गुप्ता को 160 मत मिले, जबकि शिवानी गुप्ता को 127 मत ही मिले। इस प्रकार रेनू गुप्ता को कुल 618 मत मिले, जबकि शिवानी गुप्ता को 506 मतो में ही संतोष करना पड़ा। रेनू गुप्ता ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी शिवानी गुप्ता को 112 मतों से हराकर चौथी बार गांव की मुखिया बनीं। जीत की घोषणा होते ही समर्थकों ने जश्न मनाना शुरू कर दिया। मतगणना के लिए सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए थे। निर्वाचन अधिकारी प्रेम शंकर राम ने बताया कि मतगणना में लगे सभी कर्मचारियों ने बड़े ही पारदर्शिता के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए समय से पूरा कर दिया।

परिजनों का फोन नहीं उठा रही थी बीएड की छात्रा, खिड़की से झांका तो फंदे पर लटकता मिला शव

सोनभद्र। मिर्जापुर जिले के हसरा गांव निवासी प्रीति (22) सोनभद्र के लोढी स्थित एक महाविद्यालय में बीएड की छात्रा थी। उसका शव उसके कमरे में ही फंदे से लटकता मिला। मोबाइल को पुलिस ने कब्जे में लिया है। सोनभद्र के साईं चौक के समीप किराए के मकान में रह रही बीएड की छात्रा ने कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। उसका शव दुपट्टे के सहारे पंखे से लटक रहा था। छत के रास्ते शेड तोड़कर अंदर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर छानबीन शुरू कर दी है। कमरे से सुसाइड नोट नहीं मिला है। मिर्जापुर जिले के मड़िहान थाना क्षेत्र के हसरा गांव निवासी कमला प्रसाद मौर्य की पुत्री प्रीति (22) लोढी स्थित एक महाविद्यालय में बीएड की छात्रा थी। वह नगर के सांई चौक के पास किराए का कमरा लेकर रहती थी। शुक्रवार शाम से ही युवती से परिजनों की बात नहीं हो पा रही थी। ऐसे में परिजनों ने मकान में ही रहने वाले कुछ अन्य लोगों को फोन किया। जब वे प्रीति को जगाने गए तो कमरे से कोई जवाब नहीं मिला। इस पर खिड़की को तोड़कर देखा गया तो प्रीति का शव फंदे पर दुपट्टे के सहारे लटक रहा था। सूचना पाकर कस्बा चौकी प्रभारी अमित तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जहां परिजनों की मौजूदगी में छत के रास्ते ऊपर चढ़कर टीन शेड तोड़कर कमरे का दरवाजा खोला गया। मामले की जानकारी होने पर सीओ राहुल पांडेय और सदर कोतवाल लक्ष्मण पर्वत भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। मृतका के मोबाइल को भी कब्जे में ले लिया। सदर कोतवाल ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मोबाइल की कॉल डिटेल ली जाएगी। उसके आधार पर मामले की जांच की जाएगी। फिलहाल हर पहलू को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

11 सितंबर से शुरू होगा मिशन इंद्रधनुष, टीकाकरण से छूटे बच्चों और गर्भवती महिलाओं को लगेगा टीका

वाराणसी। वाराणसी जिले में टीकाकरण से छूटे पांच साल तक के बच्चों, गर्भवती महिलाओं को टीका लगाया जाएगा। इसके लिए 11 सितंबर से मिशन इंद्रधनुष अभियान की शुरुआत होगी। वाराणसी जिले में टीकाकरण से छूटे पांच साल तक के बच्चों, गर्भवती महिलाओं को टीका लगाया जाएगा। इसके लिए 11 सितंबर से मिशन इंद्रधनुष अभियान की शुरुआत होगी। इस दौरान अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों पर बच्चों को टीका लगाए जाने के साथ ही उन्हें इसके फायदे भी बताए जाएंगे। शुक्रवार को डीएम एस राजलिंगम ने जिला टास्क फोर्स की बैठक कर मिशन इंद्रधनुष अभियान की समीक्षा की।

सीएमओ डॉ संदीप चौधरी ने बताया कि अभियान के तहत टीकाकरण के प्रति उदासीन परिवारों को जागरूक कर शत-प्रतिशत टीकाकरण कराया जाएगा। आशा कार्यकर्ता के माध्यम से घर-घर जाकर किए गए सर्वेक्षण (हेड काउंट सर्वे) के अनुसार माइक्रोप्लान तैयार कराया गया है। अभियान के तहत टीकाकृत किए गए बच्चों और गर्भवती के कवरेज की एंट्री ई-कवच पोर्टल पर अनिवार्य रूप से की जाएगी। बताया कि हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, वीएचएसएनडी सत्र, निजी चिकित्सालयों में भी टीकाकरण किया जाएगा।

20 हजार से अधिक को लगेगा टीका

सीएमओ ने बताया कि 20 हजार से अधिक को टीका लगाया जाएगा। इसमें छूटे हुए पांच वर्ष तक के कुल 17,476 बच्चों व 3333 गर्भवती को टीकाकरण के लिए लक्षित किया गया है।

इसके साथ ही मीजल्स रूबेला (एमआर) प्रथम के टीके के लिए 3424 व एमआर द्वितीय के लिए 3092 बच्चों का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि पहले चरण में लक्ष्य के सापेक्ष 94 प्रतिशत बच्चों और 97 प्रतिशत गर्भवती का टीकाकरण किया गया। बैठक में सीडीओ हिमांशु नागपाल, एसीएमओ डॉ संजय राय, डिप्टी डीआईओ डॉ यतीश भुवन पाठक, डीपीओ दिनेश कुमार सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

नियम दरकिनार, जान पर भारी न पड़ जाए 'सुकून' की डुबकी

यमुना नगर। न नियमों की परवाह न ही जान जाने का डर। कुछ समय के सुकून के लिए युवा व किशोर नहरों में अठखेलियां कर रहे हैं, जबकि प्रशासन ऐसा न करने की हिदायत दे चुका है। ऐसा करते हुए कई बार किशोर और युवा बह भी जाते हैं और उनके शव कई दिनों बाद बरामद होते हैं। यहां से गुजरने वाली अराइयांवाला नहर में रोजाना ऐसा नजारा देखने को मिल रहा है। इनमें से बहुत से युवा व किशोर अपने घर से चोरी छिपे यहां पहुंचते हैं और नहरों में जान जोखिम में डाल गोते लगाते हैं। लोगों की मांग है कि प्रशासन इस तरह नहरों में नहाने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाए।

नहर में नहाना जोखिम भरा

सलीम खान, जाबिर खान, प्रवेज खान ताजेवाला व राजेश गोयल ने बताया कि गर्मी में कुछ समय के सुकून के लिए नहर व नदी में नहाना जोखिम भरा हो सकता है। जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती है। वैसे ही नहर में डूबने के मामले भी सामने आ रहे हैं। इस बार भी गर्मी के सीजन में दर्जनों युवकों की नहर में नहाते समय डूबने की खबरें आ चुकी हैं। यह हालात तब हैं, जब प्रशासन की ओर से नदी व नहरों में नहाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। पुलिस भी गश्त करती है, लेकिन यह लोग बाज नहीं आते।

पुल से लगाते हैं लांग

पश्चिमी यमुना नहर के ताजेवाला, अराइयांवाला, हथिनी कुंड, फैजपुर फतेहपुर पुल, चिट्टा मंदिर, बाड़ी माजरा, दड़वा घाट, अमादलपुर, हमीदा हैड व दादूपुर हैड पर गर्मियों के दिनों में नहाने वालों की सबसे अधिक भीड़ रहती है। सबसे अधिक हादसे भी इन्हीं जगहों पर होते हैं। यहां पर सिंचाई विभाग की ओर से चेतावनी बोर्ड भी लगाए गए हैं। इसके बावजूद नहर में छलांग लगाने का सिलसिला जारी है। पश्चिमी यमुना नहर में हर वर्ष 12 से 15 लोग डूब जाते हैं। इनमें से अधिकतर 20 से 25 वर्ष की आयु वर्ग के होते हैं। ज्यादातर की मौत ही हो जाती है, क्योंकि पश्चिमी यमुना नहर में कई जगह गहरे कुंड बने हुए हैं। इनमें नहाते हुए वे फंस जाते हैं।

समाधान दिवस का जायज़ा लेने थाना फखरपुर व कोतवाली नगर पहुँचे डीएम व एसपी

बहराइच। जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए प्रत्येक माह के द्वितीय एवं चतुर्थ शनिवार को आयोजित होने वाले थाना समाधान दिवस का जायज़ा लेने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मोनिका रानी व पुलिस अधीक्षक प्रशान्त वर्मा ने थाना फखरपुर व कोतवाली नगर का निरीक्षण कर मौजूद फरियादियों की समस्याओं की सुनवाई करते हुए समयबद्धता के साथ गुणवत्तापरक निस्तारण कराए जाने के निर्देश दिए।

थाना फखरपुर के निरीक्षण के दौरान थाना दिवस रजिस्टर के अवलोकन में स्पष्ट व साफ-सुथरा अंकन पाये जाने पर डीएम व एसपी ने सम्बन्धित कामिकों की सराहना की। समाधान दिवस में पाया गया कि प्राप्त हुए 09 प्रार्थना-पत्रों में से 02 का निस्तारण मौके पर किया गया है जबकि 01 प्रकरण के निस्तारण हेतु मौका मुआयना के लिए टीम भेती गई है। डीएम ने निर्देश दिया कि समाधान दिवस पर आये हुए प्रार्थना-पत्रों को निस्तारण गुणवत्ता के साथ किया जाय ताकि फरियादी की गई कार्यवाही से संतुष्ट हो जाये।

इस अवसर पर तहसीलदार कैसरगंज अजय यादव, थानाध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह व अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे। इसके उपरांत डीएम व एसपी ने कोतवाली नगर पहुंचकर जन समस्याओं की सुनवाई करते हुए मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिया कि समयबद्धता के साथ प्रार्थना-पत्रों का निस्तारण कराएं। थाना समाधान दिवस में प्राप्त हुए प्रार्थना-पत्रों के सम्बन्ध की गई कार्यवाही का जायज़ा लेने के उद्देश्य से डीएम व एसपी ने समाधान दिवस पंजिका का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर कुंवर ज्ञानंजय सिंह, कोतवाल ब्रह्मानन्द गौड़ व अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

न्याय पंचायत बगहा में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ सेवा से संतृप्तिकरण अभियान

419 लोगों को जारी की गई परिवार रजिस्टर की नकल

बहराइच। जिलाधिकारी मोनिका रानी की पहल पर पात्र असंतृप्त लोगों को विभिन्न योजनाओं से संतृप्त करने के उद्देश्य से शुक्रवार को ब्लाक बलहा की न्याय पंचायत बगहा में संचालित किये गये सेवा से संतृप्तिकरण अभियान के दौरान राजस्व विभाग द्वारा वरासत अंकन के 06, खतौनी निर्गमन के 05, मतदाता पंजीकरण के 65, जाति प्रमाण-पत्र के 45, आय के 60, निवास के 50, ई.डब्लू.एस. प्रमाण-पत्र के 05, धारा 24 के 01, ग्राम समाज भूमि सत्यापन के 10 तथा 02 शिकायती प्रार्थना-पत्रों का निस्तारण एवं पुनः सत्यापन की कार्यवाही करने के साथ-साथ रू. 54,000=00 धनराशि का संग्रहण किया गया।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान भारत के 39, पी.एम.एम.वी.आई.-02 के 26, जन्म प्रमाण-पत्र 08, क्षयग्रस्त 03 रोगियों की डी.बी.टी. व 12-12 रोगियों के चिन्हांकन व गोद लेने, परिवार नियोजन कार्यक्रम के तहत 156, जननी सुरक्षा के 18, मेडिकल मोबाइल यूनिट द्वारा 24 की जांच, ई-संजीवनी ओपीडी द्वारा 30 का उपचार, एन.सी.डी. अन्तर्गत 06 रोगियों की जांच, 438 का स्वास्थ्य परीक्षण व 04 की कुष्ठ स्क्रीनिंग की गई। बाल विकास पुष्टाहार विभाग द्वारा 107 की स्वास्थ्य जांच तथा 03 लाभार्थी का पंजीकरण किया गया। कृषि विभाग द्वारा ईकेवाईसी के 375, ओपेन सोर्स सत्यापन के 342, स्टेट लेबिल पेन्डिंग के 350, लैण्ड सीडिंग के 75 व पी.एफ.एम.एस. रिजेक्ट के 80, पशुपालन विभाग द्वारा निराश्रित 05 गोवंशों का संरक्षण, 305 की चिकित्सा तथा 190 का टीकाकरण किया गया।

शिविर के दौरान श्रम विभाग द्वारा 05 श्रमिकों का पंजीकरण तथा पी.एम. श्रम योगी मान धन योजना के तहत 01, उद्योग विभाग द्वारा पीएमईजीपी श्रण योजना व विश्वकर्मा श्रम सम्मान प्रशिक्षण योजना के तहत 02-02 तथा ओडीओपी ऋण योजना के तहत 01 व्यक्ति को लाभान्वित किया गया। पूर्ति विभाग द्वारा 193 लोगों को राशन कार्ड तथा उज्ज्वला योजना के तहत 156 लोगों का आधार लिंक किया गया। इण्डियन बैंक द्वारा 20 नवीन खाते व 10 को आधार से लिंक करने तथा आर्यावर्त बैंक द्वारा 24 खातों को आधार से लिंक करने व 12 नवीन खाता खोलने की कार्यवाही की गई।

कौशल विकास मिशन अन्तर्गत प्रशिक्षण हेतु 17 व कौशल विकास हेतु 28, समाज कल्याण विभाग द्वारा 02 पेंशन लाभार्थियों के केवाईसी तथा 26 नवीन प्रार्थना-पत्र प्राप्त किये गये। प्रोबेशन विभाग द्वारा नवीन निराश्रित पेंशन हेतु 17 तथा जन्मोत्सव कार्यक्रम में 25 नवजात कन्याओं को उपहार का वितरण किया गया। इसी प्रकार दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा पेंशन हेतु 19 तथा पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा शादी अनुदान योजना के तहत 12 आवेदन-पत्र प्राप्त किये गये। विद्युत विभाग द्वारा झटपट योजना के तहत 18, जल निगम द्वारा जल जीवन मिशन कनेक्शन से सम्बन्धित 215 तथा मत्स्य पालन विभाग द्वारा मछुआ दुर्घटना बीमा योजना के तहत 07 तथा लघु सिंचाई विभाग द्वारा मुख्यमंत्री उथला नलकूप योजना के तहत 30 आवेदन-पत्र प्राप्त किये गये।

इसके अलावा विकास खण्ड बलहा द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) हेतु 281 आवेदन प्राप्त किये गये तथा 16 लोगों को जाबकार्ड, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन योजना के तहत 1839 व एसबीएम शौचालय योजना अन्तर्गत 67 आवेदन प्राप्त किये गये। पंचायती राज विभाग द्वारा 419 लोगों को परिवार रजिस्टर की नकल, 38 को जन्म प्रमाण-पत्र तथा 105 को शौचालय 15 लोगों का आयुष्मान कार्ड के लिए पंजीकरण की कार्यवाही की गई। शिक्षा विभाग द्वारा 147 लोगों के आधार नामांकन एवं अपडेशन की कार्यवाही की गई।

त्रिगुट

सोमवार 11 सितम्बर 2023

यूक्रेन को छोड़कर जी-20 के सभी प्रस्ताव पर ईयू का समर्थन

रविवार से जी-20 शिखर सम्मेलन की शुरुआत हो चुकी है। साझा घोषणा पत्र जारी करने पर आम सहमति बनाने का प्रयास अध्यक्ष के रूप में भारत द्वारा किया जा रहा है।इस मामले में यूरोपियन यूनियन का कहना है, कि यूक्रेन को छोड़कर वह सभी मामले में जो प्रस्ताव जी-20 की बैठक में प्रस्तुत किए जाएंगे। उनका वह समर्थन करेंगे। शनिवार से विदेशी मेहमानों का नई दिल्ली आना आना शुरू हो गया था। अमेरिका के राष्ट्रपति जो वाईडेन भारत पहुंच चुके हैं। इसके साथ ही तुरकियों के राष्ट्रपति, ओमान के उप प्रधानमंत्री, कनाडा के प्रधानमंत्री,इटली की प्रधानमंत्री, अफ्रीका के राष्ट्रपति, चीन के प्रधानमंत्री और रूस के विदेश मंत्री जी-20 के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए पहुंच चुके हैं।रूस के राष्ट्रपति पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के नहीं आने से जी-20 के शिखर सम्मेलन में अमेरिका और यूरोपीय यूनियन का दबदबा बना रहेगा।इस आशय के संकेत यूरोपियन यूनियन ने जी-20 बैठक का जो एजेंडा तैयार किया जा रहा है। उसे पर अपनी प्रक्रिया व्यक्त कर दी है।यूक्रेन मुद्दे पर यूरोपियन यूनियन और अमेरिका अपने रुख पर कायम है। जिसके कारण शिखर सम्मेलन में रूस और चीन के साथ जी-20 के शिखर सम्मेलन में समन्वय को लेकर कोई बात होना संभव नहीं है।अमेरिका और यूरोपीय देशों चीन तथा रूस के बीच में आम सहमति बनाकर साझा घोषणा पत्र जारी हो इसके लिए भारत निरंतर।इसके लिए प्रयासरत है। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध की निंदा करने के प्रस्ताव को लेकर भी तल्खी बनी हुई है। रूस और चीन, यूक्रेन के मुद्दे को शामिल करने के पक्ष में नहीं है। वहीं यूरोपीय यूनियन के सभी देश इस मामले पर। अड़े हुए हैं।

जी 20 के शिखर सम्मेलन में अमेरिका और यूरोपीय यूनियन ने प्रधानमंत्री मोदी पर दबाव बनाया है। रूस और यूक्रेन युद्ध के मुद्दे पर। जी 20 के शिखर सम्मेलन में चर्चा की जाए और इसमें साझा प्रस्ताव जारी किया जाए।चीन और रूस लगातार इसका विरोध कर रहे हैं। जी 20 के शिखर सम्मेलन पर एक पृथ्वी एक परिवार के मुख्य मुद्दे को आधार बनाकर सभी देश के बीच आपसी समन्वय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर पूरे विश्व की जो चिंता है उनका हल निकालने के लिए प्रस्ताव पर चर्चा कर आम सहमति बनाकर निर्णय लिए जाने थे उन पर निर्णय लिए जाने थे। जी-20 के शिखर सम्मेलन में रूस, चीन और अमेरिका के बीच जो तल्खी।देखने को मिल रही है। उसके कारण जी-20 के शिखर सम्मेलन में जिस तरह की आशा की जा रही थी।उसमें यह तीनों महाशक्ति चीन-रूस और अमेरिका के भंवर जाल में भारत भी फसता हुआ दिख रहा है।एक तरह से अमेरिका ओर यूरोपीय देशों का दबाव भारत में देखने को मिल रहा है। चीन और रूस के राष्ट्रपति शिखर सम्मेलन में नहीं आ रहे हैं।भारत के प्रधानमंत्री और जी-20 के शिखर सम्मेलन के अध्यक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वह ताकत नहीं मिल पा रही है। जो इस सम्मेलन के लिए उन्हें मिलने थी। फिर भी जिस तरह से भारत जी-20 के शिखर सम्मेलन में सभी देशों के बीच में समन्वय बनाने की जो कोशिश भारत द्वारा की जा रही है। उसकी प्रशंसा ही की जा सकती है। जी-20 के शिखर सम्मेलन को लेकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। जिस तरह के हालात अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बने हुए हैं। उसको देखते हुए यह शिखर सम्मेलन बहुत महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है। भारत की भूमिका को लेकर सभी आसान्वित है।

सन्मार्ग की प्रवृत्ति

उत्तम कार्य की कार्य प्रणाली भी प्रायः उत्तम होती है। दूसरों की सेवा या सहायता करनी है, तो प्रायः मधुर भाषण, नम्रता, दान, उपहार आदि द्वारा उसे संतुष्ट किया जाता है। परन्तु कई बार इसके विपरीत क्रिया-प्रणाली ऐसी कठोर, तीक्ष्ण एवं कटु बनानी पड़ती है कि लोगों को भ्रम हो जाता है कि कहीं यह दुर्भाव से प्रेरित होकर तो नहीं किया गया। ऐसे अवसरों पर वास्तविकता का निर्णय करने में बहुत सावधानी बरतने पड़ती है। सीधे-सादे अवसरों पर सीधी-सादी प्रणाली से भली प्रकार काम चल जाता है। भूखे, प्यासे की सहायता करनी है, तो वह कार्य अन्न-जल देने के सीधे-सादे तरीके से चल जाता है। किसी दुःखी या अभावग्रस्त को अभीष्ट वस्तुएं देकर उसकी सेवा की जा सकती है। धर्मशाला, कुआं, पाठशाला, अनाथालय, औषधालय आदि द्वारा लोकसेवा की जा सकती है। ऐसे कार्य निश्चय ही श्रेष्ठ हैं और उनकी आवश्यकता व उपयोगिता सर्वत्र स्वीकारी जा सकती है। परन्तु कई बार ऐसी सेवा की भी बड़ी आवश्यकता होती है, जो प्रत्यक्ष में बुराई मालूम पड़ती है और उसे करने वाले को अपयश ओढ़ना पड़ता है। इस मार्ग को अपनाने का साहस हर किसी में नहीं होता। दुष्ट और अज्ञानियों को उस मार्ग से छुड़ाना, जिस पर वे बड़ी ममता और अहंकार के साथ प्रवृत्त हो रहे हैं, साधारण काम नहीं है। सीधे आदमी की भूल ज्ञान से, तर्क से, समझाने से सुधर जाती है पर जिनकी मनोभूमि अज्ञानान्धकार से कलुषित हो, साथ ही जिनके पास कुछ शक्ति भी है, वे ऐसे मदान्ध हो जाते हैं कि सीधी-सादी क्रिया-प्रणाली का उन पर प्रायः कुछ असर नहीं होता। मनुष्य शरीर धारण करने पर भी जिनमें पशुत्व की प्रधानता है, दुनिया में उनकी कमी नहीं है। उन्हें ज्ञान, तर्क, नम्रता, सज्जनता, सहनशीलता से अनीति के दुःखदाई मार्ग से पीछे नहीं हटाया जा सकता। पशु केवल दो चीजें पहचानता है- एक लोभ, दूसरा भय। दाना, घास खिला उसे ललचा कर कहीं भी ले जाइए, वह पीछे-पीछे चलेगा या लाठी का डर दिखा जिधर चाहे उधर ले जा सकते हैं। भय या लोभ से अज्ञानियों को, कुमार्गगामियों को सन्मार्ग में प्रवृत्त किया जा सकता है। भय उत्पन्न करने के लिए दंड का आश्रय लिया जाता है। लोभ के लिए कोई ऐसा आकषर्ण उसके सामने उपस्थित करना पड़ता है जो आज की अपेक्षा अधिक सुखदायी हो। नशेबाजी, व्यभिचार आदि के दुष्परिणाम को बढ़ा-चढ़ाकर, बताकर कई बार उस ओर चलने वालों को इतना डरा दिया जाता है कि वे उसे स्वतः छोड़ देते हैं।

बच्चे को क्या बनना है ये उसे तय करने दीजिए

सोनम लववंशी

आजकल हर मां-बाप का सपना होता है कि उनका बच्चा आसमां की बुलंदियों को छुए और यही ख्वाहिश अक़्सर हर पेरेंट्स अपने मासूम बच्चों के कंधों पर लाद देते हैं। ऐसे में वे यह भी जानने की जहमत नहीं उठाते कि आख़िर उनका बच्चा क्या चाहता है? परीक्षा का दवाब और मां बाप की उम्मीदें इस हद तक बच्चों पर हावी हो रही है कि वो परीक्षा के इम्तिहान के डर से मौत को गले लगा लेते हैं। एक बच्चें की आखों में न जाने कितने मासूम सपने पल रहे होते हैं, लेकिन अक़्सर घर-परिवार से जुड़े लोग बच्चों के सपनों को ताक पर रखकर सामाजिक पद-प्रतिष्ठा की लालच में उलझ जाते हैं। जिसका नतीजा अमूमन सिफ़र ही साबित होता है। इसे बिडम्बना कह लीजिए या आज के समाज की हकीकत कि हमारा समाज हर बच्चें को शीर्ष पर देखना चाहता है, लेकिन वास्तविकता तो यही है कि शीर्ष पर सिर्फ़ एक व्यक्ति ही काबिज़ हो सकता है। फ़िर ऐसी आशा, अपेक्षा और आस आख़िर किस काम की? जो कोटा जैसे शहर में एक साल के भीतर ही 24 बच्चों की जान ले ले। इन 24 बच्चों की आर्थिक-सामाजिक और मनोवैज्ञानिक दशा की विवेचना करें, तो ये बात निकलकर आती है कि इनमें से आत्महत्या करने वाले 13 बच्चें नाबालिग हैं। वहीं 15 बच्चे गरीब या मध्यमवर्गीय परिवारों से ताल्लुक रखते थे। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जान गंवाने वाले बच्चों में से कोई नाई का बेटा है, तो किसी के पिता गाड़ी धोने का काम करते हैं। ऐसे में सहज आंकलन किया जा सकता है कि कैसे पढ़ाई, प्रतिस्पर्धा और प्रदर्शन के दबाव में जान देने वाले छात्रों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

हर बच्चा अपने आप में यूनिक होता है। मान्यताओं के अनुसार हर बच्चें के भीतर कोई न कोई ऐसा गुण अवश्य समाहित जाता है। जो उसे औरों से अलग बनाता है, लेकिन भेड़चाल की ऐसी परिपाटी हमारे समाज में अनवरत जारी है। जिसके नकारात्मक प्रभाव हम सभी के सामने हैं। इसके बावजूद हम सबब सीखने को तैयार नहीं! एक बच्चा भी अस्वाभाविक मौत मरता है, तो यह एक राष्ट्र के लिए अपूरणीय क्षति है। लेकिन न रहनुमाई व्यवस्था को इस बात की फ़िक्र है और न ही पालकों को। परिजन की ख्वाहिश सिर्फ़ इतनी होती है कि फ़लाने का लड़की या लड़का अगर डॉक्टर-इंजीनियर बन सकता है, तो हमारा सिक्का खोटा क्यों रहें? भले ही फिर बच्चें की रुचि खेल या किसी अन्य गतिविधियों में क्यों न हो? उसकी परवाह तक करना परिजन छोड़ देते हैं। परीक्षा जीवन का एक हिस्सा होती है पर परीक्षा को ही जीवन मान लेना ये कहाँ की समझदारी है? दुनिया में ऐसा कोई रिपोर्ट कार्ड नहीं बना। जो किसी के भविष्य को तय कर सके। पर वर्तमान दौर में उच्च शैक्षणिक संस्थानों में अपने भविष्य निर्माण की तैयारी कर रहे छात्रों के बढ़ते मौत के आंकड़े यह बताने के लिए काफ़ी है कि कैसे भविष्य निर्माण के दवाब में बच्चे मौत को गले लगा रहे हैं। वैसे तो हमारे देश में नई शिक्षा नीति को लेकर बड़ी बड़ी बातें की गई थी। कहा तो ये तक गया था कि नई शिक्षा नीति रोजगार देने वाली होगी। पाठ्यक्रम बदला, नीतियां बदली पर नौनिहालों के जीवन का संकट, भविष्य संवारने की लालसा अभी तक पूरी न हो सकी। देश की शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह से प्रतियोगी हो चली है। बच्चे स्कूल में दाख़िल होते भी नहीं और उनके लिए ट्यूशन मास्टर रख दिए जाते हैं। भविष्य गढ़ने की चिंता में बच्चे का बचपन तक दांव पर लगाने से माता पिता पीछे नहीं हटते है।

अभी चंद दिनों पहले ही चेन्नई से एक दर्दनाक खबर सामने आई थी। यहां एक पिता अपने जवान बेटे की मौत के दर्द को सहन नहीं कर पाया और अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सेल्वासेकर नाम का ये व्यक्ति पेशे से एक फोटोग्राफर था पर कैमरे के लेंस से अपने बेटे के दर्द पर फ़ोकस नहीं कर पाया। उनका बेटा प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था पर परीक्षा में असफल हो गया और मौत को गले लगा लिया। इस घटना ने पिता को अंदर तक आहत कर दिया। पिता ने भी बेटे की मौत के गम में आत्महत्या कर ली पर आत्महत्या करने से पहले छात्र के पिता ने अपने मित्र से कहा कि, वो अपने बेटे में एक डॉक्टर को देख रहा था, लेकिन काश वो अपने बेटे में सिर्फ अपने बेटे को ही देख पाते। उसका मन पढ़ पाते तो आज उनका बेटा ज़िंदा होता। ये एक मात्र उदाहरण नहीं, ऐसी दास्ताँ समाज में अनेक मिल जाएगी, लेकिन वर्तमान दौर में कौन किस मनोदशा से गुज़र रहा। यह जानने समझने का समय किसी के पास नहीं! सभी अपने जीवन में इस कदर व्यस्त हो गए है कि सामने वाला व्यक्ति किस दर्द, किस परेशानी में है, इससे किसी का वास्ता नहीं रहा। पिछले साल नोएडा में ही एक 20 साल के छात्र ने भी खुदकुशी कर ली थी। इस हादसे ने डॉक्टर माँ और इंजीनियर पिता की ज़िंदगी में कभी न भरने वाला दर्द दे दिया। उनका बेटा आईआईटी एंट्रेंस की तैयारी कर रहा था। बेटा अपना बैंड बनाना चाहता था। उसे संगीत का बहुत शौक था, पर पिता के दवाब ने उसे आईआईटी की तैयारी में लगा दिया। बेटे न म्यूजिक पढ़ने की इच्छा जताई तो पिता ने गुस्से में उसका गिटार तोड़ दिया। पिता को लगता है कि उनका बेटा कमज़ोर है, पर मां जानती है कि उनका बेटा हारा नहीं बल्कि उनके स्टेटस टैग ने उसे हारने पर मजबूर कर दिया था।

आज भी हमारे आसपास ऐसी कितनी कहानियां और कितना दर्द भरा हुआ है। कितने मां-बाप अपने जवान बेटे की मौत का मातम मना रहे हैं। राजस्थान के कोटा शहर की ही बात करे तो ये शहर सुसाइड हब बना चुका है। ऐसे में अब जरूरत है अपने बच्चों को बचाने की, न कि स्टेटस सिंबल और अपनी महत्वाकांक्षाओं के नाम पर उन्हें मौत के मुँह में ढ़केलने की।

विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस

हर साल विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस किसी विशेष थीम के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस 2023 की थीम डिजिटल दुनिया में प्राथमिक चिकित्सा है। यह थीम प्राथमिक चिकित्सा ज्ञान को सभी के लिए सुलभ बनाने के हमारे लक्ष्य तक पहुंचने के लिए डिजिटल नवाचारों से संबंधित है।लोगों को अधिक से अधिक प्राथमिक चिकित?सा के बारे में जागरूक होना चाहिए

बच्चों से लेकर बड़ों को प्राथमिक उपचार के प्रति जागरूक होना चाहिए।

समय के साथ सेहत के लिए जरूरी इन चीजों को लोग भूल जाते हैं। लेकिन लोगों को इसके बारे में जानने की जरूरत है ताकि प्राथमिक उपचार के माध्यम से दुर्घटना आदि की स्थिति में घायल व्यक्ति की जान बचाई जा सके। इसलिए प्राथमिक उपचार के बारे में जानना सभी के लिए बहुत जरूरी है।

किसी रोग के होने या चोट लगने पर किसी अप्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा जो सीमित उपचार किया जाता है उसे प्राथमिक चिकित्सा कहते हैं। इसका उद्देश्य कम से कम साधनों में इतनी व्यवस्था करना होता है कि चोट लगे व्यक्ति को समय पर इलाज कराने की स्थिति में लाने में लगने वाले समय में कम से कम नुकसान हो।

वर्ल्?ड फर्स्ट एड डे हर साल मनाया जाता है, सितंबर माह के दूसरे शनिवार को मनाया जाता है। इस वर्ष 10 सितंबर को वर्ल्ड फर्स्ट एड डे मनाया जायेगा। इस दिन को मनाने की शुरूआत इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेड क्रॉस एंड रेट क्रिसेंट सोसाइटी ने 2000 में की थी। इसके बाद से हर साल यह दिवस मनाया जा रहा है। इस दिवस को मनाने का उद्देश ?य है लोगों को अधिक से अधिक प्राथमिक चिकित?सा के बारे में जागरूक करना। ताकि आए दिन होने वाले हादसे, सड़क दुर्घटना या अन?य हादसे में गंभीर चोट लगने, अधिक खून बहने पर लोगों की मदद की जा सकें।

घर और गाड़ी में अपने साथ हमेशा प्राथमिक उपचार किट रखें। डूबने, जलने, हृदयघात, सड़क दुर्घटना और आत्मघात में प्राथमिक उपचार से जान बचाई जा सकती है। घायल इंसान को तुरंत उपचार मिलना चाहिए। प्राथमिक उपचार कोई भी कर सकता है इसके लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं।

किसी रोग के होने या चोट लगने पर किसी अप्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा जो सीमित उपचार किया जाता है उसे प्राथमिक चिकित्सा कहते हैं। इसका उद्देश्य कम से कम साधनों में इतनी व्यवस्था करना होता है कि चोट लगे व्यक्ति को समय पर इलाज कराने की स्थिति में लाने में लगने वाले समय में कम से कम नुकसान हो। प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षित या अप्रशिक्षित व्यक्तिओं द्वारा कम से कम साधनों में किया गया सरल उपचार है। कभी-कभी यह जीवन रक्षक भी सिद्ध होता है।

फर्स्ट एड बॉक्स में क्या-क्या होना चाहिए

दर्द निवारक दवाएं इसके अलावा डिस्पोजेबल ग्लव्ज, पॉकेट मास्क, प्लास्टिक की चिमटी, एंटीसेप्टिक वाइप्स, थर्मामीटर व हाथ धोने का साबुन भी इस किट में रख सकते हैं। इसके साथ खून पतला करने की दवा भी होना चाहिए ताकि हृदयघात की स्थिति में व्यक्ति को दी जा सकें।

प्राथमिक चिकित्सा के नियम

- अगर आपका कोई घर का व्यक्ति दुर्घनाग्रस्त हो जाए तो बिना वक्?त बर्बाद करें दुर्घटना स्थल पर पहुचें।

- दुर्घटना के समय यह कैसे हुआ ? कहाँ जा रहे थे ? किसने किया? जैसे फालतू सवाल न पूछें। पहले उसके इलाज की व्यवस्था करें।

आपका यह पता लगाना जरूरी है कि चोट कहां और किस वस्तु से लगी है।

उस क्रम में कार्डियक फंक्शन को ठीक करना, सांस लेने में मदद करना, चोट लगने की जगह से खून बहना बंद करें. यह सभी कार्य किसी व्यक्ति की जान बचाने में बहुत मददगार साबित होते हैं।

- एम्बुलेंस बुलाएं या डॉक्टर को ही घटनास्थल पर लाएं।

बुंदेलखंड में जैन धर्म के उन्नायक क्षुल्लक गणेशप्रसाद वर्णी समाधि दिवस

डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

एक ऐसा व्यक्ति जिनका जन्म जैन जाति में न होकर वैषण्व जाति में हुआ था ,पर पूर्व जन्म और जैन धर्म पर अटल विश्वास होने पर जैन धर्म को अंगीकार किया और जीवन पर्यन्त जैन समाज को उत्थान में अपना जीवन समर्पित किया और स्व पर कल्याण पर जीवन लगाया

प्रारंभिक जीवन

गणेश प्रसाद जी वर्णी का जन्म हीरा लाल और उज्यारी देवी के घर ललितपुर (यू.पी.) के ग्राम हंसेरा में हुआ था, जो असाटी समुदाय के थे। जबकि असाटी ज्यादातर वैष्णव हैं, उनके पिता की णमोकार मंत्र में गहरी आस्था थी। वे एक जैन परिवार पड़ोस में रहते थे और मंडावरा में अपने घर के पास जैन मंदिर जाते था। वहाँ के व्याख्यानों से प्रभावित होकर, दस वर्ष की आयु में, उन्होंने जीवन भर सूर्यास्त से पहले भोजन करने का संकल्प लिया। अपने यज्ञोपवीत समारोह के दौरान, उनका पुजारी और उनकी माँ के साथ बहस हुई, और उन्होंने घोषणा की कि वह जैन होगा। अब से एक जैन हैं उन्होंने पंद्रह वर्ष की आयु में मध्य -परीक्षा उत्तीर्ण की। उनके पास और देखरेख अपने पिता के पेशे के लिएदुकान-चलाने और देखरेख कोई योग्यता नहीं थी, और एक स्कूल शिक्षक बन गए। वे सिमरा खुर्द (एमपी) की एक धार्मिक विचारधारा वाली महिला चिरौंजाबाई माता जी के संपर्क में आये , जो जतारा के एक आध्यात्मिक व्यक्ति करोरेलाल भाईजी के माध्यम से हुआ। वह उसके लिए बहुत स्नेह विकसित करती थी और उसे अपने बेटे की तरह मानती थी। उन्होंने उन्नत धार्मिक शिक्षा आध्यात्मिक विकास प्राप्त करने की उनकी इच्छा का समर्थन किया।

शिक्षा

उस समय बुंदेलखंड क्षेत्र में कोई उन्नत विद्वान नहीं थे। उन्होंने जयपुर, खुर्जा, बॉम्बे, मथुरा, वाराणसी और अन्य जगहों पर बड़ी मुश्किल से पढ़ाई की। धन की कमी के कारण, उन्हें कभी-कभी भूखा रहना पड़ता था, अपमान स्वीकार करना पड़ता था। उन्होंने पंडित जी के साथ अध्ययन किया। बम्बई में पन्ना लाल बाकलीवाल और बाबा गुरदयाल ने रत्नकरंड़क श्रावकाचार और कातन्त्र -पंचसंधिकी परीक्षा पास की।

गोपालदास बरैया, जिनके साथ उन्होंने खुर्जा में न्याय (तर्क) और व्याकरण का अध्ययन करने के बाद न्यायदीपिका और सर्वार्थसिद्धि का अध्ययन किया। उन्हें कभी-कभी प्रतिष्ठित ब्राह्मण शिक्षकों द्वारा ठुकरा दिया जाता था। वाराणसी में अंबादास शास्त्री। इसके बाद उन्होंने न्यायाचार्य की डिग्री हासिल करने के लिए चकौती और नवद्वीप में अध्ययन किया।

शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना

उन्नत जैन शिक्षा प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करने के अपने अनुभव के आधार पर, उन्होंने वाराणसी में जैन शिक्षण संस्थान की स्थापना की आवश्यकता को दृढ़ता से महसूस किया। उन्हें किसी से एक रुपये का दान मिला। उन्होंने इसे चौंसठ पोस्टकार्डों द्वारा इस्तेमाल किया, और उन्हें कुछ संभावित जैन दाताओं को भेज दिया। आरा के बाबू देवकुमार, सेठ मानेक चंद, बॉम्बे के जे.पी. आदि जैसे प्रमुख जैन परोपकारी लोगों की सहायता से उन्होंने 1905 में वाराणसी में प्रसिद्ध स्यादवाद महाविद्यालय की स्थापना की। बाबा भगीरथ वर्णी ने संस्था के अधीक्षक (पर्यवेक्षक) के रूप में कार्य किया। हालांकि गणेशप्रसाद स्याद्वाद महाविद्यालय के संस्थापक थे, उन्होंने भगीरथ वर्णी द्वारा लगाए गए नियमों को स्वीकार किया।कई प्रभावशाली जैन विद्वान इस संस्था के उत्पाद रहे हैं। पं. मोतीलाल नेहरू की मदद से , वह बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में जैन अध्ययन शुरू करने में सक्षम थे।

बाद में बालचंद सवालनवीस के प्रोत्साहन और कंड्या , मलैया, और अन्य परिवारों और सिंघई कुंदनलाल आदि के समर्थन से उन्होंने सतर्क -सुधातारिंगिनी जैन पाठशाला की स्थापना में मदद की, जो अब सागर में प्रसिद्ध गणेश दिगंबर जैन संस्कृत विद्यालय है।

उन्होंने विभिन्न संस्थानों की स्थापना में भी मदद की। इन संस्थानों को स्थापित करने के लिए प्रेरणा और मदद करने के बाद, उन्होंने नियंत्रण में रहने की परवाह किए बिना प्रशासन को स्थानीय स्वयंसेवकों पर छोड़ दिया और आगे बढ़ गए। इनमें से कुछ संस्थान हैं-

स्वावाद महाविद्यालय बनारस,

श्री कुंद कुंद जैन (पी-जी) कॉलेज, खतौली, 1926

जैन हायर सेकेंडरी स्कूल सागर

महावीर जैन संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, ललितपुर, 1917.

वर्णी जैन इंटर कॉलेज, ललितपुर।

श्री गणेश प्रसाद वर्णी स्नैकक महाविद्यालय, घुवारा।

वर्णी जैन गुरुगुल, जबलपुर।

श्री पार्श्वनाथ ब्रह्मचर्य आश्रम जैन गुरुकुल, खुरई, 1944.

बरूसागर, द्रोणागिरी में पाठशालाएँ।

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस

डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

मनुष्य मन, बुद्धि के कारण अपने आपको श्रेष्ठ मानता हैं। आज मनुष्य धर्म या मूल आदर्शों को भूलकर भौतिकवादी बनने के कारण अत्यंत सम्पन्न होने के कारण हताशा का सामना कर रहा हैं और कोई आभाव के कारण दुखी रहता हैं। जबकि इस क्षण भंगुर संसार में कोई स्थायी नहीं हैं और न कोई अपने साथ धन सम्पत्ति ले जा सकता हैं, जीवन में उतार चढ़ाव अनिवार्यता हैं, और इसी क्षण हमें अपने आपको संतुलित रखकर या रहकर प्रतिकूल समय को ईश्वर के सम्मुख समर्पित कर आत्मबल बढ़ाना चाहिए। आत्महत्या कायरों का काम होता हैं।

मन के हारे, हार हैं, मन के जीते, जीत

भारत समेत पूरी दुनिया में आत्महत्या के मामले बढ़ रहे हैं एनसीआरबी की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में पिछले साल डेढ़ लाख से ज्यादा लोगों ने आत्महत्या की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हर साल दुनिया भर में 700000 लोग सुसाइड (आत्महत्या) करते हैं। आत्महत्या तब मानी जाती है, जब कोई व्यक्ति अपना जीवन समाप्त करने के उद्देश्य खुद को नुकसान पहुंचाता है और परिणाम स्वरूप उस व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है। जबकि आत्महत्या का प्रयास ऐसा कृत्य है, जिसमें व्यक्ति खुद का जीवन समाप्त करने के उद्देश्य कोई गलत कदम उठाता है मगर सहयोग से उसकी मृत्यु नहीं होती है। अगर भारत में आत्महत्या के आंकड़ों की बात करें तो वह काफी डरावने हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक, साल 2021 में कुल 1,64,033 लोगों ने आत्महत्या की। एनसीआरबी ने आत्महत्या को अलग-अलग वर्गों में विभाजित कर यह दिखाने की कोशिश की है कि देश में किस वर्ग के लोग ज्यादा आत्महत्या कर रहे हैं। इनमें दिहाड़ी मजदूर, घरेलू महिलाएं, बेरोजगार, छात्र और किसान समेत अलग-अलग वर्ग के लोगों ने किसी न किसी कारण से आत्महत्या की।

आत्महत्या के आंकड़े साल दर साल बढ़ते ही जा रहे हैं। ऐसे में आत्महत्या के कारणों के समझना बहुत जरूरी है। साथ ही हमें यह भी देखना होगा कि आत्महत्या के आंकड़ों को कैसे कम किया जा सकता है? जब व्यक्ति आत्महत्या करने के बारे में सोचता है तो उसे मुक्ति पाने का यही एक आखिरी विकल्प दिखता है. किसी की जिंदगी बचाना सबसे बड़ा कर्म होता है. व्यक्तिगत और व्यवसायिक जीवन की उठापटक में इंसान खुद को ढालने की कोशिश तो करता है लेकिन जब उसे लगता है कि अब चीजें उसके हाथ से जा रही हैं तो वह धीरे-धीरे मानसिक रोगों की ओर बढ़ता जाता है। जब व्यक्ति अपने दिमाग में कुछ चीजों या किसी विषय पर सोचता रहता है और किसी से उस बारे में जिक्र नहीं करता तो वह सबसे पहले एंग्जाइटी का शिकार होता है जो उसे आगे चलकर डिप्रेशन का शिकार बना देती है। जब व्यक्ति पूरी तरह से डिप्रेशन में चला जाता है तो उसके सोचने-समझने का तरीका बहुत अलग हो जाता है। वह जहां खुद को पूरी तरह से अकेला, असहाय और कमजोर समझने लगता है वहीं उसके दिमाग में आत्महत्या के ख्याल भी आने लगते हैं। जब व्यक्ति आत्महत्या करने के बारे में सोचता है तो उसे मुक्ति पाने का यही एक आखिरी विकल्प दिखता है। इसलिए कहते हैं कि कभी भी अंदर ही अंदर घुटने के बजाय किसी भरोसेमंद व्यक्ति, दोस्त या काउंसलर से खुलकर बात करनी चाहिए। किसी की जिंदगी बचाना सबसे बड़ा कर्म होता है।

कुछ प्रमुख कारण

कुछ मानसिक रोग जैसे- अवसाद बाइपोलर डिसऑर्डर सिजोफ्रेनिया आदि मूड डिसऑर्डर शामिल है।

मादक द्रव्यों का अत्यधिक सेवन

आत्महत्या का पारिवारिक इतिहास

रिश्तों में कड़वाहट

नौकरी का छूटना

आत्मसम्मान को ठेस पहुंचना

असहनीय भावनात्मक या शारीरिक पीड़ा

बचाव करना अतिआवश्यक हैं ----

इलाज के लिए प्रोत्साहित करें

यदि आत्महत्या के बारे में सोचने वाला व्यक्ति किसी बीमारी से जूझ रहा है तो उसे इलाज कराने के लिए प्रोत्साहित करें। यदि उस व्यक्ति को कोई शारीरिक बीमारी नहीं बल्कि मानसिक रोग है तो उसे किसी अच्छे मनोवैज्ञानिक या काउंसलर से मिलने के लिए प्रोत्साहित करें। यदि ऐसा व्यक्ति किसी डॉक्टर या एक्सपर्ट से नहीं मिलना चाहता है तो उसे किसी सपोर्ट ग्रुप, किसी भरोसेमंद कम्युनिटी या एनजीओ से संपर्क कराने में मदद करें।

उसकी समस्या का बहुत छोटा दिखाएं

यदि आपके पास कोई ऐसा व्यक्ति बात करने के लिए आया है जो आत्महत्या के बारे में सोच रहा है या सोच सकता है तो उसे एकदम नॉर्मल सामान्य और आरामदायक स्थिति में लाये. उसे इस बात का एहसास कराएं कि जिस चीज को लेकर वह आत्महत्या जैसा विचार अपने अंदर ला रहा है वह असल में बहुत छोटी बात है। ऐसे व्यक्ति को अपनी या किसी और की जिंदगी के ऐसे अनुभव बताएं जिससे उसे प्रेरणा मिले और यह एहसास हो कि उसकी समस्या वाकई बहुत छोटी है और यह जिंदगी में चलता रहता है।

उसे एहसास कराएं कि आप उसके साथ हैं

इंसान आत्महत्या जैसी चीज के बारे में तभी सोचता है जब उसे लगने लगता है कि वह जिंदगी में पूरी तरह से अकेला पड़ गया है और कोई उसके साथ नहीं है। ऐसे लोगों को अपने अंदर हजार तरह की कमियां और बुराईयां दिखने लगती हैं। यदि आप किसी ऐसे इंसान से टकराते हैं तो उसे यह एहसास दिलाएं कि आप हर घड़ी में उसके साथ हैं। उसे दिन या रात कभी भी जरूरत पड़ी तो आप उसके एक बार कहने पर हाजिर हो जाएंगे। इससे उस व्यक्ति को यह लगेगा कि अभी उसकी जिंदगी में लोगों का साथ और प्यार है। अभी भी ऐसे लोग हैं जिन्हें उसकी फिक्र है। यकीन मानिए आपके कुछ शब्द या वाकया किसी की जिंदगी बचा सकते हैं।

चिन्हित होने पर उसे अकेला न छोड़े और पीड़ित व्यक्ति कुछ रचनात्मक कार्यों में अपना समय बिताये और हमेशा सकारात्मक, रचनात्मक, ऊर्जावान बातों पर अपना ध्यान केंद्रित करे।

ज़िंदगी जिंदादिली का नाम हैं, मुर्दा दिल ख़ाक जिया करते हैं।

अवसादग्रस्त लोगों को दिखानी होगी सही राह

लोगों में अवसाद निरन्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते ऐसे कुछ व्यक्ति आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठते हैं। लोगों में जीवन से निराश होकर आत्महत्या की बढ़ती दुष्प्रवृत्ति गंभीर चिंता का सबब बन रही है। कोरोना काल में लोगों में हताशा और निराशा ज्यादा बढ़ी है, जिससे आत्महत्याओं का प्रतिशत भी लगातार बढ़ रहा है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में 79 फीसदी आत्महत्या निम्न और मध्यवर्ग वाले देशों के लोग करते हैं और इसमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की होती है, जिनके कंधों पर किसी भी देश का भविष्य टिका होता है।

योगेश कुमार गोयल

दुनियाभर में तेजी से बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 10 सितम्बर को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से 'विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस की शुरुआत 'इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रिवेंशन' (आईएएसपी) द्वारा 2003 में की गई थी। इन दिन एक पीले रंग के रिबन को प्रतीक के रूप में पहना जाता है, जो इस बात को फैलाने में मदद करने के लिए पहना जाता है कि आत्महत्या की रोकथाम के बारे में बोलने से लोगों की जान बचाई जा सकती है। इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य आत्महत्या करने वाले व्यक्ति के व्यवहार पर शोध करना, जागरुकता फैलाना और डेटा एकत्रित करना है। दरअसल डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया में हर 40 सैकेंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है यानी प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या के जरिये अपनी जीवनलीला खत्म कर डालते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में आत्महत्या के मामले 15 से 29 वर्ष के लोगों में होते हैं जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों का आंकड़ा इससे बहुत ज्यादा है। प्रतिवर्ष विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है। आत्महत्या रोकथाम दिवस की 2023 की थीम है 'क्रिएटिंग होप थ्रू एक्शन'। इस थीम का उद्देश्य अपने काम के जरिये लोगों के बीच उम्मीद पैदा करना है। लोगों में अवसाद निरन्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते ऐसे कुछ व्यक्ति आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठते हैं। लोगों में जीवन से निराश होकर आत्महत्या की बढ़ती दुष्प्रवृत्ति गंभीर चिंता का सबब बन रही है। कोरोना काल में लोगों में हताशा और निराशा ज्यादा बढ़ी है, जिससे आत्महत्याओं का प्रतिशत भी लगातार बढ़ रहा है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में 79 फीसदी आत्महत्या निम्न और मध्यवर्ग वाले देशों के लोग करते हैं और इसमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की होती है, जिनके कंधों पर किसी भी देश का भविष्य टिका होता है।

हालांकि बीते वर्षों में दुनियाभर में खुदकुशी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं लेकिन भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा काफी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने वर्ष 2021 में भारत में आत्महत्या के मामलों को लेकर 'भारत में आकस्मिक मौतें एवं आत्महत्याएं-2021' रिपोर्ट जारी की थी, जिसके मुताबिक 2021 में देश में 164033 लोगों ने आत्महत्या की। एनसीआरबी के मुताबिक आत्महत्या की घटनाओं के पीछे पेशेवर या कैरियर संबंधी समस्याएं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत, वित्तीय नुकसान, पुराने दर्द इत्यादि मुख्य कारण हैं। इस रिपोर्ट से साफ है कि कोरोना के कारण आर्थिक स्थिति में उतार-चढ़ाव, पारिवारिक क्लेश, रिश्तों में टूटन तथा बीमारी से परेशानी सहित कई अन्य कारणों के चलते देश में 2021 में आत्महत्याएं 2020 के मुकाबले करीब 7.2 फीसदी बढ़ गई। 2020 में आत्महत्या के मामलों की संख्या 153052 दर्ज हुई थी। मनोचिकित्सकों के मुताबिक इंसान को कोरोना ने शारीरिक रूप से जितना बीमार किया, उससे कहीं ज्यादा मानसिक तनाव दिया है। छात्र अपनी शिक्षा एवं भविष्य को लेकर गहरे असमंजस में हैं। किसी को कैरियर या नौकरी की चिंता सता रही है तो कोई वित्तीय संकट से जूझ रहा है। तनाव के दौर में निजी रिश्तों में भी खटास बढ़ी है और आमजन में नकारात्मक विचारों का बढ़ता प्रवाह तथा उपरोक्त चिंताएं कई बार अवसाद का रूप ले लेती हैं, जिसके चलते कुछ लोग परेशानियों से निजात पाने के लिए आत्महत्या का खतरनाक रास्ता चुन लेते हैं।

जब कोई व्यक्ति ज्यादा बुरी मानसिक स्थिति से गुजरता है तो एकाएक अवसाद में चला जाता है और इसी अवसाद के कारण ऐसे कुछ लोग आत्महत्या कर लेते हैं, जिसका उनके परिवार के साथ-साथ समाज पर भी बहुत नकारात्मक असर पड़ता है। विशेषज्ञों के मुताबिक अवसाद और तनाव के कारण ही लोगों में आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ रही है और जब व्यक्ति को परेशानियों से बाहर निकलने का कोई मार्ग नजर आता, ऐसे में वह आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठता है। हालांकि जिन लोगों का मनोबल मजबूत होता है, वे प्राय: विकट परिस्थितियों से उबर भी जाते हैं लेकिन अवसाद के शिकार कुछ लोग विषम परिस्थितियों से लड़ने के बजाय हालात के समक्ष घुटने टेक स्वयं को मौत के हवाले कर देते हैं। मनोचिकित्सकों के अनुसार आत्महत्या करना काफी गंभीर समस्या है और आत्महत्या करने के पीछे अधिकांशत: अवसाद को ही जिम्मेदार ठराया जाता है, जो ऐसे करीब 90 फीसदी मामलों का प्रमुख कारण भी है लेकिन सभी आत्महत्याओं के लिए अवसाद को ही पूरी तरह जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। उनके मुताबिक आत्महत्या करने का विचार किसी इंसान के अंदर तब पनपता है, जब वह किसी मुश्किल से बाहर नहीं निकल पाता।

मनुष्य जीवन को संसार में सबसे अनमोल माना गया है क्योंकि हमारा यह जीवन एकमात्र ऐसी चीज है, जिसे हम दोबारा नहीं पा सकते। बहरहाल, यदि कभी जरूरत से ज्यादा तनाव अथवा किसी मानसिक बीमारी का अहसास हो तो तुरंत किसी मनोचिकित्सक से मिलकर अपनी परेशानियों के बारे में खुलकर बात करें। केन्द्र सरकार द्वारा अगस्त 2020 में एक मेंटल हैल्थ रिहैबिलिटेशन हेल्पलाइन (किरण हेल्पलाइन) नंबर भी जारी किया गया था, जिस पर कॉल करके ऐसी स्थिति में मदद या काउंसलिंग की मांग की जा सकती है। इसके अलावा भी कई सुसाइड हेल्पलाइन नंबर उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग आत्महत्या की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए किया जा सकता है। लोगों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता फैलाकर भी आत्महत्या जैसे मामलों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। किसी भी व्यक्ति के मन में आत्महत्या का विचार आए ही नहीं, ऐसा वातावरण तैयार करना परिवार के साथ-साथ समाज की भी बड़ी जिम्मेदारी है।

राजस्थान में भाजपा परिवर्तन यात्रा तो निकाल रही है मगर असंतुष्टों का हृदय परिवर्तन नहीं करवा पा रही है

रमेश सर्राफ धमोरा

परिवर्तन यात्राओं के लिए एक टोली का गठन किया गया है। जिसमें मीडिया, सोशल मीडिया, आईटी एंव प्रचार-प्रसार सभा के प्रमुख बनाए गए हैं। प्रदेश की गहलोत सरकार के राज में भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण एवं कुशासन के कारण प्रदेश की जनता त्रस्त है। राजस्थान भाजपा में आपसी गुटबाजी खुलकर उजागर हो रही है। विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित सभी बड़े नेता अपने को फ्रंट में लाने के प्रयास में लगे हुये हैं। वसुंधरा समर्थकों को मानना है कि उनके पास अपनी ताकत दिखाने का अब अंतिम अवसर है। यदि इस बार चूक गए तो फिर मुख्य धारा की राजनीति में पिछड़ जाएंगे। वसुंधरा समर्थक कई विधायकों को तो इस बात का डर भी सता रहा है कि यदि मैडम राजनीतिक रूप से कमजोर होती हैं तो उनकी टिकट भी खतरे में पड़ सकती है। इसीलिए वसुंधरा के सभी समर्थक जोर दे रहे हैं कि मैडम पार्टी आलाकमान से दो टूक बात करें।

पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व भी राजस्थान में भाजपा की फूट को लेकर पूरी तरह सतर्क है। भाजपा आलाकमान जानता है कि राजस्थान भाजपा में सभी नेताओं के अपने-अपने गुट बने हुए हैं। जिसके चलते सभी एक दूसरे की टांग खिंचाई करने में लगे हुए हैं। भाजपा ने अपने प्रादेशिक नेताओं की आपसी खींचतान के चलते ही प्रदेश के चार क्षेत्रों में निकली जाने वाली परिवर्तन संकल्प यात्रा का नेतृत्व किसी भी बड़े नेता को नहीं सौंपा है। भाजपा ने चारों यात्राओं का नेतृत्व सामूहिक रूप से करने का निर्णय लिया है। ताकि यात्रा के बहाने कोई नेता खुद को बड़ा नहीं दिखा सके। यात्रा के संयोजन की जिम्मेदारी पार्टी ने दूसरी पंक्ति के नेताओं को दी है ताकि बिना गुटबाजी के यात्राओं का समापन हो सके। ऐसे में अब पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, अर्जुन मेघवाल, प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया सहित किसी भी अन्य नेता के बीच मुख्यमंत्री बनने की होड़ खत्म हो गई है। अब अगर पार्टी सत्ता में आती है तो शीर्ष नेतृत्व ही तय करेगा कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा। भाजपा की ओर से निकाली जाने वाली परिवर्तन यात्रा को लेकर चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नारायण पंचारिया ने बताया कि भाजपा प्रदेश में आगामी दो सितंबर से परिवर्तन यात्रा की शुरुआत कर चुकी है। यह यात्रा चार अलग-अलग स्थानों और दिशाओं से प्रदेश भाजपा के सामूहिक नेतृत्व में 8,982 किलोमीटर का सफर तय कर प्रदेश की 200 विधानसभा क्षेत्रों में जाएगी। परिवर्तन यात्रा के दौरान किसान चौपाल, युवा मोटरसाईकिल रैली, महिलाओं की बैठक और दलित चौपालें भी आयोजित की जा रही हैं।

पहली परिवर्तन संकल्प यात्रा दो सितंबर को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के नेतृत्व में त्रिनेत्र गणेश मंदिर रणथंबौर सवाईमाधोपुर से प्रारंभ हुई। जिसमें भाजपा का प्रदेश नेतृत्व मौजूद रहा। प्रथम परिवर्तन यात्रा 18 दिनों में 1847 किलोमीटर चलकर भरतपुर संभाग, जयपुर संभाग एंव टोंक जिले की 47 विधानसभा क्षेत्रों में जायेगी। इस यात्रा के संयोजक भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी व सह संयोजक भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष जितेन्द्र गोठवाल हैं। दूसरी परिवर्तन यात्रा तीन सितंबर को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में बेणेश्वर धाम डूंगरपुर से प्रारंभ हुई। दूसरी यात्रा 19 दिनों में 2433 किलोमीटर चलकर उदयपुर संभाग, कोटा संभाग और भीलवाडा जिले की कुल 52 विधानसभा क्षेत्रों में जायेगी। इस यात्रा का संयोजक प्रदेश उपाध्यक्ष चुन्नीलाल गरासिया को व सह संभाग प्रभारी प्रमोद सांभर सह संयोजक के दायित्व का निर्वहन करेंगे।

तीसरी परिवर्तन यात्रा चार सितंबर को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में रामदेवरा जैसलमेर से प्रारंभ हुई। यह यात्रा 18 दिनों में 2574 किलोमीटर चलकर जोधपुर संभाग, अजमेर व नागौर जिले की कुल 51 विधानसभा क्षेत्रों में जायेगी। इस यात्रा का संयोजक राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत को बनाया गया है। जोधपुर सह-संभाग प्रभारी सांवलाराम देवासी सह-संयोजक होंगे। चौथी परिवर्तन यात्रा पांच सितंबर को केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी के नेतृत्व में गोगामेडी हनुमानगढ़ से प्रारंभ हुई। यह यात्रा 18 दिनों में 2128 किलोमीटर चलकर बीकानेर संभाग, झुंझुनू, सीकर और अलवर जिले की कुल 50 विधानसभा क्षेत्रों में जाएगी। इस यात्रा का संयोजक पूर्व केन्द्रीय मंत्री सीआर चौधरी व भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रवण बगडी को सह-संयोजक बनाया गया है। इन सभी यात्राओं के लिए एक टोली का गठन किया गया है। जिसमें मीडिया, सोशल मीडिया, आईटी एंव प्रचार-प्रसार सभा के प्रमुख बनाए गए हैं। प्रदेश की गहलोत सरकार के राज में भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण एवं कुशासन के कारण प्रदेश की जनता त्रस्त है। इसलिए कांग्रेस की इस जनविरोधी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए जनता ने संकल्प ले लिया है। विधानसभा चुनाव से पहले निकाली जा रहीं भाजपा की चारों परिवर्तन यात्राओं को केंद्रीय स्तर के नेताओं ने रवाना किया। भाजपा ने किसी एक चेहरे को इन यात्राओं की जिम्मेदारी नहीं दी है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि प्रदेश स्तर की यात्राओं में भाजपा आलाकमान ने किसी भी स्थानीय नेता को जिम्मेदारी क्यों नहीं दी ? इसका मुख्य कारण कारण पार्टी में व्याप्त गुटबाजी को माना जा रहा है। किसी एक नेता के चेहरे को आगे करने से पार्टी के अन्य नेता नाराज हो सकते हैं। इससे बचने के लिए पार्टी ने यह कदम उठाया है। पार्टी आलाकमान नहीं चाहता कि चुनाव से पहले किसी तरह के मतभेद सामने आएं। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी आलाकमान ने उन्हें कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं दी है। इससे राजे और उनके समर्थक नाराज बताए जा रहे हैं। परिवर्तन यात्रा को लेकर भी पार्टी ने राजे को कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं दी है। इससे पहले हुए भाजपा के कई कार्यक्रमों में राजे शामिल नहीं हुई थीं। कुछ दिनों पूर्व गंगाापुरसिटी में अमित शाह के कार्यक्रम में भी वसुंधरा राजे शामिल नहीं हुयीं जबकि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला उस कार्यक्रम में उपस्थित थे। हालांकि वह परिवर्तन यात्रा में शामिल हुईं।

भाजपा आलाकमान विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चेहरा बना रहा है। मगर पार्टी के अंदरखाने मची जंग पर अभी तक नियंत्रण नहीं कर पाया है। वसुंधरा राजे के दो बार मुख्यमंत्री रहने से उनका आज भी लोगों पर काफी प्रभाव है। यदि पार्टी आलाकमान चुनाव में उनकी उपेक्षा करेगा तो यह पार्टी के लिए घाटे का सौदा भी साबित हो सकता है। फिलहाल वसुंधरा राजे अभी चुप्पी साधे हुए हैं तथा सही समय का इंतजार कर रही हैं। अंदर खाने वसुंधरा राजे ने अपनी राजनीति का अगला प्लान तैयार कर रखा है। इसलिए वह अपने धुर विरोधियों से मिलकर उनसे राजनीतिक मतभेद समाप्त कर रही हैं। दूसरी ओर, राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कांग्रेस की फिर से सरकार बनाने के लिए पूरा जोर लगाए हुए हैं। कांग्रेस आला कमान के प्रयासों से सचिन पायलट भी गहलोत के साथ जुट गए हैं। ऐसे में भाजपा अपनी अंदरूनी फूट पर कितना काबू कर पाती है। इसी पर राजस्थान में भाजपा की अगली सरकार बनने का भविष्य टिका है।

....तो सन 2015 में इंडिया की हिमायती थी मोदी सरकार

डॉ श्रीगोपाल नारसन

जब से विपक्षी गठबंधन इंडिया नाम से प्रचलित हुआ है ,तभी से मोदी सरकार इंडिया शब्द को लेकर बेचैन है ।मोदी सरकार अपने भविष्य को बचाए रखने की गरज से भारतीय संविधान में उल्लखित इंडिया दैट इज भारत मे से इंडिया को हटाकर केवल भारत करना चाहती है,जिसके लिए संसद का विशेष सत्र तक बुलाया गया है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं भी खुले रूप में इंडिया शब्द को छोड़ने व भारत शब्द को देश के नाम के रूप में स्वीकारने का बयान दे चुके है।लेकिन शायद वे भूल गए कि उनकी अपनी ही भाजपा सरकार जिसमे वे स्वयं ही प्रधानमंत्री थे,ने सन 2015 में सुप्रीम कोर्ट के समक्ष कहा था कि भारत का नाम बदलने की आवश्यकता नहीं है। उस समय केंद्र की भाजपा सरकार ने कहा था कि देश को इंडिया के बजाय भारत करने की आवश्यकता नही है।भारत व इंडिया नाम को लेकर छिड़ी वर्तमान राजनीतिक जंग के दौरान , भाजपा सरकार द्वारा सन 2015 के उक्त बाबत रुख और वर्तमान में बदले रंग को देखकर हर कोई हैरान है।तब मोदी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि भारत का नाम बदलने की आवश्यकता नहीं है। यानि देश को इंडिया के बजाय भारत नहीं कहा जाना चाहिए।मोदी सरकार ने यह वक्तव्य एक जनहित याचिका को लेकर उसके जवाब में दिया गया था। जिसमें केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा आधिकारिक और अनौपचारिक उद्देश्यों के लिए भारतीय गणतंत्र को भारत कहे जाने की मांग की गई थी।उस समय मोदी सरकार ने दावा किया था कि 卐भारतीय संविधान के अनुच्छेद 1 में किसी भी बदलाव पर विचार करने के लिए परिस्थितियों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

भारत का संविधान अनुच्छेद 1.1 आधिकारिक और अनौपचारिक उद्देश्यों के लिए देश का नाम कैसे रखा जाए, इस पर संविधान का एकमात्र प्रावधान - कहता है, इंडिया, जो कि भारत है, राज्यों का एक संघ होगा।जबकि सन 2015 में मोदी सरकार के केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि जब संविधान का मसौदा तैयार किया गया था और अनुच्छेद 1 में क्लाजेज को सर्वसम्मति से अपनाया गया था, तब संविधान सभा द्वारा देश के नाम से संबंधित मुद्दों पर व्यापक रूप से विचार-विमर्श किया गया था।केंद्र सरकार ने यह भी बताया था कि संविधान के मूल मसौदे में भारत का जिक्र नहीं था और बहस के दौरान संविधान सभा ने भारत, भारतभूमि, भारतवर्ष, इंडिया दैट इज़ भारत और भारत दैट इज़ इंडिया जैसे नामों और फॉर्मूलेशन पर विचार किया था। उक्त वक्तव्य में कहा गया था कि संविधान सभा में समीक्षा की आवश्यकता के मुद्दे पर बहस के बाद से परिस्थितियों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।गृह मंत्रालय भारत सरकार ने तब कहा था कि जनहित याचिका दायर करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता निरंजन भटवाल के वकील अजय जी मजीठिया के एक प्रतिनिधित्व की जांच की गई थी और इसे खारिज करने की सिफारिश की गई थी। मजीठिया ने तर्क दिया था कि अनुच्छेद 1.1 की व्याख्या संविधान सभा की मंशा को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए, जो देश का नाम भारत रखना चाहती थी।उस याचिका में कहा गया था कि इंडिया नाम औपनिवेशिक काल के दौरान गढ़ा गया था और देश को ऐतिहासिक और धर्मग्रंथों में भारत कहा जाता है।तब याचिकाकर्ता ने तर्क दिया था, 卐भारत सरकार अधिनियम, 1935 और भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 को निरस्त करने के लिए संदर्भ के लिए अनुच्छेद 1 में भारत का उपयोग किया गया था।ऐसी ही एक ओर जनहित याचिका सन 2020 में सुप्रीम कोर्ट के सामने आई थी, लेकिन भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश एस.ए. बोबड़े ने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट ऐसा नहीं कर सकता और याचिकाकर्ता को सरकार के सामने अपनी बात रखने के लिए कहा था।वैसे तो अपने देश को भारत और इंडिया दोनों ही नामों से पुकारा जाता है। विदेशों में तो बहुत कम ही लोग भारत को भारत करते हैं। वह सीधे तौर पर इंडिया बोलते हैं।

मोदी सरकार द्वारा इसी माह संसद का एक विशेष सत्र बुलाया है।जिसमे सरकार संविधान संशोधन विधेयक पेश कर 'इंडिया' को 'भारत' करने यानि देश का नाम बदलने की कार्यवाही कर सकती है। इंडिया दैट इज भारत से केवल भारत करने में देश का करीब खर्च 14, 304 करोड़ रुपये का खर्च हो सकता है। इस आंकड़े की गणना दक्षिण अफ्रीका के वकील डेरेन ऑलिवियर के सुझाए फॉर्मूला से की गई है।सन 2018 में स्वैजीलैंड का नाम बदलकर इस्वातीनि कर दिया गया था। उस दौरान ऑलिवियर ने देश के नाम बदलने में आने वाले खर्च की गणना के लिए एक विधि तैयार की थी।उन्होंने इस अफ्रीकी देश के नाम बदलने की प्रक्रिया की तुलना एक बड़े कॉर्पोरेट में होने वाली रीब्रांडिंग से की थी। वकील डेरेन ऑलिवियर के अनुसार, एक बड़े इंटरप्राइज का औसत मार्केटिंग खर्च उसके कुल राजस्व का करीब 6 फीसदी होता है। जबकि, रीब्रांडिंग में कंपनी के कुल मार्केटिंग बजट का 10 फीसदी तक खर्च आ सकता है। उन्होंने अनुमान लगाया था कि स्वेजीलैंड का नाम इस्वातीनि करने में 60 मिलियन डॉलर का खर्च आएगा। पहले भी कई देश नाम बदलने की प्रक्रिया पर विचार कर चुके हैं। इनकी वजहों में प्रशासन स्तर पर सुधार, औपनिवेशिक प्रतीकों से छुटकारा जैसी बातें शामिल हैं। सन 1972 में श्रीलंका में भी नाम बदलने की प्रक्रिया चली थी और तब जाकर करीब चार दशकों में पुराने नाम सीलोन को हटाया जा सका। वास्तव में भारत शब्द का अर्थ है भूमि या भारतीय सभ्यता का देश। यह नाम भारतीय उपमहाद्वीप के राष्ट्रीय नाम के रूप में उपयोग होता है।हिंदुस्तान शब्द उर्दू व पर्सियाई भाषाओं में भारत के लिए उपयोग होता है। इस नाम का उदय संस्कृत शब्द सिन्धुस्थान से हुआ है, जिसका अर्थ होता है सिन्धु नदी के पास की भूमि। हिंदुस्तान शब्द भारतीय सभ्यता, संस्कृति, और विचारधारा के साथ जुड़ा हुआ है।भारत या इंडिया को आर्यवर्त के नाम से भी जाना व पुकारा जाता थ। आर्यावर्त शब्द का अर्थ होता है आर्यों का देश। इस नाम का उदय संस्कृत शब्द आर्य से हुआ है जो नोबल या श्रेष्ठ है।वही अपने देश के लिए जम्बुद्वीप शब्द का अर्थ है जम्बू वृक्षों का द्वीप। यह नाम जैन और हिंदू पुराणों में प्रयोग हुआ है। जबकि भारतखंड शब्द का अर्थ है भूमि का खंड। यह नाम भारत की सामरिक और आर्थिक एकता को दर्शाने के लिए प्रयुक्त होता है। भारतवर्ष शब्द का अर्थ है भारतीय भूमि। इस नाम का उपयोग भारत की विविधता, भौगोलिक स्वरूप, और संस्कृति को दर्शाने के लिए किया जाता है।अंग्रेज जब हमारे देश में आए तो उन्होंने सिंधु घाटी को इंडस वैली कहा और उसी आधार पर इस देश का नाम इंडिया हो गया। तभी से भारत को इंडिया कहा जाने लगा,जो अब परिवर्तित होकर पुनः भारत हो जाएगा।

एक रंगकर्मी के रूप में करियर

विजय गर्ग

रंगकर्मी चमक के स्तर (चमक) और क्रोमा (रंग) को बदलकर फिल्म के स्वरूप में योगदान करते हैं। आज, शानदार सामग्री अनुभवों के निर्माण में वीडियो प्रौद्योगिकी के विभिन्न रूपों का उपयोग महत्वपूर्ण हो गया है। उन्नत वीडियो प्रौद्योगिकियां फिल्म निर्माण के गुणात्मक पहलुओं में सुधार करती हैं, क्योंकि वे जीवंत ध्वनि अनुभव, सरल संपादन उपकरण और सामग्री को वितरित करने के विभिन्न डिजिटल तरीकों के साथ जीवंत और स्पष्ट दृश्य सुनिश्चित करती हैं। दर्शकों को एक समृद्ध सामग्री अनुभव देने में सक्षम होने के लिए टीवी शो, फिल्मों, संगीत और गेम में गुणवत्ता वाले वीडियो के महत्व को समझना फिल्म निर्माताओं, संगीत निर्माताओं या गेम डिजाइनरों के लिए महत्वपूर्ण है। दृश्य विचारों का प्रतिनिधित्व करने के लिए छवियों का उपयोग है। दृश्य जटिल चीज़ों को शीघ्रता और आसानी से संप्रेषित करने में अविश्वसनीय रूप से सहायक हो सकते हैं। तेजी से विकसित हो रही सामग्री उपभोग की आदतों के साथ, उपभोक्ता अपने द्वारा देखे जाने वाले दृश्यों की गुणवत्ता पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। यह अति-ज्वलंत रंग और अविश्वसनीय चमक और कंट्रास्ट है जो मनोरंजन को जीवंत बनाते हैं।

दृश्य प्रौद्योगिकी के व्यापक शब्द के अंतर्गत, एक रंगकर्मी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक रंगकर्मी दर्शकों को उन कहानियों और पात्रों के साथ गहरा संबंध बनाने में मदद करता है जो उन्हें पसंद हैं। वे किसी फिल्म के पैलेट पर फोटोग्राफी के निर्देशक और निर्देशक के साथ सीधे काम करते हैं और उसके रंगों को परिभाषित करके फिल्म के मूड और लुक को तय करने में मदद करते हैं। इसलिए, यदि आप अपनी रचनात्मकता को प्रदर्शित करने और उसका उपयोग करने में रुचि रखते हैं, तो रंगकर्मी बनने की कला का अध्ययन आपके लिए उपयुक्त है।

एक रंगकर्मी अल्ट्रा-ज्वलंत रंगों, तीव्र कंट्रास्ट और समृद्ध विवरणों के क्रमपरिवर्तन और संयोजन को लागू करके सामग्री की सहभागिता में सुधार करता है, जिससे एचडीआर प्रौद्योगिकियों की पूरी क्षमता का पता चलता है और दर्शकों को एक गतिशील चित्र गुणवत्ता मिलती है। जब वे सही रंग संयोजनों का उपयोग करते हैं, तो आश्चर्यजनक नए विवरण सामने आते हैं जो अन्यथा खो जाते। चाहे दूधिया रंगों का उपयोग करना हो या प्राथमिक रंगों का, चाहे पैलेट को म्यूट करना हो या उज्ज्वल, रंगकर्मी चमक के स्तर (चमक) और क्रोमा (रंग) को बदलकर इन लुक में योगदान करते हैं।

राशिफल

आज जन्म लिए बालक का फल.....

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान किन्तु जिद्दी, हठी, अड़ियल, स्वभाव का दानीमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, लकड़ी का व्यापारी, ठेकेदार तथा ठेका चलाने वाला, बीड़ी सिगरेट बनाने वाला, उद्यमी किराना-कपड़ा व्यापारी होवेगा।

मेष राशि - भाग्य का सितारा साथ देगा, किसी के बहकावे से कष्ट, व्यर्थ परिश्रम से बचकर चलें, हानि हो।

वृष राशि - कार्य कुशलता से संतोष, प्रयत्न सफल होंगे, विवेक पूर्ण संघर्ष, लाभप्रद निश्चय होगा।

मिथुन राशि - आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, मानसिक प्रभुत्व वृद्धि, यात्रा में सावधान बरतें।

कर्क राशि - प्रयास विफुल हों, दैनिक कार्य में बाधा, अर्थ व्यवस्था छिन्न-भिन्न बनी ही रहेगी।

सिंह राशि - आर्थिक कार्यगति मे सुधार व अनुकूलता रहेगी, कुटुम्ब व स्त्री की चिंता बनेगी।

कन्या राशि - कुटुम्ब व स्त्री की चिन्ता, सुख कम होगा, व्यावसायिक कार्य में सफलता मिलेगी।

तुला राशि - भाग्य का सितारा साथ दे, बिगड़े कार्य बनेंगे, कार्य कुशलता से संतोष अवश्य होवेगा।

वृश्चिक राशि - स्थिति में सुधार होते हुए भी फलप्रद नहीं, मन में उद्विघ्नता अवश्य बन रहेगी।

धनु राशि - कार्यगति में अनुकूलता, सुखों में समय बीते, बुजुर्गों की राय का लाभ मिलेगा।

मकर - स्त्री वर्ग से भोग-एश्वर्य की प्राप्ति, कार्यकुशलता से सुख बना ही रहेगा ध्यान दें।

कुंभ राशि - कार्य गति में अनुकूलता, चिंताए कम हों अत सफलता के साधन अवश्य जुटायें।

मीन राशि - चिन्ताए दूर हो, इष्ट मित्र सुख वर्धक हा, सोचे हुए कार्य अवश्य पूर्ण होवेंगे।

संक्षिप्त समाचार

कबाड़ बेचकर दुकानदार को नहीं दिए 2.05 लाख रुपये

सोनीपत। कबाड़ी का सामान बेचकर दुकानदार को रुपये न देने व जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। दुकानदार की पत्नी ने मामले की शिकायत गन्नौर थाने में दी है। पटेल नगर निवासी रेखा देवी ने बताया कि उनके पति बिजेंद्र कबाड़ का काम करते हैं। 3 मार्च को घसौली गांव के देवेंद्र के कैंटर में कबाड़ी का सामान लादकर गोबिंदगढ़, पंजाब भेजा था, लेकिन माल रिजेक्ट होने पर वापस आ गया था। आने-जाने का खर्च उनके पति ने देवेंद्र को दे दिया था। इसके बाद कैंटर चालक उन्हें बिना बताए कबाड़ दिल्ली ले गया और 2 लाख 5 हजार रुपये में बेच दिया। अब कैंटर चालक उन्हें रुपये नहीं दे रहा है। 8 मार्च को उनके पति को किसी मामले में पानीपत जेल जाना पड़ा। इस बीच देवेंद्र, उसके कैंटर चालक, सुनील, मंजीत उनके घर आए और उन्हें 70 हजार रुपये देने लगे। पूरे रुपये मांगने पर गाली-गलौज करते हुए धमकी दी। शिकायत पर थाना गन्नौर पुलिस ने खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

फौजी का पर्स चोरी, डेबिट कार्ड से निकाले 94 हजार रुपये

सोनीपत। नई दिल्ली से पंजाब के पठानकोट जा रहे फौजी का सोनीपत रेलवे स्टेशन पर मोबाइल और पर्स चोरी हो गया। पर्स में रखे एटीएम से चोरों ने 94 हजार रुपये निकाल लिए। पीड़ित को पता लगा तो पठानकोट राजकीय रेलवे पुलिस को अवगत कराया। जहां से मामले की जांच सोनीपत जीआरपी को भेजी गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। ओडिशा के जिला जाजपुर के गांव सुलिया निवासी मानस रंजन सतपथी ने राजकीय रेलवे पुलिस पठानकोट में शिकायत दी कि वह 1 अगस्त को सुबह नई दिल्ली से पठानकोट के बीच सफर कर रहे थे। सोनीपत में उनके बैग से मोबाइल, पर्स व कैंटीन का कार्ड चोरी हो गया। उनके पर्स में डेबिट कार्ड भी था। जब उन्होंने घर कॉल कर बैंक खाते की जानकारी लेने के लिए कहा कि परिजनों ने बताया कि उनके खाते से 94 हजार रुपये निकाले गए हैं। तब उन्होंने जीआरपी को अवगत कराया। इस पर पठानकोट जीआरपी ने चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया। वहां से मामला सोनीपत जीआरपी को भेजा गया है। पुलिस यह पता लगाएगी नकदी कहां से निकाली गई है।

मोई माजरी की प्राचीन बणी पर छाए संकट के बादल

सोनीपत। गन्नौर खंड के गांव मोई माजरी में बनी प्राचीन जैव विविधता बणी पर इन दिनों संकट के बादल मंडरा रहे हैं। ग्राम पंचायत माजरी ने बणी के अधिकतर हिस्से में खड़े प्राचीन वृक्षों को कटवाने के लिए ठेकेदारों से मिलकर बोली करवाने की तैयार कर ली है। हालांकि कुछ ग्रामीणों ने इसका विरोध किया है। शुक्रवार को कुछ ग्रामीण एकत्रित होकर लघु सचिवालय पहुंचे और उपायुक्त को मांगपत्र सौंपतक प्राचीन बणी को बचाने की गुहार लगाई। ग्रामीणों की मांग पर प्रशासन ने शुक्रवार को होने वाली बोली को रुकवा दिया है। गांव माजरी में करीब 57 एकड़ भूमि पर प्राचीन समय से बणी बनी हुई है। जिसमें विभिन्न प्रजातियों के प्राचीन वृक्ष व झाड़ियां हैं। इनमें राज्य पक्षी तीतर को मिलता है। इसमें एक बड़ा और कई छोटे तालाब बने हुए हैं। ग्रामीण यहां पशुओं को चराने के लिए लाते हैं। ग्रामीणों ने कहा कि कुछ सालों से इस बणी के पेड़ों को काटने का प्रयास किया जा रहा है। ग्राम पंचायत भी बणी के अधिकतर हिस्से को खत्म कर कृषि योग्य भूमि में लाना चाहती है। संत गोपाल दास ने कहा कि बणी गांव की आन-बान-शान है। यह जैव विविधता प्राकृतिक धरोहर है। मौजूदा सरपंच ने साल 2018 में बणी को बचाने के लिए खुद आवेदन किए थे।आज कटवाने पर आमादा हैं। इसके पीछे गांव का रेवेन्यू बढ़ाने का तर्क दिया जा रहा है।उन्होंने अपने आवेदन में कहा था कि अगर बणी में खड़े प्राचीन वृक्षों को काटा जाता है तो पर्यावरण को बड़ा नुकसान होगा। संत गोपालदास ने कहा कि उपायुक्त से इस विषय पर चर्चा की है। उन्होंने सकारात्मक आश्वासन दिया है। मैं सरकार ने अपील करता हूं कि जो पहले से अभ्यारण बने हुए हैं, उन्हें बचाने का प्रयास करें।

सरपंच रोकेंगे पराली जलाना, कृषि विभाग ने पत्र जारी कर मांगा सहयोग

सोनीपत। फसल अवशेष प्रबंधन के लिए कृषि विभाग ने अभी से पहल शुरू कर दी है। अक्तूबर-नवंबर में फसल अवशेष जलने के मामले को रोकने के लिए अब पंचायतों का सहयोग मांगा है। विभाग ने सभी सरपंचों को पत्र जारी कर फसल अवशेष जलाने की किसी भी तरह की घटना न होने देने का आह्वान किया है। इसके लिए गांव में विशेष जागरूकता अभियान चलाकर किसानों को जागरूक किया जाएगा। इसके साथ ही विद्यार्थियों को भी इसे लेकर जागरूकता का पाठ पढ़ाया जाएगा। कृषि विभाग ने गांव स्तर पर कर्मचारियों की ड्यूटी लगा दी है। धान की फसल अब पकने की तरफ अग्रसर है। इसके साथ ही ज्वार, बाजरा व अन्य फसलों की कटाई शुरू हो गई है। धान काटने के बाद पराली जलाने से प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है। ऐसे में कृषि विभाग ने पंचायतों से सहयोग मांगा है। सरपंचों का आह्वान किया है कि वह अपने गांव में जागरूकता शिविर आयोजित करवाए और किसानों को फसल अवशेष न जलाने के लिए प्रेरित करें, क्योंकि जन सहयोग के बिना इसे रोकना संभव नहीं है।

कृषि विभाग ने कर्मियों की लगाई ड्यूटी

कृषि विभाग ने गांवों में कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए कर्मियों की ड्यूटी लगाई है। विभाग के कर्मी दो चरण में गांवों में जागरूकता शिविर लगाएंगे। पहले चरण में 10 से 24 सितंबर व दूसरे चरण में 25 सितंबर से 9 अक्तूबर तक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान अलग-अलग ब्लॉक में 415 जागरूकता शिविर लगाकर लोगों को जागरूक किया जाएगा।

बिजली गिरने से किशोरी की मौत

सुल्तानपुर। जिले में दो दिनों से हो रही बारिश ने फसलों को फायदा पहुंचाया है। इससे किसान खुश हैं। बृहस्पतिवार की शाम कादीपुर के खालिसपुर मुबारकपुर में बारिश के बीच बिजली गिरने से किशोरी की मौत हो गई। उधर, जरईकलां में एक गाय की बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। कादीपुर कोतवाली के खालिसपुर मुबारकपुर गांव निवासी राजेश यादव की पुत्री एकता (16) बृहस्पतिवार देर शाम घर के बाहर मोबाइल पर बात कर रही थी। उसी समय अचानक गिरी बिजली की चपेट में आने से वह झुलस गई। कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। उसकी मौत से परिवार में कोहराम मच गया। वहीं हलियापुर क्षेत्र के जरईकला गांव में महेंद्र सिंह की गाय बृहस्पतिवार शाम महुआ के पेड़ के नीचे बंधी हुई थी। बारिश के बीच अचानक तेज गरज के साथ बिजली गिरी जिसकी चपेट में आने से गाय झुलस गई। इससे उसकी मौत हो गई।

निपुण परीक्षा 11 व 12 को होगी

सुल्तानपुर। प्राइमरी व उच्च प्राइमरी स्कूलों में 11-12 सितंबर को निपुण एसेसमेंट टेस्ट होगा। इसके लिए परीक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि बच्चों को तकनीकी दिक्कत न हो और सरल एप पर ओएमआर शीट अपलोड की जा सके। 11 सितंबर को कक्षा एक से तीन तक और 12 सितंबर को कक्षा चार से आठ तक के बच्चे परीक्षा देंगे। कक्षा एक से तीन के विद्यार्थियों के लिए प्रति पांच छात्रों पर एक प्रश्नपत्र होगा जबकि कक्षा चार से आठ के बच्चों को अलग-अलग ओएमआर शीट और प्रश्नपत्र दिए जाएंगे। कक्षा एक से तीन के विद्यार्थियों की स्टूडेंट्स आईडी शिक्षक भरेंगे। जिला समन्वयक प्रशिक्षण अपेक्षा त्रिपाठी ने बताया कि परीक्षा के लिए एसआरजी, एआरपी और शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। निदेशालय से यूट्यूब सेशन के जरिए शिक्षकों को ट्रेनिंग दी जाएगी। बीईओ दूसरे स्कूल के शिक्षकों को पर्यवेक्षक नामित करेंगे और वही केंद्र व्यवस्थापक भी होगा। बीएसए दीपिका चतुर्वेदी ने बताया कि ओएमआर शीट भरने के लिए विद्यार्थियों को बालपेन दिया जाएगा। इसका खर्च कंपोजिट ग्रांट से उठाया जाएगा।

बारिश से फसलों को मिली संजीवनी

उन्नाव। दोपहर से शाम तक रुक-रुककर हुई बारिश मक्का और धान की फसलों के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। इससे किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। पिछले कई दिनों से क्षेत्र में बारिश नहीं हुई थी। सिंचाई के अभाव में किसानों द्वारा बोई गई मक्का और धान की फसलें सूखने की कगार पर पहुंच गई थी। इसके अलावा किसान आलू व सरसो की बुआई करने के लिए खेतों को जुताई आदि करके तैयार करने में जुटे थे। कुछ किसानों ने खेतों में गोबर की सड़ी हुई खाद आदि भी डाली दी थी। शुक्रवार को दोपहर से शाम तक रुक-रुककर हुई बारिश से जहां मक्का और धान की फसलों में जान आ गई। वहीं जुते या पांस आदि पड़े खेतों की उत्पादन क्षमता बढ़ गई है। क्षेत्र के श्याम कुमार, सर्वेश कुमार, रामचंद्र, दयाशंकर, भैया लाल, सोवरन, बबलू, विवेक कुमार, लल्लन यादव, रामऔतार व कमलेश कुमार आदि किसानों ने बताया कि आज की बारिश का पानी किसानों के लिए वरदान साबित हुआ है। सहायक विकास अधिकारी कृषि देवी सिंह ने बताया कि शुक्रवार को हुई बारिश खेतों के लिए बहुत ही फायदेमंद है।

जातिगत जनगणना की मांग जायज, सुभाषिनी अली बोलीं- यूपी में यह जरूरी प्रक्रिया कब

वाराणसी। सीपीएम की पूर्व सांसद और पोलित ब्यूरो सदस्य सुभाषिनी अली ने शनिवार को वाराणसी के ओदार राजातालाब में पार्टी की ओर से आयोजित सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना के लिए हम सभी को मिलकर सरकार पर दबाव बनाना होगा। सीपीएम की पूर्व सांसद और पोलित ब्यूरो सदस्य सुभाषिनी अली ने कहा कि सरकार जातिगत जनगणना से घबरा रही है। यह नहीं चाहती कि समाज में पिछड़ी जातियों की संख्या और उनकी स्थिति के बारे में पता चले। वह शनिवार को वाराणसी के ओदार राजातालाब में पार्टी की ओर से आयोजित सभा में बोल रही थीं। जाति जनगणना की मांग को जायज ठहराते हुए सुभाषिनी अली ने पूछा कि यह जरूरी प्रक्रिया यूपी में कब शुरू होगी। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना के लिए हम सभी को मिलकर सरकार पर दबाव बनाना होगा। बताया कि कई तरह के सवाल जनगणना के समय पूछे जाते हैं। जाति संबंधित सूचना ले लेने से सरकार को क्या दिक्कत आ जाएगी। वहां उपस्थित जनता से उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना के आधार पर ही लोगों को आरक्षण मिलते हैं। इसलिए यह जानना जरूरी है कि किस जाति के कितने लोग हैं।

सपा नेता व सेवापुरी विधानसभा के पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह पटेल ने कहा कि जातिगत जनगणना कराया जाना यूपी में बेहद जरूरी है। यह गांव, शहर, देश की जनता का अधिकार भी है। सीपीएम के राज्य सचिव डॉ. हीरालाल यादव ने जातीय जनगणना से होने वाले लाभ के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कन्हैया राजभर और संचालन नंदलाल पटेल ने किया। इस दौरान राष्ट्रीय जनता दल के जिलाध्यक्ष सुरेंद्र यादव, सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बृजेश राजभर, अपना दल कमेरावादी के जिला अध्यक्ष दिलीप पटेल, पूर्व एमएलसी अरविंद सिंह आदि मौजूद रहे।

चुनाव की मांग को लेकर डीएम से मिले छात्र नेता

संतकबीरनगर। एचआरपीजी कॉलेज में छात्र संघ चुनाव की मांग को लेकर शुक्रवार को छात्र नेता कलक्ट्रेट पहुंच कर डीएम से मिले। छात्र नेताओं ने डीएम से चुनाव की तिथि घोषित किए जाने की मांग की। डीएम ने इस बाबत एसडीएम सदर शैलेश दूबे से रिपोर्ट मांगी है,उसके बाद ही निर्णय लेंगे। छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष अंशुमान सिंह ने कहाकि एचआरपीजी कॉलेज में पिछले एक माह से छात्र नेता चुनाव की मांग को लेकर आंदोलनरत है। ऐसे में चुनाव कराया जाना बेहद जरूरी है। प्रशासन चुनाव पर रोक लगा रहा है, जो छात्र हित में सही नहीं है। कॉलेज प्रशासन चुनाव को लेकर तैयार है, पर प्रशासन की तरफ से हरी झंडी नहीं मिल रही है। छात्र नेता अनिश्चित कालीन धरने पर बैठे थे। जिसमें पांच छात्रनेता बेहोश भी हो गए थे। उसके बाद भी प्रशासन के लोग नहीं जागे। उन्होंने डीएम से इस मामले में हस्तक्षेप किए जाने की मांग की। डीएम ने छात्र नेताओं की बातों को सुना और एसडीएम और सीओ को बुलाकर मामले का फीड बैक लिया। बैठक में यह बात उठी कि छात्र नेता कॉलेज परिसर में पढाई को प्रभावित करते है। इसके साथ ही शहर में व्यापारियों से चंदा भी वसूलते है।

चुनाव की मांग को लेकर डीएम से मिले छात्र नेता

० जल्द से जल्द छात्र संघ चुनाव कराए जाने की मांग की

संतकबीरनगर। एचआरपीजी कॉलेज में छात्र संघ चुनाव की मांग को लेकर शुक्रवार को छात्र नेता कलक्ट्रेट पहुंच कर डीएम से मिले। छात्र नेताओं ने डीएम से चुनाव की तिथि घोषित किए जाने की मांग की। डीएम ने इस बाबत एसडीएम सदर शैलेश दूबे से रिपोर्ट मांगी है,उसके बाद ही निर्णय लेंगे। छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष अंशुमान सिंह ने कहाकि एचआरपीजी कॉलेज में पिछले एक माह से छात्र नेता चुनाव की मांग को लेकर आंदोलनरत है। ऐसे में चुनाव कराया जाना बेहद जरूरी है। प्रशासन चुनाव पर रोक लगा रहा है, जो छात्र हित में सही नहीं है। कॉलेज प्रशासन चुनाव को लेकर तैयार है, पर प्रशासन की तरफ से हरी झंडी नहीं मिल रही है। छात्र नेता अनिश्चित कालीन धरने पर बैठे थे। जिसमें पांच छात्रनेता बेहोश भी हो गए थे। उसके बाद भी प्रशासन के लोग नहीं जागे। उन्होंने डीएम से इस मामले में हस्तक्षेप किए जाने की मांग की। डीएम ने छात्र नेताओं की बातों को सुना और एसडीएम और सीओ को बुलाकर मामले का फीड बैक लिया। बैठक में यह बात उठी कि छात्र नेता कॉलेज परिसर में पढाई को प्रभावित करते है। इसके साथ ही शहर में व्यापारियों से चंदा भी वसूलते है। डीएम ने इस बाबत छात्र नेताओं से पूछताछ की तो छात्र नेताओं ने बताया कि काफी समय पहले ऐसी शिकायत मिली थी,लेकिन अब ऐसा नहीं है। जिन छात्र नेताओं के जिस व्यापारी से अच्छे रिश्ते होते है,वे ही व्यक्तिगत व्यवहार पर चुनाव में मदद के नाम पर कुछ रुपये हासिल करते है। डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने एसडीएम सदर से रिपोर्ट मांगी है। उसके बाद ही निर्णय लिए जाने की बात कहीं। इस दौरान रजत सिंह समेत अन्य छात्र नेता मौजूद रहे।

बेटा न होने पर पेट्रोल डाल जलाने के प्रयास का आरोप

यमुना नगर। गांधी नगर थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी निवासी महिला ने अपने पति पर बेटा न होने पर मारपीट करने व पेट्रोल डाल जलाने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। जब आरोपी माचिस लेने गया तो महिला ने कमरे के अंदर दरवाजा बंद करके अपनी जान बचाई। महिला की शिकायत पर गांधी नगर थाना पुलिस ने उसके आरोपी पति पर केस दर्ज कर लिया है। मॉडर्न कॉलोनी निवासी पूजा शर्मा ने गांधी नगर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी शादी करीब सात साल पहले कुलदीप शर्मा से हुई थी। शादी से उसके पास पांच साल की बेटी है। आरोप है कि लड़का न होने पर उसका पति उसे कई साल से मारपीट करता आ रहा है। लड़का न होने पर उसे पति देर रात ताने देता है। रात करीब सवा नौ बजे उसके पति घर पर आया। आते ही आरोपी ने उससे मारपीट करनी शुरू कर दी। आरोप है कि आरोपी ने उसकी पांच साल की बेटी के सामने उसे पीटा और पेट्रोल डालकर माचिस लेने के लिए गया। तभी उसने कमरे में घुसकर अंदर से दरवाजा बंद कर अपनी जान बचाई और इसकी सूचना डायल 112 पर दी। डायल 112 की गाड़ी मौके पर पहुंची, लेकिन आरोपी तब तक मौके से फरार हो चुका था। महिला का सिविल अस्पताल में मेडिकल कराया गया।

सैलानियों को दोबारा मिल सकता जंगल सफारी का आनंद, 11570 एकड़ क्षेत्र बसा प्रदेश का एकमात्र कलेसर जंगल

यमुना नगर। यमुनानगर के खंड प्रतापगर स्थित कलेसर जंगल में घूमने से न केवल रोमांचक नजारा मिलता है, बल्कि इसके साथ जंगल में दुर्लभ प्राणी भी देखने को मिलते हैं। जल्द ही सैलानी यहां की जंगल सफारी का आनंद ले सकेंगे। कलेसर नेशनल पार्क बहुत ही खूबसूरत पर्यटन स्थल है। इसकी सीमा तीन राज्यों हिमाचल, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश से लगी हुई है। हरियाणा में जंगल सफारी की सैर करने की इच्छा रखने वालों के लिए अच्छी खबर है। सैलानियों के लिए यमुनानगर का कलेसर जंगल को सफारी के लिए दोबारा से खोलने का सरकार विचार कर रही है। बकायदा इस मामले में वन विभाग से भी बातचीत की जा रही है।

कलेसर नेशनल पार्क हिमालय की शिवालिक पर्वत मालाओं की तलहटी में स्थित

जल्द ही सैलानी यहां की जंगल सफारी का आनंद ले सकेंगे। यह कलेसर नेशनल पार्क हिमालय की शिवालिक पर्वत मालाओं की तलहटी में स्थित है। बता दें कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर के चलते कलेसर नेशनल पार्क व वाइल्ड लाइफ सेंचुरी को पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया था। तब से यहां की सफारी पर रोक लगी हुई है। तब मकसद यह था यहां आने वाले सैलानियों का वन्य प्राणियों पर वायरस का प्रभाव न पड़े।

तीन राज्यों से लगी हुई हैं इसकी सीमाएं

कलेसर नेशनल पार्क बहुत ही खूबसूरत पर्यटन स्थल है। इसकी सीमा तीन राज्यों हिमाचल, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश से लगी हुई है। यहां बने कलेसर मठ (शिव) मंदिर के नाम पर इस पार्क का नामकरण हुआ है। पार्क को आठ दिसंबर 2003 को 11570 एकड़ क्षेत्र में राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था। बता दें जंगल सफारी चलती थी तब बड़ों के लिए 30 रुपये का टिकट, बच्चे के लिए 10 रुपये, कैमरा प्रयोग करने के लिए 50 रुपये, गाड़ी की पार्किंग के 20 रुपये और वीडियो कैमरा इस्तेमाल करने के लिए 500 रुपये की टिकट लगेगी। वहीं गाड़ी का किराया 500 रुपये लगता था। लेकिन अब अगर दोबारा सफारी शुरू होगी तो उसके रेटों में अंतर होगा।

ये पक्षी देखने को मिलते हैं कलेसर जंगल में

यमुनानगर के खंड प्रतापगर स्थित कलेसर जंगल में घूमने से न केवल रोमांचक नजारा मिलता है, बल्कि इसके साथ जंगल में दुर्लभ प्राणी भी देखने को मिलते हैं। इस जंगल सफारी में तेंदुए, सांबर, बिल्ली, चित्तल, नीलगाय, भालू, जंगली धब्बेदार बिल्ली, हाथी, लंगूर, बंदर, जंगली मुर्गे जैसे अन्य जानवरों की प्रजातियां हैं। जंगली सुअर और मोंगोज भी यहां पाए जाते हैं। राजाजी राष्ट्रीय उद्यान से भी कई बार बाघ और हाथी इस क्षेत्र में आ जाते हैं। बता दें जब यहां सफारी होती थी तब यहां देश ही नहीं विदेशों से भी सैलानी घूमने के लिए आते थे।

हरियाणा वन एवं पर्यटन मंत्री के अनुसार

हमारे यहां कलेसर नेशनल पार्क काफी खूबसूरत जंगल है। जहां बहुत ही वन्य जीव रहते हैं। जंगल सफारी को लेकर विचार किया जा रहा है। इसमें वन विभाग से बातचीत की जा रही है। - कंवरपाल, मंत्री, वन एवं पर्यटन।

गर्भवती ने दूसरे वर्ग के युवक पर लगाया लव जिहाद का आरोप

उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी गर्भवती ने मुस्लिम वर्ग के युवक पर अपना नाम और पहचान छिपाकर उससे मंदिर में शादी की। युवक दो बच्चे होने के बाद छोड़कर चला गया। पीड़िता ने कोतवाली में तहरीर दी है। हिंदू जागरण मंच ने उच्चाधिकारियों से बात कर लव जेहाद का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग की। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी 27 वर्षीय महिला ने बताया कि वह वर्ष 2019 में लखनऊ के दुबग्गा में घरों में झाड़ू पोंछे का काम करती थी। वहीं हसनगंज कोतवाली के मौलाबांकीपुर निवासी विशेष वर्ग के युवक से उसकी मुलाकात हुई। उसने खुदको हिंदू बताकर प्रेम जाल में फंसाया और वहीं बुद्धेश्वर मंदिर में शादी कर ली।

दोनों लखनऊ में ही किराए के मकान में रहने लगे। पीड़िता का आरोप है कि शिकायत करने पर थाना पुलिस ने उसे भगा दिया। मामला हिंदू जागरण मंच के प्रांतीय मंत्री विमल द्विवेदी तक पहुंचा तो उन्होंने पुलिस अधिकारियों से बात कर लव जिहाद का मामला दर्ज करने की मांग की है।

सात साल में सबसे कम इस बार में बरसे बदरा, वाराणसी में 910 मिलीमीटर बारिश का है मानक

वाराणसी। वाराणसी में पिछले सात वर्षों में इस बार सबसे कम बारिश हुई है। मानसून का सीजन जून से सितंबर तक माना जाता है और इन चार महीनों में औसत 910 मिलीमीटर बारिश होनी चाहिए। इस साल अब तक 545 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है। वाराणसी में कमजोर बादलों ने बारिश की राह रोक दी है। मानसून सीजन की बात करें तो पिछले सात वर्षों में इस बार सबसे कम बारिश हुई है। 2017 से 2023 तक के मानसून सीजन के आंकड़ों पर गौर करें तो 2017 में 711 मिलीमीटर जबकि 2019 में 1000 मिलीमीटर बारिश हुई। इस साल 2023 में अब तक 590 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है। बीएचयू के मौसम वैज्ञानिक प्रो. मनोज श्रीवास्तव के अनुसार बादलों की कमजोरी ही इसकी मुख्य वजह है। मानसून का सीजन जून से सितंबर तक माना जाता है और इन चार महीनों में औसत 910 मिलीमीटर बारिश होनी चाहिए। पूर्वांचल में मानसून के आने का समय 20 जून है। इस बार मानसून की दस्तक 25 जून को हुई और शुरुआत में अच्छी बारिश हुई, लेकिन इसके बाद मानसून मानो मौन हो गया।

जून में 134, जुलाई में 195 मिलीमीटर बारिश हुई। अगस्त में भी 180 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड की गई। सितंबर में अबतक बारिश रुक-रुककर हो रही है। अब तक 50 मिलीमीटर बारिश हुई है। इस तरह इस सीजन में अब तक 590 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है। हालांकि अभी इस माह में 21 दिन बचे हैं।

बंगाल की खाड़ी से आए बादल पड़ गए कमजोर

बीएचयू के मौसम वैज्ञानिक प्रो. मनोज श्रीवास्तव का कहना है कि मानसून सीजन में बारिश कम होने की वजह बादलों की कमजोरी है। बताया कि बंगाल की खाड़ी से आने वाले बादल यहां आते आते इस बार कमजोर हो गए। बादलों की सक्रियता कम होने के कारण ही मैदानी भागों में इस बार अच्छी बारिश नहीं हुई है। इस तरह की स्थिति केवल पूर्वांचल में वाराणसी में ही देखने को मिली जबकि आसपास के जिलों में इस बार बारिश ठीक हुई हैं।

हाईवे पर फिर लगा 20 किमी जाम, फंसे रहे वाहन

नवाबगंज। लखनऊ-कानपुर हाइवे का जाम खत्म नहीं हो पा रहा है। पुलिस अधिकारी भी जाम खुलवाने में बेबस नजर आ रहे हैं। गुरुवार रात लखनऊ जिले का जाम सीमा में प्रवेश करते हुए 20 किमी. उन्नाव की ओर पहुंच गया। रात भर जाम लगने से उसमें फंसे सैकड़ों वाहन सवार परेशान रहे। शुक्रवार सुबह पुलिस यातायात बहाल कर पाई। वहीं विपरीत दिशा से गुजरने वाले वाहनों ने दोनों लेने प्रभावित कर दी। इससे और परेशानी उठानी पड़ी। गुरुवार देर रात लखनऊ के बनी क्षेत्र में लगने वाला जाम टोल प्लाजा से पक्षी विहार तक पहुंच गया। इसके बाद दोनों थानों की पुलिस जाम को बहाल करने में जुट गई। सोहरामऊ एसओ अवधेश कुमार और अजगैन कोतवाली प्रभारी अवनीश कुमार सिंह ने बताया कि अपने अपने क्षेत्रों में जाम न लगने पाए इसके लिए मुस्तैदी रहती हैं। लेकिन एक्सप्रेस वे निर्माण व डायवर्जन की वजह से दिक्कतें आ रही हैं। बताते चलें कि गंगा एक्सप्रेस वे ब्रिज निर्माण का एक हिस्सा लखनऊ कानपुर हाइवे के बनी के पास निर्माणाधीन है। जिस पर तेजी से काम चल रहा है। गुरुवार मध्य रात में पुल के कुछ बड़े हिस्से को मशीनरियों की मदद से रखे जाने के दौरान एनएचएआई की टीम वाहनों को गुजरने से रोक देती है। वहीं रात में नो एंट्री के खुलने से बड़ी संख्या में हाइवे से गुजरने वाले ट्रैफिक के रुकते ही भीषण जाम लग जाता है।

इधर पुल निर्माण स्थल से एक किलोमीटर की दूरी पर लखनऊ के कटीबगिया क्षेत्र में कन्नौज और बांगरमऊ को जाने वाले बड़े वाहनों के डायवर्जन भी हाइवे जाम की बड़ी वजह बनते हैं। कटीबगिया में मौजूद स्थानीय पुलिस और ट्रैफिक पुलिस यातायात बहाल करने से अधिक गाड़ियों की वसूली में लगी रहती है। जिससे हाइवे में भीषण जाम का रूप ले लेती है। जाम में वाहनों के रेंगने की वजह से लंबी दूरी से आने वाले चालक हाइवे पर ट्रक खड़ा कर सो जाते है। इसके अलावा हाइवे के वैध अवैध कटो से विपरीत दिशा में वाहनों के गुजरने से यातायात जाम हो जाता है। जिससे दोनों ट्रैक में भीषण जाम लगता है।

1.35 लाख के दुरुपयोग के मामले में ग्राम प्रधान निलंबित

सुल्तानपुर। भदैंया की रामगढ़ ग्राम पंचायत में मनरेगा समेत अन्य कार्यों में 1.35 लाख रुपये के सरकारी धन के दुरुपयोग पर डीएम ने ग्राम प्रधान को निलंबित कर दिया। इसके साथ ही पंचायत सचिव पर अनुशासनात्मक कार्रवाई का निर्देश भी दिया है। रामगढ़ के अशोक कुमार ने ग्राम प्रधान व पंचायत सचिव पर मनरेगा समेत अन्य मद से कराए गए कामों में गड़बड़ी का आरोप लगाया था। डीसी मनरेगा अनवर शेख ने जांच की तो पक्की नाली के निर्माण में 42,374 रुपये की गड़बड़ी पाई। इसके साथ ही मनरेगा से बने नाले, अमृत सरोवर व संपर्क मार्ग के कार्य में 93,342 रुपये का दुरुपयोग मिला है। पता चला कि नाला बनाए बिना ही धनराशि निकाल ली गई है। इसमें ग्राम प्रधान भानमती, तत्कालीन पंचायत सचिव शारदा दुबे समेत अन्य आरोपी पाए गए। प्रधान व सचिव से स्पष्टीकरण मांगा गया था। सटीक जवाब न मिलने पर डीपीआरओ अभिषेक शुक्ल की रिपोर्ट पर डीएम जसजीत कौर ने शुक्रवार को ग्राम प्रधान भानमती के वित्तीय व प्रशासनिक अधिकार पर रोक लगा दी।

दो दिन के अंतराल के बाद ज्ञानवापी में फिर शुरू हुआ सर्वे, एएसआई को 28 दिन का समय मिला

वाराणसी। अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी के विरोध के कारण ज्ञानवापी में दो दिन तक एएसआई सर्वे नहीं कर सका। जिला जज की अदालत के आदेश के बाद शनिवार से ज्ञानवापी में सर्वे का काम फिर शुरू हो गया है। वाराणसी के ज्ञानवापी में शनिवार को भारतीय पुरातत्व विभाग (एएसआई) की टीम के सर्वे का 35वां दिन है। त्रिस्तरीय सुरक्षा के बीच टीम परिसर में ऐतिहासिक संभावनाएं तलाश करने टीम उतरी है। एएसआई की टीम ज्ञानवापी में अब तक हुए सर्वे की रिपोर्ट तैयार करेगी। अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी के विरोध के कारण ज्ञानवापी में दो दिन तक एएसआई सर्वे नहीं कर सका। जिला जज की अदालत के आदेश के बाद शनिवार से ज्ञानवापी में सर्वे का काम फिर शुरू हो गया है। मसाजिद कमेटी भी एएसआई का सहयोग कर रही है।

वजूस्थल को छोड़कर संपूर्ण परिसर के सर्वे में जुटी टीम अब तक 34 दिन में लगभग 250 घंटे का सर्वे पूरा कर चुकी है। सर्वे में वाराणसी, पटना, कानपुर, दिल्ली और हैदराबाद की टीमें शामिल हैं। वैज्ञानिक रूप से संरचनाओं की जांच करने के लिए कार्यशील फर्श के स्तर से ऊपर के मलबे आदि की सफाई जारी है।

छह अक्टूबर तक सर्वे पूरा कर रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश

ज्ञानवापी में सर्वे के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को चार सप्ताह का अतिरिक्त समय मिल गया है। अब छह अक्तूबर 2023 तक सर्वे करके रिपोर्ट अदालत में दाखिल करनी है। एएसआई ने सर्वे की समय सीमा आठ सप्ताह आगे बढ़ाने की अर्जी दी थी, लेकिन जिला जज की अदालत ने चार सप्ताह ही आगे बढ़ाई है।

ये भी पढ़ें-एएसआई ने कहा- मलबे से सर्वे में आ रही दिक्कत, मसाजिद कमेटी बोली- अदालत के आदेश का उल्लंघन

चार अगस्त से चल रहा एएसआई सर्वे

जिला जज की अदालत ने 21 जुलाई 2023 को सील वजूखाने को छोड़कर ज्ञानवापी परिसर के सर्वे का आदेश दिया था। 24 जुलाई को एएसआई ने सर्वे शुरू किया तो अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सुप्रीम कोर्ट ने सर्वे पर रोक लगाया और मसाजिद कमेटी को इलाहाबाद हाईकोर्ट जाने का आदेश दिया। कमेटी की तरफ से इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करके सर्वे पर रोक लगाने की मांग रखी गई, जिसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया। हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई, लेकिन कोई राहत नहीं मिली। सुप्रीम कोर्ट ने जिला जज के आदेश को बरकरार रखा। लिहाजा, चार अगस्त से ज्ञानवापी का सर्वे दोबारा शुरू हो गया। 15 अगस्त को सर्वे बंद रहा। सात और 8 सितंबर को मसाजिद कमेटी के विरोध के कारण सर्वे नहीं हो सका। शुक्रवार को अदालत का आदेश आया। इसके बाद शनिवार सुबह नौ बजे से एएसआई टीम ने फिर से सर्वे शुरू किया। जो साक्ष्य मिल रहे हैं, उसे एएसआई की टीम सुरक्षित कर रही है।

चूहे से फैलती है बीमारी-कोरोना से भी खतरनाक लेप्टोस्पायरोसिस, वाराणसी में 10 से अधिक बच्चे पीड़ित

वाराणसी। बीएचयू के जीवविज्ञानी प्रो. ज्ञानेश्वर चौबे ने बताया कि लेप्टोस्पायरोसिस बैक्टीरिया कोरोना वायरस से भी ज्यादा खतरनाक है। कोरोना की चपेट में आने वालों की मृत्यु दर से एक से डेढ़ फीसदी है, जबकि लेप्टोस्पायरोसिस की तीन से 10 फीसदी है।

इस बीमारी के वाहक चूहे हैं। कोरोना से भी खतरनाक लेप्टोस्पायरोसिस ने वाराणसी में दस्तक दी है। यह बीमारी चूहों से होती है। बच्चों को ही निशाना बनाती है। अब तक 10 से अधिक बच्चे चपेट में आ चुके हैं। शहर के निजी अस्पतालों में इलाज चल रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट जारी किया है। तेज बुखार के कारण चेतगंज की बालिका को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने जांच कराई, लेकिन बीमारी पकड़ में नहीं आई। इसके बाद सी रिएक्टिव प्रोटीन (सीआरपी) जांच कराई गई। सीआरपी ज्यादा मिली तो डॉक्टर चिंतित दिखे। आशंका के आधार पर लेप्टोस्पायरोसिस की जांच कराई तो रिपोर्ट पॉजिटिव आई। सीएमओ डॉ. संदीप चौधरी ने बताया कि लेप्टोस्पायरोसिस के बारे में जानकारी मिली है। बाल रोग विशेषज्ञों को अलर्ट किया गया है। इससे पहले 2013 में मामले सामने आए थे। मंडलीय अस्पताल के बालरोग विशेषज्ञ डॉ. सीपी गुप्ता ने बताया कि ओपीडी में मरीज आ रहे हैं।

तीन चार दिन से ज्यादा है बुखार तो ना लें हल्के में

भारतीय बाल अकादमी के अध्यक्ष डॉ. आलोक भारद्वाज के मुताबिक, बुखार अगर तीन-चार दिन से ज्यादा है तो इसे हल्के में न लें। सीआरपी की जांच कराइए। अगर सीआरपी ज्यादा आए तो समझ लें बैक्टीरियल बुखार है। इसके बाद लेप्टोस्पायरोसिस की जांच करानी होगी। इसके लक्षण डेंगू और वायरल से मिलते हैं। इसमें प्लेटलेट्स तेजी से नहीं डाउन होता है। 30 से 40 हजार तक पहुंचने के बाद रिकवर हो जाता है।

चूहे के मूत्र के जरिये फैल रही बीमारी

नवजात शिशु संघ के प्रदेश अध्यक्ष और बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अशोक राय के मुताबिक अब तक बाल लेप्टोस्पायरोसिस पीड़ित पांच बच्चों का इलाज कर चुके हैं। यह बीमारी चूहे के मूत्र के जरिये बच्चों में फैल रही है। इसमें डेंगू की तरह ही बुखार आएगा। यह शरीर के सभी अंगों को प्रभावित करता है। पहले सामान्य बुखार होता है। लक्षण पांच से छह दिन बाद मिलते हैं। सही इलाज न मिले तो बुखार 10 से 15 दिन रहता है। इससे कभी पीलिया तो कभी हार्ट फेल होने का खतरा रहता है।

कोरोना से ज्यादा खतरनाक है बैक्टीरिया

बीएचयू के जीवविज्ञानी प्रो. ज्ञानेश्वर चौबे ने बताया कि लेप्टोस्पायरोसिस बैक्टीरिया कोरोना वायरस से भी ज्यादा खतरनाक है। कोरोना की चपेट में आने वालों की मृत्यु दर से एक से डेढ़ फीसदी है, जबकि लेप्टोस्पायरोसिस की तीन से 10 फीसदी है।

इस बीमारी के वाहक चूहे हैं। चूहे ने कहीं पेशाब किया और आपकी स्किन कटी है तो अगर आप इसके संपर्क में आते हैं तो लेप्टोस्पायरोसिस होने की आशंका रहती है। यह बैक्टीरिया छह महीने तक पानी में जीवित रह सकता है। जुलाई से अक्तूबर के बीच बैक्टीरियल इंफेक्शन ज्यादा होता है।

1980 में सबसे पहले चेन्नई में मिला था बैक्टीरिया

प्रो. चौबे ने बताया कि 1980 में सबसे पहले इस बैक्टीरिया की पहचान चेन्नई की गई थी। उत्तर प्रदेश में पहला मरीज 2004 में मिला था। 43 वर्षों में बैक्टीरिया ने अपना स्वरूप बदल लिया है। पहले जहां यह 40 से 45 आयु वर्ग को प्रभावित कर रहा था। इस बार के संक्रमण में बच्चे इसकी जद में सबसे ज्यादा है।

लेप्टोस्पायरोसिस संक्रमण के लक्षण

बुखार, शरीर, पीठ और पैरों में तेज दर्द, आंख में लाली, पेट में दर्द, खांसी, खांसी के साथ खून आना, सर्दी के साथ बुखार आना और शरीर में लाल चकत्ते। बुखार 104 डिग्री से अधिक हो सकता है।

लेप्टोस्पायरोसिस बचने के लिए बरतें ये सावधानी

- जिस तालाब में जानवर जाते हैं, वहां नहाने से बचें
- चूहे घर में हैं तो सावधानी बरतें
- बाहर से लाए गए प्लास्टिक के पैकेट को साफ करके इस्तेमाल करें
- मानसून के दौरान स्विमिंग, वाटर स्कीइंग, सेलिंग से बचें
- घर के पालतू जानवरों की साफ-सफाई पर भी जरूर ध्यान दें

गीता, योग और ध्यान से लगेगी आत्महत्याओं पर लगाम, आईआईटी बीएचयू के छात्रों ने की पहल

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू में सखा नाम से एक छात्र संगठन है। ये छात्र छात्राओं की समस्याओं के समाधान के लिए 2019 में बनाया गया था। मौजूदा स्थिति को देख संगठन ने अपना विस्तार किया है। देश भर के तकनीकी संस्थानों और आईआईटी में इन दिनों आत्महत्या के मामले देखने को मिल रहे हैं। सरकार की रिपोर्ट के अनुसार, बीते पांच साल में 98 घटनाएं हुई हैं। बीएचयू भी इससे अछूता नहीं है।

हालांकि, इन घटनाओं को रोकने के लिए संस्थान की ओर से कई सकारात्मक प्रयास किए जा रहे हैं। खास बात यह कि इसका जिम्मा खुद संस्थान के छात्रों ने ही उठाया है। आईआईटी बीएचयू में सखा नाम से एक छात्र संगठन है। ये छात्र छात्राओं की समस्याओं के समाधान के लिए 2019 में बनाया गया था। मौजूदा स्थिति को देख संगठन ने अपना विस्तार किया है। इसमें अलग-अलग फैकल्टी के सात सदस्यों को शामिल किया गया है। जो किसी न किसी विभाग के प्रोफेसर हैं।

सखा संगठन फिलहाल एक लाइब्रेरी में चल रहा है, लेकिन आगे इसका अपना भवन होगा। जहां छात्र-छात्राएं न सिर्फ काउंसिलिंग के लिए आ सकेंगे, बल्कि कई सकारात्मक गतिविधियों में भी हिस्सा ले सकेंगे। केंद्र में गीता पाठ, स्पोर्ट्स एक्टिविटी, योग और ध्यान भी कराया जाएगा। समय-समय पर गीता, रामायण पाठ व अन्य आध्यात्मिक आयोजनों से सकारात्मक भाव जगाने के प्रयास होंगे।

24 घंटे काम करती है टीम

सखा में पहले केवल छात्र ही काउंसिल के सदस्य होते थे। वर्तमान में फैकल्टी इंचार्ज रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ. वी रामनाथन हैं। कैंपस काउंसलर लक्ष्मण यादव छात्रों की काउंसिलिंग करते हैं। काउंसिलिंग का समय भले 2 से 6 बजे है, लेकिन टीम 24 घंटे काम करती है। जब भी किसी को टीम का सदस्य बनाया जाता है तो उससे इस बात की सहमति ली जाती है कि वह 24 घंटे उपलब्ध रहेगा। बताया कि कभी कभी रात में भी फोन आ जाता है तो टीम के मेंबर पहुंचते हैं।

छात्र-छात्राओं के लिए सखा की ओर से अलग-अलग एक्टिविटी कराई जाती है। ताकि विद्यार्थी इसमें प्रतिभाग करें और लोगों से समस्या साझा करें। धार्मिक एक्टिविटी में गीता पाठ, रामायण पाठ के साथ ही अन्य प्रतियोगिताएं होती हैं। साथ ही योग, खेलकूद, गायन वादन का आयोजन होता है। समय समय पर बड़े काउंसलर को भी बुलाया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

पीड़ित मां ने एसपी से लगाई गुहार

संतकबीरनगर। कोतवाली क्षेत्र के चंगेरा-मंगेरा की रहने वाली पीड़ित महिला शुक्रवार को प्रभारी एसपी को शिकायती पत्र दिया। जिसमें पुलिस पर घायल बेटी का मेडिकल नहीं कराने और केस में अल्पीकरण करने का आरोप लगाया है। पीड़ित अमरावती देवी पत्नी ब्यास सिंह का आरोप है कि सात सितंबर को गांव के ही कुछ लोगों ने उसकी बेटी की पिटाई कर दी थी। बेटी की खोपड़ी में गंभीर चोटे आई है,लेकिन पुलिस ने घायल बेटी का मेडिकल जांच तक नही कराया। बेटी तभी से अस्पताल में भर्ती है। प्रभारी एसपी ने कोतवाल को निर्देश दिया कि पीड़िता का मेडिकल कराया जाए। मेडिकल के आधार पर धारा बढ़ाई जाए।

गंगा एक्सप्रेस-वे के औद्योगिक गलियारे के विरोध में ज्ञापन

संतकबीरनगर। गंगा एक्सप्रेस-वे के किनारे गांव गुलड़िया में प्रस्तावित औद्योगिक गलियारे का ग्रामीणों ने विरोध शुरू कर दिया है। शनिवार को तीन-चार गांव से आए ग्रामीणों ने एसडीएम रविंद्र कुमार से मिलकर गलियारे को कहीं और विकसित कराने की मांग की। क्षेत्र के गांव दुमुकापुर, कूरेबंडा, उब्रिया व बिरियातारा से आए संतोष कुमार, दाताराम, रंजीत राठौड़, वीरपाल वर्मा, राजेंद्र राठौड़, लालाराम, बाबेंद्र राठौड़, रविंद्र, लाल सिंह, रामकुमार, रामलड़ैते, रामविलास, भूपराम आदि ने एसडीएम को बताया कि उन लोगों की जमीन गुलड़िया गांव में है। वहां बनने वाले औद्योगिक गलियारे के लिए करीब सौ हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण होना है। इसकी जद में उन लोगों की खेती योग्य जमीनों के अलावा कई लोगों के मकान भी आ रहे हैं। कई लोग ऐसे हैं जिनकी 15 से 20 बीघा जमीन जा रही है। बताया कि वे लोग अपनी जमीन-मकान नहीं देना चाहते। प्रशासन अन्य गांव में जमीन की तलाश करे। राजस्व विभाग द्वारा चिह्नित की गई इन जमीनों को अगस्त महीने में यहां आए एडीएम प्रशासन ने निरीक्षण करने के बाद फाइनल किया था। शुक्रवार को राजस्व टीम मौके पर पहुंची और जमीनों को नापजोख शुरू कर दी। इसके बाद ग्रामीणों ने विरोध करना शुरू कर दिया।

संदिग्ध हालात में युवक की मौत

शाहजहांपुर। थाना क्षेत्र के गांव बंधीचक में एक ग्रामीण की शुक्रवार देर शाम संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। पुलिस के पहुंचने पर ग्रामीण की मां ने आत्महत्या किए जाने की बात कहकर कार्रवाई से इन्कार कर दिया। पुलिस ने पंचनामा भरकर बगैर पोस्टमार्टम कराए शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। गांव बंधीचक निवासी 40 वर्षीय बबलेश यादव शुक्रवार की शाम लगभग सात बजे तिलहर बाजार से घर पहुंचा। पत्नी सरोज ने बताया कि वह शराब पीकर घर आया था। उसने कमरा अंदर से बंद कर लिया। दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे तो देखा कि बबलेश मृत हालत में था। मां वृंदा ने बेटे की मौत फंदे से लटककर होना बताई। परिजनों ने बताया कि बबलेश की पहली पत्नी गुड्डी की लगभग 20 वर्ष पहले मौत हो चुकी है। पत्नी की हत्या के आरोप में बबलेश ढाई साल जेल में रहा था। बाद में उसने कांट क्षेत्र की रहने वाली सरोज से शादी कर ली। बबलेश अपनी मां वृंदा, पत्नी सरोज और चार बच्चों के साथ रह रहा था। सीओ प्रयांक जैन ने बताया कि परिजनों ने बबलेश के आत्महत्या किए जाने की बात कही है। उन्होंने कार्रवाई से इन्कार किया, जिसकी वजह से शव परिवार को सौंप दिया गया।

दो पक्षों के सात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

शाहजहांपुर। दरवाजे के सामने गंदगी डालने का विरोध करने पर दो पक्षों में मारपीट हो गई। पुलिस ने दोनों पक्षों से तीन लोगों का मेडिकल कराकर सात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। गांव गढ़िया रसूलपुर निवासी अरविंद कुमार ने पुलिस को बताया कि गांव के महेश उनके दरवाजे के सामने गंदगी डाल रहे थे, जिसका भतीजे सोहित ने विरोध किया। जिस पर महेश, शिवकुमार, नोखे ने सोहित को मारापीटा दिया। बचाने पहुंचे विनोद को भी पीट दिया। पुलिस ने दोनों घायलों का मेडिकल कराया, फिर तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली। वहीं दूसरे पक्ष के महेश ने पुलिस को बताया कुछ दिन पहले गांव के ही विनोद, अरविंद से कुछ जगह को लेकर कहासुनी हो गई थी। उसी रंजिश को लेकर विनोद, अरविंद, श्रीपाल, रिंकू ने मिलकर उनके भाई शिवकुमार को पीटा। जिससे उनके सिर में काफी चोटें आईं। बताया कि आरोपियों ने जान से मार देने की धमकी भी दी। पुलिस ने घायल का मेडिकल कराकर चारों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

घोसी उपचुनाव में जीत पर सपाइयों ने बांटी मिठाई

संतकबीरनगर। घोसी उपचुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी सुधाकर सिंह की जीत की खुशी में शुक्रवार की शाम सपा कार्यकर्ताओं ने पुरानी सब्जी मंडी स्थित पूर्व सांसद स्वर्गीय सुरेंद्र यादव के आवास पर मिठाई बांटकर एक-दूसरे को बधाई दी। सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष लोरिक यादव ने कहा कि जनता ने बीजेपी का बैंड बजा दिया है। ऐसा ही परिणाम 2024 में भी दिखेगा। इस सरकार ने सरकारी उपक्रमों को बेचने के अलावा कुछ नहीं किया है। जिसे जनता जान चुकी है और उसका जवाब उपचुनाव में दिया है। सपा नेता राहुल यादव बादल ने कहा कि भाजपा की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। अब आने वाला चुनाव सपा का है। पूर्व विधान सभा प्रत्याशी आलोक यादव सोनू ने इसे जनता की जीत बताया। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य शैलेंद्र यादव, रामदरश यादव, राम दयाल राजभर, महेंद्र प्रताप यादव, सूर्यभान यादव आदि मौजूद रहे।

यूथ फेस्टिवल आयोजित कर युवाओं को करेंगे जागरूक

संतकबीरनगर। एचआईवी के प्रति युवाओं को जागरूक करने के लिए यूथ फेस्टिवल और विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए शुक्रवार को सीएमओ कार्यालय के सभागार में बैठक हुई। इसमें प्रतियोगिता में विद्यालयों को शामिल करने की रणनीति तैयार की गई। सीएमओ डॉ. अनिरुद्ध सिंह ने कहा कि यूथ फेस्टिवल का उद्देश्य युवाओं को एचआईवी के बारे में जानकारी देना है। राष्ट्रीय टोल फ्री नंबर 1097 के बारे में लोगों को अधिक से अधिक जानकारी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि एड्स के प्रति सामाजिक मिथकों को दूर करना, आहार, पोषण, स्वच्छता और स्वस्थ जीवन शैली के लिए युवाओं को प्रेरित किया जाएगा। इसके लिए रील मेकिंग, क्विज, मैराथन और ड्रामा प्रतियोगिता कराया जाएगा। इस दौरान जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. एसडी ओझा, अपर सीएमओ डॉ. वीपी पांडेय, अपर सीएमओ डॉ वीके सोनी, सुभाष चंद्र यदुवंशी, अखिलेश सिंह, ईश्वर चंद्र चौधरी, कविता पाठक, सुनील त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

कर्मचारियों के साथ होगा मीटर रीडिंग, उपभोक्ताओं से अपील

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज नगर में मीटर रीडिंग के लिए जाने वाले कर्मचारियों के साथ बिजली विभाग के कर्मचारी भी मौजूद रहेंगे। शुक्रवार को अधीक्षण अभियंता कार्यालय पर अधिशासी अभियंता एके चौधरी ने मीटर रीडिंग करने वालों को निर्देशित किया। कहा कि बिजली विभाग के नियम को ध्यान में रखते हुए उपभोक्ताओं को जानकारी दें। जिन उपभोक्ताओं का बिजली बिल में मोबाइल नंबर न दर्ज हो वह जुड़वा लें। बकाया बिल जमा करने के लिए भी सभी साथी उपभोक्ताओं को प्रेरित करेंगे। बताया कि अब बिजली कर्मचारियों के साथ मीटर रीडिंग किया जाएगा। अधिशासी अभियंता एके चौधरी ने बताया कि नगर के सभी वार्ड का सर्वेक्षण विभाग के लोग करते हैं। आप लोग अपना काम ईमानदारी पूर्वक करते हुए प्रति दिन की जानकारी सम्बंधित कर्मचारियों को देते रहें। ताकि वह आगे रिपोर्ट बनाकर भेज सकें। जहां अधिक बिल बकाया हो उनका भी एक अलग से लिस्ट बनाएं और उन्हें भी बिल जमा करने के लिए प्रेरित करें। इस दौरान एसडीओ कृपा शंकर यादव, एईआर अमित गुप्ता, जेई शैलेश, धर्मेंद्र आदि मौजूद रहे।

लूसा-घोरावल के बीच नहीं बिछेगी लाइन, परियोजना निरस्त

सोनभद्र। मिर्जापुर जनपद के लूसा रेलवे स्टेशन से घोरावल होते हुए मध्य प्रदेश के सिंगरौली रेलवे स्टेशन तक नई रेल लाइन बिछाने के प्रस्ताव को रेल मंत्रालय ने निरस्त कर दिया है। इस परियोजना को निरस्त किए जाने की खबर से घोरावल क्षेत्र के लोगों के उम्मीदों पर पानी फिर गया है। करीब सात साल पहले लूसा से घोरावल होते हुए सिंगरौली तक रेल लाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव था। रेलवे की तरफ से प्रस्तावित रेल लाइन का सर्वे भी कराया गया था। इससे लोगों को उम्मीद जगी थी कि रेल लाइन बिछने से क्षेत्र का विकास होगा और लोगों के आवागमन में भी सहूलियत होगी। इस परियोजना को शुरू किए जाने के लिए लंबे समय से धन आवंटित किए जाने की मांग चल रही थी। धन आवंटित नहीं कराया गया, बल्कि इस परियोजना को घाटे का सौदा दिखाकर निरस्त कर दिया गया। इस संबंध में राष्ट्रीय रेल परामर्शदात्री कार्डसेल एनआरयूसीसी रेल मंत्रालय के सदस्य श्रीकृष्ण गौतम ने बताया कि लूसा से घोरावल होते हुए सिंगरौली तक रेल लाइन का मुद्दा पूर्व में कई बार उठाया जा चुका है। रेल मंत्रालय की तरफ से इस परियोजना को निरस्त कर दिया गया है।

मेडिकल कॉलेज में बनेगा क्रिटिकल केयर अस्पताल

सुल्तानपुर। कोरोना जैसी घातक बीमारी से निपटने के लिए अब सुल्तानपुर तैयार होने लगा है। इसके लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग ने यहां सौ बेड के क्रिटिकल केयर अस्पताल को मंजूरी दे दी है। इसके लिए मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकीय परिसर में जमीन की पैमाइश भी हो चुकी है। जमीन की उपलब्धता हो जाने पर शासन से स्वीकृति मिलते ही इस्टीमेट तैयार किया जाएगा। क्रिटिकल केयर अस्पताल को मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकीय परिसर में ही बनाया जाना है। ऐसे में शासन से अस्पताल की मंजूरी मिलने के बाद प्राचार्य और सीएमएस ने यहां जमीन की पैमाइश करवाई। पहले योजना थी कि महिला अस्पताल को तोड़कर ही यहां क्रिटिकल केयर अस्पताल बनाया जाए लेकिन इस अस्पताल के लिए 4500 वर्गमीटर जमीन की जरूरत है। केवल महिला अस्पताल तोड़ने से जमीन की जरूरत पूरी नहीं हो रही थी। यह भी प्रयास किया गया कि इस अस्पताल को बहुमंजिला बनाया जाए लेकिन क्रिटिकल केयर से जुड़े रोगी होने के कारण इसे आपदा प्रबंधन के दृष्टिकोण से उचित नहीं माना गया। इसलिए अब इस अस्पताल को महिला अस्पताल और इमरजेंसी तोड़कर बनाए जाने की योजना है।

ये सुविधाएं मिलेंगी

क्रिटिकल केयर अस्पताल में हर बेड पर वे सारी सुविधाएं मिलेंगी जो आईसीयू (गहन चिकित्सा इकाई) में होती हैं। अस्पताल में इसी के अनुरूप चिकित्सकों और स्टाफ की तैनाती की जाएगी और सारे उपकरण भी उपलब्ध कराए जाएंगे। 100 बेड के क्रिटिकल केयर अस्पताल को मंजूरी मिल गई है। इसके लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध कराने के लिए महिला अस्पताल के अलावा इमरजेंसी को भी तोड़ने की जरूरत पड़ेगी। जैसे ही शासन से जमीन का प्रस्ताव स्वीकृत कर देगा, अस्पताल के निर्माण का इस्टीमेट बनना शुरू हो जाएगा।

उपचुनाव में सुबाष चंद चुने गए गंगौली के प्रधान

संतकबीरनगर। विकास खंड बघौली के ग्राम गंगौली में प्रधान पद के उपचुनाव में सुबाष चंद्र ने निकततम प्रतिद्वंद्वी विजय कुमार को 136 मतों से पराजित कर दिया। रिटर्निंग अफसर ने सुबाष चंद्र को प्रधान पद पर विजयी घोषित करते हुए जीत का प्रमाणपत्र दिया। पंचस्थानि चुनाव कार्यालय के सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी केडी पांडेय ने बताया कि गंगौली में हुए प्रधान पद के उपचुनाव की मतगणना रिटर्निंग अफसर भूषण प्रताप सिंह की देखरेख में हुई। यहां 737 मत डाले गए थे। प्रधान पद की प्रत्याशी प्रीति देवी को 104, मंजू देवी को 90, विजय कुमार को 190, सुबाष चंद्र को 326 और हीरालाल को 10 मत मिले।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर चारों तरफ दिखा उल्लास

सुल्तानपुर। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर बृहस्पतिवार को जिले में चारों तरफ उल्लास झलका। जगह-जगह भव्य झांकियां सजाई गईं। श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। घरों में छोटे बच्चों ने कान्हा और राधा का रूप धरा। पुलिस प्रशिक्षण स्कूल में भी रात 12 बजे श्रीकृष्ण का जन्म होते ही शंखनाद, घंटा घड़ियाल बजने लगे, पटाखे छोड़े गए। चहुंओर हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की... गूंजता रहा। शहर के चौक, शाहगंज चौराहा, गोलाघाट, करौंदिया, राहुल चौराहा व अन्य स्थानों पर झांकियां देखने को मिलीं। पुलिस लाइन में राधा-कृष्ण मंदिर की भव्य सजावट आकर्षण का केंद्र रही। अलीगंज स्थित चौकी में कीर्तन हुआ। नेताजी सुभाष सरस्वती शिशु विद्या मंदिर प्रतापपुर कमैचा में कृष्ण रूप सज्जा प्रतियोगिता हुई। देहली बाजार के पूरे चेत सिंह में सजी भव्य झांकियों ने सभी का मन मोह लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आकर्षण का केंद्र बने।

पंचमुखेश्वर महादेव मंदिर भवानीपुर में युवा भोजपुरी गायक राहुल पांडेय रमन ने भजन सुनाए तो महिलाओं ने सोहर गाया। हनुमानगंज बाजार में राधा-कृष्ण व सुदामा की आकर्षक झांकी दिखी। कारीबाहर गांव में राधाकृष्ण मंदिर परिसर में हवन-पूजन का कार्यक्रम हुआ। लंभुआ में मेनरोड, ब्लॉक रोड, दियरा रोड सहित कई स्थानों पर भगवान श्रीकृष्ण के बालरूप की झांकी सजाई गई। केक काटकर कान्हा का जन्मदिन मनाया गया।

युवक का फंदे से लटका मिला शव

शाहजहांपुर। गांव हंसपुर निवासी अनंत कुमार उर्फ नंदू (25) की शुक्रवार रात संदिग्ध हालात में मौत हो गई। पत्नी के अनुसार विवाद के चलते नंदू ने फंदा लगाकर जान दी है, लेकिन उसके शरीर पर चोटों के निशान होने के चलते मामला उलझ गया है। अनंत कुमार की पत्नी रीना देवी ने पुलिस को बताया कि उनका पति कई माह से महाराष्ट्र के पुणे में मजदूरी कर रहा था। सात सितंबर को वह घर लौटा। शुक्रवार रात उसका उससे किसी बात को लेकर विवाद हो गया। रीना देवी के अनुसार अनंत ने उससे मारपीट भी की। इसके बाद सभी लोग सो गए। रात में किसी समय अनंत ने कमरे के कुंडे में फंदा लगाकर जान दे दी। रात में रीना देवी की आंख खुली तो पति के शव को फंदे से लटकते देख शोर मचाया। शोर सुनकर आसपास के लोग भी आ गए। लोगों की मदद से रीना देवी ने पति के शव को फंदे से उतार लिया। इस दौरान अनंत के शरीर पर चोट के गहरे घाव भी मिले। इससे उसकी मौत की गुत्थी उलझ गई। रीना देवी यह नहीं बता पा रही थी कि अनंत को चोटें कैसे लगीं। सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंची और जांच की। जिला मुख्यालय से फोरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर साक्ष्य एकत्र किए। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम को भेजा गया है।

वॉलीबाल के तीन मुकाबले सुल्तानपुर ने जीते

सुल्तानपुर। मंडलीय माध्यमिक विद्यालय वॉलीबाल प्रतियोगिता सोमवार को एमजीएस इंटर कॉलेज के प्रांगण में खेली गई। अंबेडकरनगर, अयोध्या, बाराबंकी, अमेठी और सुल्तानपुर की टीमों ने कुल चार वर्गों में हिस्सा लिया। सुल्तानपुर ने चार में से तीन मुकाबले जीते। सीनियर बालक वर्ग में मंडल के पांचों जिलों की टीमों ने प्रतिभाग किया। फाइनल में अयोध्या ने सुल्तानपुर को 15-11 व 15-7 से हराया। सुल्तानपुर की टीम से खुसबेर जमा, अरुण, साकिब और अयोध्या से वीरू वालिया, लकी, मोहम्मद अनस ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। सब जूनियर बालक वर्ग में अयोध्या, अंबेडकरनगर, अमेठी और सुल्तानपुर की टीमों ने प्रतिभाग किया। फाइनल में सुल्तानपुर की टीम ने अंबेडकरनगर की टीम को 15-10 व 15-12 से हराया। अंबेडकरनगर से सूरज, नितेश शर्मा, अयान, हर्ष और सुल्तानपुर से रौनक सिंह, सूर्यांश पांडेय, मो. कैफ, राणा प्रताप यादव और आदर्श ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

सीनियर बालिका वर्ग में तीन टीमों ने प्रतिभाग किया। फाइनल में सुल्तानपुर की टीम ने अयोध्या की टीम को 15-8 व 15-10 से हराया। सुल्तानपुर से सुनीता, अनीता, नैंसी, चांदनी, बानो, प्रियांशी, काजल और अयोध्या से अनुष्का, प्रियंका दुबे, सौंदर्य सिंह व ज्योति ने अच्छा प्रदर्शन किया। सब जूनियर बालिका वर्ग में तीन जिलों की टीमों ने प्रतिभाग किया। फाइनल मैच में सुल्तानपुर की टीम ने अंबेडकरनगर की टीम को 15-12 व 15-9 से हराया। सुल्तानपुर से सोनल, सफिया, हाशमी, श्रद्धा तिवारी, चारू गुप्ता, काजल और अंबेडकरनगर से लाडली, सृष्टि, सलोनी का प्रदर्शन अच्छा रहा।

विजयी टीमें 24 सितंबर को मेरठ में होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होंगी। पिपरी के प्रधानाचार्य राम भवन यादव, जिला खेल सचिव दिलीप सिंह ने विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को मेडल पहनाए। इस मौके पर राकेश कुमार सिंह, राजेश कुमार कनौजिया, प्रदीप यादव, रामजीत, दीपक सिंह व डॉ. विनोद कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

सफाई कर्मचारियों के उत्थान के लिए लगातार काम कर रही सरकार -केके

सोनीपत। राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के चेयरमैन इंजीनियर कृष्ण कुमार ने कहा कि आयोग की ओर से सफाई कर्मचारियों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। सरकार ने सफाई कर्मचारियों के हित में कई योजनाएं बनाई हैं। जिनका लाभ कर्मचारियों को मिल रहा है। चेयरमैन कृष्ण कुमार शुक्रवार को लघु सचिवालय के तृतीय तल पर स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के सफाई कर्मचारियों को संबोधित कर रहे थे।

इस दौरान उन्होंने सफाई कर्मचारियों की बैठक लेकर उनकी समस्याएं भी सुनी। आयोग के चेयरमैन ने कहा कि सीवर में काम के दौरान होने वाली मृत्यु के मामलों को देखते हुए आयोग ने सेंसर आधारित प्रोजेक्ट शुरू किए हैं। जिनके अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं।

इससे कर्मियों की सुरक्षा बढ़ी हैं और हादसों पर अंकुश लगा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा पहला राज्य है, जहां सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए सीवरलाइनों में सेंसर लगाए गए हैं। सेंसर द्वारा फोन पर सॉफ्टवेयर के माध्यम से यह पता लगाया जा सकता है कि सीवर कब ओवरफ्लो होने वाला है और सफाई के दौरान कोई खतरा तो नहीं है।

उन्होंने कहा कि आयोग ने वेबसाइट बनाने के साथ सफाई कर्मचारियों की शिकायत और सुझाव के लिए एप भी तैयार किया है। इस पर शिकायत करने पर तुरंत एक्शन होगा। चेयरमैन ने कर्मचारी यूनियनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को शिकायतों का समाधान करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार ने ठेकेदारी प्रथा को खत्म कर हरियाणा कौशल रोजगार निगम का गठन किया गया। इससे एक ओर ठेकेदारी प्रथा से मुक्ति मिलेगी, वहीं दूसरी ओर कर्मचारियों को समय पर वेतन मिलेगा। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारी के कल्याण के लिए सफाई कर्मचारी आयोग का गठन किया गया है, जो उनके हितों के लिए कार्य कर रहा है। इस मौके पर एसडीएम सोनीपत अमित कुमार, डीआरओ हरिओम अत्री, नगर निगम डीएमसी हरदीप सिंह, तरुण देवीदास सहित अन्य मौजूद रहे।

अधिवक्ताओं ने ठप रखा कामकाज, नारेबाजी की

शाहजहांपुर। हापुड़ की घटना को लेकर बार संघ के बैनर तले तहसील के अधिवक्ताओं ने शनिवार को भी कामकाज ठप रखा और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। अधिवक्ताओं के विरोध के कारण लोक अदालत में सुनवाई भी नहीं हो सकी। इसके अलावा मदनापुर क्षेत्र के 105 गांवों को जलालाबाद तहसील में शामिल किए जाने तथा मुंसिफ मजिस्ट्रेट की अदालत से तहसील क्षेत्र के सभी थाने संबद्ध किए जाने की मांग को लेकर तहसीलदार पैगाम हैदर को ज्ञापन दिया गया। इन दो मांगों को लेकर तहसील के अधिवक्ता पिछले काफी समय से हर शनिवार को धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। आंदोलन में बार संघ अध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव, महासचिव संदीप मिश्रा, उपाध्यक्ष करुणा शंकर वाजपेयी के अलावा प्रशांत सक्सेना, मुन्ना सिंह, योगेश पाठक, अरशद खां, मुकेश सक्सेना, मोरपाल वर्मा आदि अधिवक्ता शामिल रहे।

सीनियर डिप्टी मेयर और पार्षद ने रोड पास कराने का दिया आश्वासन

सोनीपत। आईटीआई चौक से लेकर बंदेपुर तक सड़क निर्माण की मांग को लेकर रोड संघर्ष समिति के सदस्यों का धरना बहुतकनीकी संस्थान के पास शुक्रवार को जारी रहा। नगर निगम के सीनियर डिप्टी मेयर राजीव सरोहा व पार्षद सूर्या दहिया धरनास्थल पर पहुंचे। राजीव सरोहा ने बताया कि उन्होंने इस रोड के निर्माण के लिए 4.5 करोड़ रुपये का निगम से एस्टीमेट बनवा दिया है। जिसको फाइनेंस कमेटी से पास कराकर जल्दी ही काम शुरू करा दिया जाएगा। नगर निगम की हाउस बैठक में रोड बनाने का प्रस्ताव सदन से पास कराया जा चुका है। इस दौरान प्रिंस सरोहा, रमेश, दलबीर, ईश्वर दहिया, अंकुर आंतिल, रमापति उपाध्याय,राजू, वेद प्रकाश शर्मा, मोहन आदि मौजूद रहे। इससे पहले धरने पर भाजपा के जिला प्रवक्ता तरुण देवीदास ने लोगों से बात की। उन्होंने कहा कि एचएसआरडीसी, नगर निगम व बिजली निगम के बीच समन्वय की कमी के कारण करीब 900 मीटर सड़क का निर्माण नहीं हो पाया। यह समस्या कई वर्षों से बनी हुई है। इसके अलावा धरनास्थल पर पहुंचे आप के लोकसभा अध्यक्ष देवेंद्र गौतम ने कहा कि शहर में सड़कों की बहुत ज्यादा खस्ताहाल स्थिति है। सत्ता पक्ष, विपक्ष के साथ-साथ नगर निगम की छोटी सरकार कोई कदम नहीं उठा रही। उनके साथ जिलाध्यक्ष मास्टर सतनारायण आंतिल, युवा उपाध्यक्ष अमित शर्मा, सर्किल अध्यक्ष नरेंद्र, रतनलाल ठेकेदार भी पहुंचे।

एक अक्तूबर तक निपटानी होंगी सीएम विंडो की शिकायतें

सोनीपत। नगराधीश डॉ. अनमोल ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह सीएम विंडो, एसएमजीटी, सीपीग्राम व अन्य पोर्टल पर आने वाली शिकायतों को प्रतिदिन देखते रहे। इसके साथ शिकायतों का जल्द समाधान भी करें। उन्होंने कहा कि सीएम विंडो पर लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निपटारा किया जाए। नगराधीश शुक्रवार को लघु सचिवालय के सभागार में सीएम विंडो व अन्य पोर्टल पर लंबित शिकायतों की समीक्षा बैठक कर रही थीं।

नगराधीश ने कहा कि लंबित शिकायतों का निवारण एक अक्तूबर तक अवश्य करें और इसकी रिपोर्ट उपायुक्त कार्यालय को भिजवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि वर्ष 2020 तक की सीएम विंडो पर प्राप्त शिकायतों का 15 सितंबर तक, वर्ष 2021 की शिकायतों का 22 सितंबर तक और वर्ष 2022 से प्राप्त शिकायतों का निवारण हर हालात में एक अक्तूबर तक करना सुनिश्चित करें। अधिकारी समस्याओं के समाधान करने के साथ उनकी एटीआर रिपोर्ट भी पोर्टल पर अपडेट करें।

उन्होंने कहा कि एटीआर रिपोर्ट पर एमीनेंट या शिकायतकर्ता के हस्ताक्षर होने जरूरी हैं। नगराधीश ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि एक शिकायत पर मल्टी मार्किंग न हो। इसकी वजह से शिकायत कई जगह पर लंबित दिखाई देती है। इससे भी जिसे का स्कोर खराब होता है। नगराधीश ने कहा कि राइट टू सर्विस एक्ट के तहत भी प्राप्त सेवाओं को समय पर लाभ दिलवाना सुनिश्चित करें। लापरवाही व कोताही करने वाले अधिकारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। इस दौरान एसडीएम आशीष वशिष्ठ, नगर निगम की संयुक्त आयुक्त अंकिता वर्मा, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राजपाल चहल समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

एसपी ने समाधान दिवस में पहुंचकर सुनी समस्याएं

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने शनिवार को खुटार और बंडा पहुंचकर थाना समाधान दिवस में समस्याएं सुनीं। इस दौरान राजस्व की चार शिकायतों का निस्तारण नहीं होने पर नाराजगी जताई और मौके पर मौजूद नायब तहसीलदार अमित कुमार से शिकायतों का समय से निराकरण कराने को कहा। समाधान दिवस में नौ शिकायतें दर्ज की गईं। एक शिकायत का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। आठ शिकायतें राजस्व से संबंधित थीं। वहीं बंडा में एसपी अशोक कुमार मीणा के सामने दो शिकायतें आईं। तिलहर। एसडीएम तथा सीओ ने समस्याओं को सुना। इस दौरान तीन शिकायतों में एक का मौके पर निस्तारण हो सका। गांव धन्यौरा के प्रधान रंजीत कुमार ने एसडीएम को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि गांव में खेल के मैदान में कुछ लोग घूरा डाल रहे हैं। एसडीएम ने अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। एसडीएम कलान की अध्यक्षता में थाना परौर में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। एसडीएम महेश कुमार कैथल एवं थाना प्रभारी सुंदरलाल वर्मा के सामने दो शिकायतें आईं।

गन्नौर से कुंडली बॉर्डर और खरखौदा में लगाए दस नाके, खाली पड़ी पार्किंग

सोनीपत। दिल्ली में हो रहे जी-20 शिखर सम्मेलन को लेकर सोनीपत पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी है। पुलिस ने नाके लगाकर दिल्ली में भारी वाहनों का प्रवेश रोक दिया है। गन्नौर से लेकर कुंडली बॉर्डर व खरखौदा क्षेत्र तक करीब दस नाके लगाकर वाहनों की जांच की जा रही है। भारी वाहनों को केजीपी-केएमपी, एनएच-334बी व बहादुरगढ़ स्टेट हाईवे से गुजारा जा रहा है। अब 10 सितंबर की रात 12 बजे तक दिल्ली में भारी वाहनों, मध्यम व हलके मालवाहक वाहनों को प्रवेश नहीं मिलेगा। दूध, सब्जियां, फल व चिकित्सा आपूर्ति के वाहनों को अनुमति पत्र देखकर ही प्रवेश दिया जा रहा है। दिल्ली से लगते सभी बॉर्डर पर पुलिस तैनात है। भारी वाहनों को खड़ा करने के लिए गन्नौर मंडी व राई स्थित एजुकेशन सिटी में पार्किंग की व्यवस्था की गई है, लेकिन वहां कोई वाहन खड़ा नहीं है। दिल्ली व हरियाणा पुलिस के पहले से प्रचार के चलते दिल्ली के लिए वाहन नहीं पहुंचे। कुंडली क्षेत्र में इंस्पेक्टर ऋषिकांत के नेतृत्व में पांच नाके लगाए गए हैं तो खरखौदा थाना क्षेत्र में इंस्पेक्टर सुनील के नेतृत्व में नाका लगाकर वाहनों की जांच की जा रही है। हर वाहन को जांच के बाद ही जाने दिया जा रहा है। मालवाहक वाहनों को रोकने के साथ ही कार व अन्य वाहनों की भी जांच के बाद दिल्ली में भेजा जा रहा है। सोनीपत पुलिस की तरफ से पानीपत पुलिस से भी सहयोग मांगा गया है। इसके साथ ही गन्नौर में नाका लगाया गया है। मुरथल में नाका लगाकर वहां से वाया कुराड़ बाईपास डबल नहरों के बीच से वाहनों को निकाला गया। बहालगढ़ में नाका लगाकर वाहनों को सोनीपत शहर व बागपत की तरफ भेजा गया। इससे आगे राई के बीसवां मील में नाका लगाया गया।

कुंडली तक जाने वालों की बिल्टी चेक की

पुलिस ने बीसवां मील तक पहुंचे भारी वाहनों को रोककर उन्हें कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेस-वे व कुंडली-गाजियाबाद-पलवल पेरिफेरल-वे के रास्ते रवाना किया। इस दौरान कुंडली की तरफ जाने वाले वाहनों को बिल्टी देखकर ही आगे भेजा। जिन वाहनों को कुंडली औद्योगिक क्षेत्र में जाना था। उन्हें ही अनुमति दी। इसके अलावा खाद्य पदार्थ लेकर आए वाहनों की बिल्टी के साथ ही उनकी गाड़ी की चेकिंग करने के बाद आगे रवाना किया।

यूनियन ने दिल्ली की नहीं ली बुकिंग

कई दिन पहले ही दिल्ली पुलिस की तरफ से सलाह जारी करने व स्थानीय पुलिस की तरफ से भी ट्रक व कैंटर यूनियन को जी-20 सम्मेलन की जानकारी देने के चलते भारी वाहन दिल्ली की तरफ काफी कम आए।

सोनीपत ट्रक यूनियन प्रधान सुरेंद्र दहिया ने बताया कि पहले ही पता लगने के बाद दिल्ली की बुकिंग नहीं ली गई थी। जी-20 सम्मेलन के कारण सुरक्षा के साथ ट्रैफिक व्यवस्था को कड़ी रखा गया है। हर वाहन को जांच के बाद दिल्ली में प्रवेश दिया जा रहा है। भारी वाहनों को पहले ही रोका जा रहा है। अनुमति प्राप्त खाद्य पदार्थ लेकर आए वाहनों को ही दिल्ली में प्रवेश दिया जा रहा है। -रमेश कुमार, एसीपी, ट्रैफिक सोनीपत।

लाइनमैन की करंट से मौत, फाल्ट ठीक करने चढ़ा था पोल पर, एसएसओ भागा...मोबाइल भी बंद, परिजनों का हंगामा

सोनीपत। एसडीओ एके वर्मा ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। एसएसओ ने गलत शटडाउन दिया है तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। मृतक आश्रितों को पांच लाख रुपये आर्थिक सहायता भी दिलाई जाएगी। उन्नाव जिले के असोहा थाना क्षेत्र में हाईटेंशन लाइन का फाल्ट ठीक करने पोल पर चढ़े ठेका एजेंसी के लाइनमैन की करंट लगने से मौत हो गई। परिजनों और ग्रामीणों का आरोप है कि शटडाउन लेने के बाद भी बिजली आपूर्ति चालू होने से हादसा हुआ। आक्रोशित ग्रामीणों ने पॉवर हाउस के सामने शव रखकर असोहा-भल्लाफार्म मार्ग पर जाम लगा दिया। घटना के बाद पाठकपुर उपकेंद्र में तैनात सब स्टेशन ऑपरेटर भाग गया।

एसडीएम, एसडीओ और जेई पहुंचे और आर्थिक सहायता देने और तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कराने का आश्वासन दिया तब तीन घंटे बाद हंगामा शांत हुआ। असोहा थाना क्षेत्र के सरैंया प्राचीन गांव निवासी रामेंद्र कुमार (36) पाठकपुर उपकेंद्र में ठेकेदारी प्रथा से लाइन मैन था। शनिवार सुबह करीब नौ बजे गोसाईंखेड़ा गांव में हाईटेशन लाइन में फाल्ट ठीक करने गया था।

शटडाउन का संदेश दिया, लेकिन बिजली आपूर्ति चालू रही

उसने उपकेंद्र में फोन कर गढ़ी करमली फीडर को शटडाउन करने को कहा। पॉवर हाउस से उसे शटडाउन का संदेश भी दिया गया लेकिन, बिजली आपूर्ति चालू रही। रामेंद्र जैसे ही पोल पर चढ़ा करंट लगने से नीचे गिर गया। गंभीर रूप हालत में ग्रामीण उसे स्वास्थ्य केंद्र लेकर जा रहे थे, तभी रास्ते में उसकी मौत हो गई। सूचना पर परिजन पहुंचे और रामेंद्र का शव देख आक्रोशित होकर हंगामा करने लगे।

असोहा-भल्लाफार्म मार्ग पर लगाया जाम

सुबह करीब 11 बजे शव को बिजली उपकेंद्र के सामने सड़क पर रखकर असोहा-भल्लाफार्म मार्ग पर जाम लगा दिया। जानकारी पर एसओ ज्ञानेंद्र कुमार पहुंचे और परिजनों को समझाने का प्रयास किया। लेकिन वह उच्चाधिकारियों को मौके पर बुलाने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग करने गए। हंगामा शांत न होने पर पुरवा एसडीएम अतुल कुमार, बिजली विभाग के एसडीओ एके वर्मा और जेई अशोक पाल भी पहुंचे।

तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कराने का आश्वासन

अक्रोशित भीड़ ने गलत शटडाउन देने का आरोप लगाया, तो एसएसओ भाग निकला। अधिकारियों ने परिजनों को समझाया और आर्थिक सहायता राशि देने के साथ ही तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कराने का आश्वासन दिया। इसके बाद दोपहर करीब दो बजे हंगामा शांत हुआ और शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। एसडीओ एके वर्मा ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है।

सभी फीडर बंद कर भागा एसएसओ, चार घंटे आपूर्ति ठप

संविदा लाइनमैन की मौत के बाद एसएसओ पर आरोप होने से वह डर और हड़बड़ी में उपकेंद्र से संचालित सभी फीडरों को बंद करके भाग गया। बिजली विभाग के अधिकारियों ने फोन मिलाया, तो वह स्विच ऑफ था। एसडीएओ ने अन्य कर्मचारियों की मदद से दोपहर एक बजे बिजली आपूर्ति चालू कराई।

तीन बच्चों की परवरिश को लेकर पत्नी बेहाल

घटना का शिकार हुए रामेंद्र की मौत से पत्नी सुदामा बेसुध हो गई। तीन बच्चों की परवरिश वह कैसे करेगी यह सोचकर वह बार-बार बेहोश हो रही थी। बच्चों में बड़ा बेटा पीयूष (6), खुशबू (3) और सबसे छोटा बेटा अनुज अभी तीन महीने का है। जवान बेटे की मौत से मां गंगादेई भी बेहाल है। मृतका छोटा भाई नागेंद्र भी ठेकेदार के माध्यम से लाइनमैन का काम करता है।

व्यापारी को बदमाशों ने मारी गोली

सुल्तानपुर। थाना क्षेत्र कुड़वार के भदरहा गांव में एक व्यापारी को अज्ञात बदमाशों ने गोली मार दी। हालांकि गोली उसके हाथ के पंजे में लगी। रात करीब नौ बजे हुई इस घटना से हड़कंप मच गया। एसपी सोमेन वर्मा ने अस्पताल में घायल से मुलाकात करके पूछताछ की। पुलिस अज्ञात बदमाशों की तलाश कर रही है।

व्यापारी विजय कुमार जायसवाल बांसी गांव का रहने वाला है। भदरहा में उसकी दुकान है जो अक्सर देर रात तक खुली रहती है। शुक्रवार रात करीब नौ बजे तीन युवक उसकी दुकान पर पहुंचे और कुछ सामान खरीदने को लेकर उनका व्यापारी से विवाद हो गया। गाली-गलौज के बीच युवकों ने तमंचा निकालकर उस पर फायर कर दिया। गोली के छर्रे उसके हाथों में लगे। यह देखकर तीनों बदमाश वहां से फरार हो गए। सामने पान की गुमटी वाले ने आकर घायल को देखा और पुलिस तक सूचना पहुंची। इसके बाद घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। एसपी सोमेन बर्मा ने बताया कि पीड़ित के हाथ में ही छर्रे लगे हैं, इसलिए उसकी स्थिति चिंताजनक नहीं है, बदमाशों की तलाश में पुलिस की टीमें लगा दी गई हैं। जल्द ही बदमाश पकड़े जाएंगे।

29 साल बाद चांदा के पूर्व बसपा विधायक बरी

सुल्तानपुर। व्यापारी को गाली देने, धमकाने व बलवा के मामले में चांदा के पूर्व बसपा विधायक सफदर रजा को एमपी-एमएलए की विशेष अदालत के मजिस्ट्रेट योगेश कुमार यादव ने शुक्रवार को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया।

सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष के सभी गवाह कोर्ट में गवाही देने से मुकर गए थे। 29 साल बाद केस से बरी होने पर पूर्व विधायक को बड़ी राहत मिल गई है। बचाव पक्ष के अधिवक्ता हसन अली के मुताबिक कोतवाली नगर क्षेत्र के सिरवारा रोड निवासी व्यापारी कमल सेठ ने 13 सितंबर 1994 को चांदा के पूर्व बसपा विधायक सफदर रजा, सदर क्षेत्र (अब सुल्तानपुर) के पूर्व सपा विधायक बरकत अली, उनके भतीजे मो. अहमद व पूर्व सपा जिलाध्यक्ष कमरुज्जमा फौजी के खिलाफ बलवा, लूट, गाली देने व धमकाने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया था।

कमल सेठ का आरोप था कि शहर के गल्लामंडी स्थित उनकी इलेक्ट्रॉनिक की दुकान पर सपा-बसपा के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने ईंट पत्थर चलाकर तोड़फोड़ की थी। इसमें उन्हें चोट आई थी। कमल सेठ ने लूटपाट करने का भी आरोप लगाया था। मुकदमे में अभियोजन पक्ष से पेश सात गवाहों से बचाव पक्ष के अधिवक्ता हसन अली व राम अवध ने जिरह की। जिरह में मुकदमा दर्ज कराने वाले कमल सेठ गवाही देने से मुकर गए थे।

उन्होंने घटना में पूर्व विधायक सफदर रजा के शामिल होने से ही इंकार कर दिया था। अभियोजन पक्ष के अन्य गवाह उमेशचंद्र जायसवाल, राजेंद्र सेठ, भरतलाल, सुनील श्रीवास्तव, प्रदीप कुमार व राजेंद्र प्रसाद भी गवाही देने से मुकर गए थे। बचाव पक्ष की ओर से पेश दो गवाहों जुनैद अहमद व रामपियारे ने घटना के समय पूर्व विधायक के लंभुआ में बसपा की मीटिंग में होने की गवाही दी थी।

शुक्रवार को कोर्ट ने पूर्व विधायक सफदर रजा को साक्ष्य के अभाव में बरी करने का फैसला सुनाया। मामले में आरोपित सपा के पूर्व विधायक बरकत अली, उनके भतीजे मो. अहमद व पूर्व सपा जिलाध्यक्ष कमरुज्जमा फौजी की मुकदमे के दौरान मौत हो गई है।

हिंदी को संपूर्ण विश्व की आवश्यक भाषा बनने से कोई नहीं रोक सकता -विमलेश यादव

हिंदी प्रचार प्रचार सेवा संस्थान द्वारा आगामी 14 सितंबर हिंदी दिवस के अवसर की तैयारियों पर हुई बैठक

बलराम मौर्या

अयोध्या ।मातृभाषा हिंदी को अपनाना संपूर्ण विश्व की वैश्विक मजबूरी बनती जा रही है, और शीघ्र ही हिंदी संपूर्ण विश्व की आवश्यकता बन जाएगी। उक्त उद्गार आज यहां रघुनाथ भवन वैद जी का मंदिर अयोध्या में हिंदी प्रचार प्रचार सेवा संस्थान द्वारा आगामी 14 सितंबर हिंदी दिवस के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय राम कथा संग्रहालय में हिंदी के बढ़ते चरण व राष्ट्रभाषा की संभावनाएं विषय पर आयोजित संगोष्ठी सम्मान समारोह की तैयारी बैठक की अध्यक्षता करते हुए शिक्षिका श्रीमती विमलेश यादव ने व्यक्त किया।

संस्थान द्वारा आगामी 14 सितंबर को आयोजित समारोह की तैयारी को अंतिम रूप दिया गया, जिसमें समस्त पदाधिकारियों सहित अन्य साहित्य प्रेमियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई। इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षक कामेश्वर पाठक ने कहा कि हिंदी अपने ही घर में पराई है लेकिन विश्व में हिंदी की एक खास पहचान है, विदेश में हिंदी बड़े सम्मान से जानी पहचानी जाती है, भारत सरकार को यथाशीघ्र इसे राष्ट्रभाषा घोषित करना चाहिए। बैठक का संचालन करते हुए संस्थान के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ0 सम्राट अशोक मौर्य ने आए हुए समस्त साहित्य प्रेमियों का आभार प्रकट करते हुए अपील की कि 14 सितंबर के कार्यक्रम को सभी लोग अपनी अपनी जिम्मेदारियां का निर्वहन करते हुए सफल बनाएं।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के श्रम मंत्री मा0अनिल राजभर व विशिष्ट अतिथि के रूप में मा0 श्री राम चौहान सभापति अनुसूचित जाति जनजाति समिति के सम्मिलित होने की सहमति मिल चुकी है। जिसकी अध्यक्षता श्री महंत डॉ0 स्वामी भरत दास जी महाराज रानोपाली करेंगे,अन्य तमाम विशिष्ट अतिथियों के सम्मिलित होने की सहमति मिल चुकी है।

बैठक में प्रमुख रूप से संस्थान के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विंध्यवासिनी शरण पांडिया, विधिक प्रभारी डा0 रामकरन सिंह कुशवाहा,संरक्षक मंडल सदस्य अनिरुद्ध प्रसाद शुक्ला, प्रदेश अध्यक्ष दिनेश कुमार सिंह, महामंत्री पवन पाण्डेय, राम जी कुशवाहा,पत्रकार अंबिकानंद त्रिपाठी, राजेंद्र तिवारी, राम केर सिंह, संजय यादव, आचार्य राकेश पाण्डेय, अंकुर पाण्डेय,परमजीत कौर, गीता मिश्रा, शशि यादव, सत्यदेव मिश्रा, आशुतोष श्रीवास्तव, अमित कुमार, अंकित, रामबख्श यादव, महेंद्र त्रिपाठी अध्यक्ष प्रेस क्लब अयोध्या, आरती सिंह, गुड़िया त्रिपाठी, बौद्ध राम दुलारे यादव,शायर मुजम्मिल फिदा हुसैन, उमेश मिश्रा, समाजसेवी डॉ0 विनय तिवारी, परमिंदर कौर, वंदना,प्रियंका त्रिपाठी, भानु प्रताप सिंह चंद्रवंशी, दीपचंद राही प्रसारण प्रभारी, शांति प्रकाश शुक्ला, योगेंद्र नाथ तिवारी सहित तमाम साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे।

अमरिंदर सिंह की घर वापसी की अटकलें तेज, छोड़ सकते हैं बीजेपी

चंडीगढ़(ईएमएस)। कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह बीजेपी छोड़कर वापस कांग्रेस में जा सकते हैं। हालांकि फिलहाल उनकी गिनती अब भारतीय जनता पार्टी के बड़े नेताओं में होती है। इन दिनों उनकी घर वापसी की अटकलें तेज होने लगी हैं। बताया जा रहा है कि उन्होंने हाल ही में सोनिया गांधी से मुलाकात की भी की थी। हालांकि, कैप्टन अमरिंदर सिंह ने खुद इन तमाम अटकलों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने यह भी कहा है कि वह कांग्रेस में वापसी करने वाले नहीं हैं। पंजाब के दो बार पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने शनिवार को उन अफवाहों को खारिज कर दिया जिसमें यह कहा जा रहा है कि उन्होंने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी से मुलाकात की है। गौरतलब है कि कैप्टन ने कांग्रेस छोड़कर अपनी पार्टी बनायी थी। जिसका बाद में भाजपा में विलय हो गया। उन्होंने कहा कि ये महज अफवाहें हैं। पूर्व सीएम ने कहा कि वह भाजपा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा के प्रति प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने हमेशा के लिए अपना मन बना लिया है और वह हमेशा भाजपा के प्रति प्रतिबद्ध रहेंगे। उन्होंने कहा, ऐसे स्तर पर आप पीछे मुड़कर नहीं देखते। उन्होंने कहा कि यह उनके जीवन का सिद्धांत है कि एक बार लिया गया निर्णय कभी वापस नहीं लिया जाता।

विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल का मनाया गया स्थापना दिवस

साधू-सन्तों के मार्गदर्शन को आत्मसात करना कार्यकर्ताओं का प्रमुख लक्ष्य-शारदा कान्त पाण्डेय

त्रिगुट संवाददाता

गोंडा। विश्व हिंदू परिषद का स्थापना दिवस का कार्यक्रम बजरंग दल, गोण्डा के विभाग कार्यालय जानकी नगर, में मनाया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए विभाग संयोजक शारदाकान्त पाण्डेय ने कहा कि विश्व हिन्दू परिषद की स्थापना जिन मानबिन्दुओं की रक्षा हेतु की गई।वह पूर्ण होता दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि आगामी 30सितम्बर को बजरंग दल की शौर्य यात्रा शाम 04बजे गोण्डा के रामलीला मैदान में पहुंचेगी।जिसकी भव्यता से स्वागत करना और सन्तों के मार्गदर्शन को आत्मसात करना, कार्यकर्ताओं का प्रमुख लक्ष्य है।

कार्यकर्ताओं से सौर्य यात्रा के स्वागत के लिए भारी संख्या में लोगों के पहुंचने के लिए आवाहन किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के सुनील दूबे व संचालन जिला मन्त्री धनन्जयमणि ने की।

इस अवसर पर आकाश सागर,राजदेव,गगन, संदीप सोनी अखिलेश कौशल विजय कुमार,शुभम विश्वकर्मा, मुकेश बाबा, दिनेश, विद्या प्रसाद, सुरेन्द्र कुमार, सज्जन भट्ट, सहित सैकड़ों की संख्या में राम भक्त उपस्थित रहे।

पंडित गोविंद बल्लभ पंत की जयंती गौरव दिवस के रूप में मनाई गई

(सत्य प्रकाश पांडेय)

अंबेडकर नगर- भारत रत्न पंडित गोविन्द बल्लभ पन्त की 136 वीं जयन्ती कार्यक्रम जिलाधिकारी अविनाश सिंह के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी डॉ सदानंद गुप्ता अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित किया गया। यह जयंती प्रत्येक वर्ष 10 सितम्बर को गौरव दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी बाबू राम, अपर उप जिलाधिकारी मोहनलाल गुप्ता, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार द्विवेदी, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी महेश चंद द्विवेदी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी तथा कलेक्ट्रेट के सभी अधिकारी/ कर्मचारी द्वारा भारत रत्न पंडित गोबिंद बल्लभ पन्त की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर नमन किया गया। इसके उपरांत अपर जिलाधिकारी ने विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए कहा कि पंडित गोविन्द बल्लभ पन्त जी का जन्म 10 सितम्बर 1887 को हुआ था। पंत जी प्रसिद्ध स्वतन्त्रता सेनानी और वरिष्ठ भारतीय राजनेता थे। वे उत्तर प्रदेश राज्य के प्रथम मुख्य मन्त्री और भारत के गृहमंत्री थे।सन 1957 में उन्हें भारतरत्न से सम्मानित किया गया। गृहमंत्री के रूप में उनका मुख्य योगदान भारत को भाषा के अनुसार राज्यों में विभक्त करना तथा हिन्दी को भारत की राजभाषा के रूप में प्रतिष्ठित करना था। इसके अतिरिक्त उप जिलाधिकारी, जिला सूचना अधिकारी तथा कलेक्ट्रेट के कर्मचारियों द्वारा भारत रत्न गोविन्द बल्लभ पन्त के जंयती पर विस्तार से चर्चा किया गया।

दरबार में मंत्री ने जाना जनता का दर्द, अफसरों को चेतावनी

यमुना नगर। स्कूल शिक्षा मंत्री कंवरपाल के जगाधरी स्थित कार्यालय में जनता दरबार लगाया गया। जनता दरबार में यमुनानगर के अलावा कई जिलों के लोग अपनी-अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। इस दौरान उनका दर्द जाना। अधिकतर समस्याओं का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। वहीं कुछ शिकायतों पर स्कूल शिक्षा मंत्री कंवर पाल ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चेतावनी देते हुए कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान करने में अफसर कोताही ना बरतें। अगर किसी मामले में अफसर की लापरवाही मिली तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने कहा कि जनता दरबार में आने वाला हर व्यक्ति सम्मान के योग्य और उसकी समस्या का समाधान कराना हमारा कर्त्तव्य बनता है। ऐसे में यदि लोगों द्वारा कार्यालयों में बार-बार शिकायत देकर कार्य नहीं हो रहे तो ऐसे अफसरों को चुन लिया जाएगा जो काम से बचते हैं। उन्होंने सख्त लहजे में कहा जनता के कार्य में बिलकुल भी कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मंत्री ने कहा कि परिवार पहचान पत्र के माध्यम से लोगो की पेंशन बनाई जा रही है, उन्हें यह सुविधा अब घर बैठे ही मिलती है। पेंशन के लिए किसी बुजुर्ग को कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने पड़ते। पोर्टल सिस्टम से पक्षपात खत्म हुआ है पारदर्शिता से सभी काम हो रहे है। प्रदेश सरकार ने व्यवस्था परिवर्तन कर सिस्टम में सुधार किया है और लोगों को योजनाओं का लाभ देने के लिए पोर्टल के माध्यम से सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। नये सिस्टम विकसित होने के बाद लोगों के कामों में तेज़ी आई है। इस मौके पर जगाधरी भाजपा मंडल अध्यक्ष विपुल गर्ग, भाजपा युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष निश्चल चौधरी, आइटी सेल जगाधरी के अध्यक्ष पीयूष गोगियान, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष राहुल गढ़ी उपस्थित रहे।

खोडारे थाना क्षेत्र के भानपुर ग्राम प्रधान द्वारा लगवाया गया सीसीटीवी कैमरा पुलिस ने दिया धन्यवाद

जनक राम वर्मा

अलावल देवरिया गोंडा। पुलिस अधीक्षक गोंडा अंकित मित्तल के निर्देशन मे ऑपरेशन दृष्टि अभियान के दृष्टिगत थाना खोड़ारे क्षेत्र अंतर्गत पंचायत भवन भानपुर में ग्राम प्रधान के सौजन्य से 4 सीसीटीवी कैमरा लगवाया गया, जिसके लिए खोड़ारे पुलिस द्वारा उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया गया।पुलिस अधीक्षक गोंडा अंकित मित्तल के निर्देशन में जनपद के सभी थाना क्षेत्र में त्रिनेत्र अभियान के तहत कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिसमें सभी ग्राम प्रधानों व व्यापारियों को सीसीटीवी कैमरा लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी क्रम में थाना खोडारे क्षेत्र के भानपुर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मोहम्मद हुसैन के द्वारा पंचायत भवन में चार सीसीटीवी कैमरा लगवाया गया है। सीसीटीवी कैमरा लगवाने पर खोड़ारे पुलिस द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस दौरान थाना क्षेत्र के अन्य ग्राम प्रधानों एवं व्यापारियों से अपने-अपने दुकानों मकान कार्यालय तथा ग्राम सभा में अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरा लगवाने की अपील पुलिस द्वारा की गई। पुलिस द्वारा बताया गया कि ग्राम सभा व दुकानों मकानों में सीसीटीवी कैमरा लग जाने से अराजक तत्वों व अपराधियों पर नजर रखी जाएगी। इससे अपराधी अराजकतत्व बचकर नहीं जा पाएंगे। इसीलिए सभी लोग अपने दुकान मकान कार्यालय व ग्राम सभा में सीसीटीवी कैमरा अवश्य लगवाऐं।

मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत, अमृत वाटिका की स्थापना की जाएगी-कपिलदेव वर्मा

(सत्य प्रकाश पांडेय)

अंबेडकर नगर- भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम टांडा विधान सभा क्षेत्र के सद्दरपुर मण्डल की चिंतौरा ग्राम में प्रधान प्रतिनिधि मण्डल उपाध्यक्ष लक्खू वर्मा के संयोजन एवम पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष/पूर्व विधान सभा प्रत्याशी कपिल देव वर्मा के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।

पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष कपिल देव वर्मा ने शहीदों के सम्मान में आयोजित मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि देश की आजादी सहित देश के सुरक्षा में विभिन्न सुरक्षा बलों के सैनिकों की शहादत को याद करते हुए उनका सम्मान किया जा रहा है।कहा कि मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के अनुसार प्रत्येक घर से मिट्टी या अक्षत का संग्रह मटके में करना और 75 वृक्षों को लगाकर अमृत वाटिका की स्थापना किए जाने का कार्यक्रम किया जा रहा है।जिसके लिए भाजपा कार्यकर्ताओं ने तैयारी पूरी कर गांवों में कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि हमारे वीर सैनिकों की शहादत हमें देश के प्रति समर्पण और बलिदान को याद दिलाता है।हमें अपने वीर सैनिकों से देश सेवा की प्रेरणा लेना चाहिए।देश अपने वीर सैनिकों का हमेशा ऋणी रहेगा।जिनकी सहादत से हमारे देश ने स्वतंत्रता प्राप्त किया और हमें सम्मान से जीने का हक मिल पाया है।उन्होंने उपस्थित लोगों को पंच प्रण की शपथ दिलाया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से जवाहिर लाल,विवेक वर्मा,राम सिंह,विजय सेन,मोहन मौर्य,सुभाष मांझी,विजय प्रकाश वर्मा,अर्चना भारती,कंचन भारती,पूनम,निशा मौर्या,सुशीला मौर्या,पन्ना देवी सहित दर्जनों लोग शामिल रहे।

आयुष्मान भव विशेष अभियान का आगाज, 1 सितम्बर से 31 दिसंबर तक चलाया जाएगा

अंबेडकर नगर, जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में मुख्य विकास अधिकारी अनुराज जैन की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक सितम्बर से 31 दिसम्बर तक आयुष्मान भव विशेष अभियान के सम्बंध में बैठक आयोजित किया गया। चार माह तक चलने वाले अभियान से हर घर तक पहुंचकर सभी लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं में शामिल किया जाएगा। बैठक के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि भारत सरकार के निर्देशानुसार आयुष्मान भवः अभियान 1 सितम्बर से 31 दिसम्बर तक आयोजित किया जाना है। उन्होंने बताया कि आयुष्मानभवः अभियान के दौरान आयुष्मान आपके द्वार 3, आयुष्मान सभा, आयुष्मान मेला, आंगनवाड़ी एवं शासकीय शालाओं में बच्चों की स्क्रीनिंग, आयुष्मान ग्राम व वार्ड पंचायत, सेवा पखवाड़ा इत्यादि गतिविधियां आयोजित की जायेगी ।उन्होंने बताया कि आयुष्मान आपके द्वार 3 के तहत विशेष अभियान 1 सितम्बर से संचालित कर पात्रहित ग्राहियों का आयुष्मान कार्ड बनाया जायेगा। बैठक के दौरान जिलाधिकारी महादेय द्वारा सभी चिकित्सा अधिकारियों की निर्देशित किया गया कि इस अभियान को सफल बनाने में अपनी भूमिका का ईमानदारी से निर्वहन किया जाए। बैठक के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डीपीएम,जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी, समस्त एमओआईसी तथा चिकित्सा विभाग के अधिकारी /कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे।

सड़क गड्ढों में तब्दील राहगीरों को आने जाने में हो रही परेशानी जनप्रतिनिधि नहीं दे रहे ध्यान

त्रिगुट संवाददाता

गोंडा। झंझरी ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले रामनगर बनकट से अन्य स्थानों तक जाने वाली सड़क गड्डो में तब्दील सड़कों पर भरापानी राहगीरों को आने-जाने में हो रही परेशानी। उक्त गांव निवासी अमन मोहन चतुर्वेदी ने बताया कि रामनगर बनकट काली माता मंदिर से लेकर राधेश्याम चौबे के घर तक दूरी एक किलोमीटर लगभग तथा अमन मोहन चतुर्वेदी के घर से लेकर पाटनदीन चौबे के खेत तक इसकी दूरी लगभग 200 मीटर है। गांव के लोगों में अमन मोहन चतुर्वेदी, दीपक चौबे, प्रदीप चौबे, कुलदीप चौबे, संदीप चौबे, पप्पू चौबे, वेद प्रकाश चौबे, पाटनदीन चौबे, शिव भोला चौबे, नवीन चौबे, रिंकू चौबे, पिंटू चौबे, रजत चौबे, धर्मेंद्र चौबे, शैलेंद्र मोहन चतुर्वेदी उर्फ कन्नू चौबे, अमरेंद्र मोहन चतुर्वेदी उर्फ मन्नू चौबे आदि लोगों ने आरोप लगाया कि यह सड़क गांव से लेकर बघेलवा के रास्ते सिसवरिया तक को जोड़ती है। और सिसवारिया से सड़क आगे चली जाती है। इस सड़क में जगह-जगह गड्ढे हैं बारिश में इसकी हाल बद से बदतर हो जाती है। जिसमें साइकिल तो क्या पैदल चलना भी दुश्वार है लोग गिरकर चोटिल भी हो रहे हैं। रविवार को एक चार पहिया वाहन जा रही थी जो गड्ढे में फंस गई और समाचार लिखे जाने तक नहीं निकल पाई थी। लोगों ने जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि गांव वाली सड़क तथा अन्य गांवों को जोड़ने वाली सड़क को बनवाया जाए। जिससे गांव वालों तथा अन्य आने जाने वाले लोगों को सुविधा हो। अमन मोहन चतुर्वेदी ने यह भी आरोप लगाया कि कई वर्षों से इस सड़क की बनवाने के लिए मांग की जा रही लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

मेरा माटी , मेरा देश के माध्यम से पूरे भारत फैलायेगे जागरूकता - राजेश पाण्डेय जी महराज

अयोध्या । श्री अयोध्या जी धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेश महाराज जी ने मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत वशिष्ठ कुंड वार्ड से आज शुरुआत की गई द्य राजेश महाराज अयोध्या तीर्थ धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष जी की अध्यक्षता में टेढ़ी बाजार राम जन्म भूमि थाने के सामने से होते हुए पूरे वशिष्ट कुंड वार्ड में प्रभात फेरी निकाली गई द्य प्रभात फेरी के अवसर पर राजेश पाण्डेय जी महराज ने कहा कि मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत सभी देशवासियों में देशप्रेम , एकता अखंडता और वैसुधैव कुटुंबकम की भावना का संचार देश के प्रत्येक नागरिकों में होगा श्री पाण्डेय ने कहा की ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन समय-समय पर होते रहने से सभी देशवासियों में नई ऊर्जा का संचार होता रहता है ।और मेरा माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत सभी भारतवासी के मन में राष्ट्र प्रेम की भावना बनी रहे । इसके लिए अयोध्या के प्रत्येक वार्ड में जन जागरूकता फैलाने का कार्य किया जा रहा है द्य प्रभात फेरी अध्यक्षता राजेश पाण्डेय जी महराज अयोध्या तीर्थ धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष , कन्हैया मौर्य जी , प्रमोद साहू जी , रविंद्र रावत मुंबई , सोमनाथ जी , रुचिता रावत मुंबई , छोटू पांडे , हरिहर सिंह , घनश्याम यादव , चंद्रा सिंह , वश्ररगई जी , रामबाबू जी , रामकृष्ण जी निर्मल पांडे आदि लोग मौजूद रहे।

लोक अदालत में 17 अदालतों के माध्यम से 86 वादो का विस्तारण हुआ

(सत्य प्रकाश पांडेय)

अंबेडकरनगर,जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अम्बेडकरनगर के तत्वाधान मे जनपद न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्घाटन श्री राम सुलीन सिंह, जनपद न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, द्वारा माँ सरस्वती के प्रतिमा के समक्ष दीपाचन एवं पुष्पार्चन करके श्री रत्नेश मणि त्रिपाठी, प्रथम, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश / नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय लोक अदालत की उपस्थिति में एवं श्री कमलेश कुमार मौर्य, अपर जिला जज / सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अम्बेडकरनगर के देख-रेख में एवं जनपद न्यायालय अम्बेडकरनगर के समस्त सम्मानित न्यायिक अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण की उपस्थिति में कराया गया।

इस राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 17 अदालतें लगायी गयी श्री रत्नेश मणि त्रिपाठी, माननीय प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अम्बेडकरनगर द्वारा 86 वादों का निस्तारण करते हुये रू0 10000/- (दस हजार रूपये) का अर्थदण्ड आरोपित किया गया। श्री आशीष वर्मा, विशेष न्यायाधीश पॉक्सो अधिनियम द्वारा 06 वादों का निस्तारण करते हुए रू0 3000/- (तीन हजार रुपये) का अर्थदण्ड आरोपित गया। श्रीमती नेहा आनन्द, विशेष न्यायाधीश एस0सी0/ एस0टी0 अधिनियम द्वारा 01 वाद का निस्तारण करते हुए रू0 500/- (पांच सौ रुपये) का अर्थदण्ड आरोपित गया श्री अभिषेक कुमार श्रीवास्तव, अपर जिला जज, द्वितीय, अम्बेडकरनगर द्वारा 03 वादों का निस्तारण करते हुये रू0 1000 (एक हजार रूपये) /- अर्थदण्ड आरोपित किया गया। श्रीमती मीरा गोठलवाल, अपर जिला जज, त्वरित, प्रथम, अम्बेडकरनगर, द्वारा 02 वादों का निस्तारण करते हुये रू0 1000 (एक हजार रुपये) /- अर्थदण्ड आरोपित किया गया। श्रीमती पूनम सिंह 11, अपर जिला जज, त्वरित, द्वितीय, अम्बेडकरनगर, द्वारा 02 वादों का निस्तारण करते हुये 500 (पांच सौ रूपये) - अर्थदण्ड आरोपित किया गया। श्रीमती प्रियंका सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, अम्बेडकरनगर द्वारा सबसे अधिक 2826 वादों का निस्तारण करते हुए रू0 2,61,540 /- (दो लाख इक्सट हजार पांच सौ चालीस रुपये) का अर्थदंड आरोपित किया गया जिसमें श्रीमान मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट महोदया द्वारा ऐतिहासिक निर्णय देते हुये 24 वर्षो से लम्बित वाद 32/1999 सरकार बनाम अशोक आदि को निस्तारित करते हुये समाप्त किया गया। श्रीमती अंशु शुक्ला, सिविल जज (सी0डि0) अम्बेडकरनगर द्वारा 15 वादों का निस्तारण किया गया। श्री शैलेश कुमार मौर्य, सिविल जज (सी0डि0) त्वरित, अम्बेडकरनगर द्वारा कुल 733 वादों का निस्तारण करते हुए 7.200/- (सात हजार दो सौ रूपये) का अर्थदंड आरोपित किया गया। श्री आतिफ सिद्दिकी, सिविल जज (जू0डि0) / जे0एम0 टाण्डा, अम्बेडकरनगर द्वारा कुल 784 वादों का निस्तारण करते हुए रू0 10,25,045. 90/- (दस लाख पच्चीस हजार पैंतालीस रुपये) का उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी किया गया एवं 17,000/- (सत्तरह हजार रुपये) का अर्थदंड आरोपित किया गया। सुश्री गार्गी न्यायिक मजिस्ट्रेट, अम्बेडकरनगर द्वारा कुल 50 वादों का निस्तारण करते हुए रू0 250/- (दो सौ पचास रुपये) का अर्थदंड आरोपित किया गया। श्रीमती अर्शी नूर अपर सिविल जज (जू0डि0) प्रथम, अम्बेडकरनगर, द्वारा कुल 271 वादों का निस्तारण करते हुए रू0 3,700/- (तीन हजार सात सौ रूपये) का अर्थदंड आरोपित किया गया। श्रीमती मीनाक्षी यादव, अपर सिविल जज (जुडिश) द्वितीय अम्बेडकरनगर द्वारा कुल 825 वादों का निस्तारण करते हुए रू0 9,250/- (नौ हजार दो सौ पचास रूपये) का अर्थदंड आरोपित किया गया। सुश्री मेघा चौधरी, सिविल जज जू0डि0 त्वरित प्रथम, अम्बेडकरनगर 477 वादों का निस्तारण करते हुए रू0 4750/- (पांच सौ रुपये) का अर्थदंड आरोपित किया गया। श्री अभिषेक सिंह ढ्ढढ्ढ, अपर सिविल जज (जू0डि0) त्वरित, अम्बेडकरनगर, द्वारा कुल 689 वादों का निस्तारण करते हुए रू0 6000/- (छ हजार रूपये) का अर्थदंड आरोपित किया गया। वैवाहिक मामलों हेतु आयोजित प्री-लिटिगेशन विशेष लोक अदालत में 05 वाद बिना न्यायालय में वाद दायर किये गये सुलह समझौता के आधार पर निस्तारित किये गये जिसमें समस्त 05 जोड़े साथ-साथ रहने हेतु राजी खुशी विदा हुये।

इसके अतिरिक्त इस राष्ट्रीय लोक अदालत में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, अम्बेडकरनगर द्वारा 09 वादों का निस्तारण करते हुये 9,63,000/- (नौ लाख, तिरसठ हजार रूपये) क्षतिपूर्ति दिलवाई गई।इसके साथ ही राष्ट्रीय लोक अदालत में जनपद न्यायालय अम्बेडकरनगर के समस्त न्यायालयों द्वारा कुल 6771 वाद, जनपद अम्बेडकरनगर के राजस्व न्यायालयों द्वारा कुल 17747 राजस्व वाद, विद्युत विभाग के 3200 बाद एवं जनपद के अन्य विभागों द्वारा 18381 बाद, बैंक ऑफ बडौदा, बडौदा उ0प्र0 ग्रामीण बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, भारतीय स्टेट बैंक सहित जनपद के अन्य बैंकों द्वारा स्टाल लगाकर 704 वाद निस्तारित करते हुये 4,87,82,959/- रू0 का समझौता किया गया जिसमें से 1,21,42,521 /- रू0 तत्काल वसूल किया गया। इस प्रकार कुल प्री-लिटिगेशन के 40032 वादों का निस्तारण हुआ। कुल मिलाकर इस राष्ट्रीय लोक अदालत में 46803 वादों का निस्तारण किया गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत के उद्घाटन के उपरान्त श्री राम सुलीन सिंह, माननीय जनपद न्यायाधीश / अध्यक्ष महोदय, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अम्बेडकरनगर द्वारा जनपद न्यायालय परिसर, अम्बेडकरनगर में स्थित न्याय वाटिका में भारतीय स्टेट बैंक की अकबरपुर शाखा के सहयोग से वृक्षारोपण किया गया। वृक्षारोपण के दौरान जनपद न्यायालय अम्बेडकरनगर के सम्मानित न्यायिक अधिकारीगण उपस्थित रहे एवं भारतीय स्टेट बैंक से श्री आलोक यादव, क्षेत्रीय प्रबन्धक श्री रूप सहाय अनुरागी, मुख्य प्रबन्धक व अकबरपुर शाखा के मुख्य प्रबन्धक अशोक कुमार अरूण उपस्थित रहे।

इस राष्ट्रीय लोक अदालत में श्री सुशील कुमार - ढ्ढढ्ढ, अपर जिला जज, पाक्सो प्रथम, अम्बेडकरनगर श्री विमल कुमार गुप्ता, अग्रणी जिला प्रबन्धक, बैंक ऑफ बड़ौदा, श्री शिव कुमार, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, जनपद न्यायालय श्री मयूर श्रीवास्तव, सिस्टम ऑफिसर, अम्बेडकरनगर, श्री अनिल श्रीवास्तव, प्रशासनिक अधिकारी, अम्बेडकरनगर, श्री अमित कुमार वर्मा न्यायालय प्रबन्धक श्री मनोज कुमार पाण्डेय, केन्द्रीय नाजिर, श्री ओनकेश पाण्डेय, सहायक नाजिर, श्री इशरतुल्लाह, लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल सिस्टम के अधिवक्तागण श्री रमेश राम त्रिपाठी, श्री राजेश तिवारी श्री शरद पाण्डेय, एवं सुश्री बुतूल जेहरा उपस्थित आये व फंट आफिस एवं लीगल एड क्लीनिक पर नियुक्त पराविधिक स्वयं सेवकों सहित अन्य वादकारीगण व अधिवक्तागण आदि उपस्थित रहे।

दो घंटे में हॉफ जा रही एक्स-रे मशीन, एक घंटे करते हैं ठंडा

संतकबीरनगर। जिला अस्पताल में लगी एक्स-रे मशीन चलते-चलते दो घंटे में गरम हो जा रही है। इस वजह से उसे बंद कर ठंडा करना पड़ता है। इस दौरान मरीजों को एक्स-रे के लिए इंतजार करना पड़ता है। जिला अस्पताल में एक्स-रे की एक मशीन लगी हुई है। प्रतिदिन 150 से 180 मरीजों का एक्स-रे होता है। एक व्यक्ति के एक्स-रे में पांच से आठ मिनट लगते हैं। एक्स-रे मशीन दो घंटे चलने के बाद गरम हो जाती है। ऐसे में एक्स-रे को रोक दिया जाता है। मशीन को ठंडा करने में करीब एक घंटे तक का समय बर्बाद होता है। इस दौरान मरीजों को एक्सरे के लिए इंतजार करना पड़ता है। हालांकि, डिजिटल एक्स-रे मशीन भी लगी है, पर सबसे अधिक भीड़ साधारण एक्स-रे मशीन पर लगी होती है। एक्स-रे कराने आए महुली निवासी शरद चंद ने बताया कि पैर की हड्डी में दर्द है। घुटने से वह मुड़ नहीं रहा है। डॉक्टर ने एक्स-रे के लिए लिखा है, पर टेक्नीशियन ने आधे घंटे इंतजार करने को कहा है। बताया है कि मशीन थोड़ी गरम हो गई है। इसी तरह से मुंडेरवा निवासी संजीत, बघौली निवासी जयकरन भी एक्स-रे कराने आए थे। उन्हे भी इंतजार करने को कहा गया था।

कार्यालय, ग्राम पंचायत-हरदी, विकास खण्ड- मया, जनपद- अयोध्या

अल्प कालीन निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत हरदी विकास खण्ड मया जनपद अयोध्या में वर्ष 2023 - 2024 में मनरेगा योजना के अंतर्गत कराये जाने वाले कार्यो में खंडजा निर्माण कार्य हेतु ईट, की आपूर्ति की जानी हैं । इच्छुक रजिस्टर्ड फर्म द्वारा दिनाँक 11/09/2023 से दिनांक 14/09/2023 तक निविदा जमा की जा सकती हैं । निविदा दिनाँक 14/09/2023 को 2 बजे खोली जायेगी । निविदा को स्वीकृति/ अस्वीकृति करने का अधिकार ग्राम प्रधान और सचिव को होगा।

कार्य का नाम-

1- गौहनिया संपर्क मार्ग से पक्की सड़क तक खडंजा निर्माण कार्य

ग्राम प्रधान — रमेश कुमार वर्मा, हरदी, मया,अयोध्या

सचिव — रेनू वर्मा, हरदी, मया,अयोध्या

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री अलीशा अंसारी जो कि फातिमा सीनियर सेक्शन स्कूल में कक्षा 9 की छात्रा है। विद्यालय के अभिलेख में त्रुटिवश अलीशा अंसारी के पिता का नाम शकील अंसारी दर्ज हो गया है। जबकि सही नाम शकील अहमद अंसारी SHAKEEL AHMAD ANSARI है। छात्रा की माता का नाम त्रुटिवश SAYMA ANSARI दर्ज हो गया है जबकि सही नाम SAIMA ANSARI है।

शकील अहमद अंसारी पुत्र इलियास अहमद अंसारी

निवासी-म.नं. 692, पटेलनगर, कोतवाली नगर, जनपद गोण्डा

RNI No. 46071/85

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक **टी.रजा रिज़्वी** ने विकास प्रिन्टिंग प्रेस, मालवीयनगर, गोण्डा से मुद्रण करवाकर 568, मालवीयनगर गोण्डा (उ0प्र0) 271001 से प्रकाशित किया।

गोण्डा कार्यालय

फोन/फैक्स—05262—230683

मो0— 09415120085

लखनऊ कार्यालय—

फोन— 0522—4028445

मो0— 09415249085

:- E-mail :-

trigutdainik@gmail.com